



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 5, 1977/कार्तिक 14, 1899

No. 45]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 5, 1977/KARTIKA 14, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य अंतर्व्व विधि विभाग और अधिसूचनाएँ)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सार्विधिक भावेश और अधिसूचनाएँ

**Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(Other than the Administrations of Union Territories)**

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1977

का० श्रा० 3385.—एकाधिकार एवं निवेशनकारी व्यापार प्रधा
नियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3)
के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्व इण्डिया फॉल्स लिमिटेड
के पौरीकरण (पौरीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 6/70) के निरस्तीकरण को
अधिसूचित करती है।

[संख्या 2/25/76-एम० २]

श्री० छुशालदास, उप सचिव

वित्त मंत्रालय
(राजस्व और वैदीकिंच विभाग)
(राजस्व विभाग)
नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1977

का० श्रा० 3386.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 80ज की उपधारा 2(ज) द्वारा प्रदत्त
राजियों का प्रयोग करते हुए, “अरुलमियू अम्मायिया नाम्मी रायार मन्दिर,
थिरुकुरुंगुडी” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए नामिलनाडु राज्य में
सर्वत्र विद्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं. 1861/का० सं. 176/48/77 आई० टी० (६।)]

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS**

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 18th October, 1977

S.O. 3385.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26
of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969
(54 of 1969), the Central Government hereby notifies the
cancellation of the Registration of M/s. India Foils Limited,
under the said Act (Certificate of Registration No. 6/70).

[F. No. 2/25/76-M.II]

C. KHUSHALDAS, Dy. Secy.
(3855)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue & Banking)
(Revenue Wing)

New Delhi, the 7th July, 1977
(INCOME-TAX)

S.O. 3386.—In exercise of the powers conferred by sub-
section 2(b) of Section 80 G of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Arul-
migu Azbagia Nambi Rayar Temple at Thirukkurungudi
Man-guneri Taluk, Tirunelveli District Tamil Nadu” to be a
of renown throughout the State of Tamil Nadu for the pur-
poses of the said Section.

[No. 1861/F No. 176/48/77-IT(A1)]

नई दिल्ली, 29 जूनाई, 1977

का० आ० 3387.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए “श्री उत्तरादि मठ संस्थानम्” की उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए नियरित वर्ष 1962-63 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[मं० 1907/का० सं० 197/18/77-मा०क० (ए I)]

New Delhi, the 29th July, 1977

S.O. 3387.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Uttaradi Mutt Samstham” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1962-63.

[No. 1907/F. No. 197/18/77-IT(AI)]

का० आ० 3388.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80क की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “श्री जनार्दन मंदिर, येरमल उड्हपी तालुक” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए काटिक राज्य में सर्वत्र विद्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[मं० 1908/का० सं० 176/67/77 आई० टी० II (ए I)]

S.O. 3388.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Janardhana Temple, Yermal, Udupi Taluk” to be a place of public worship of renown throughout the State of Karnataka for the purposes of the said section.

[No. 1908/F. No. 176/67/77-II(AI)]

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1977

का० आ० 3389.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80क को उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री शान्ता बुर्गी संस्कृत संस्थान, मंकोल मार्म गांगो, गोवा को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए गोवा, वसण और दीव संघ राज्यप्रेत्र में सर्वत्र विद्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[मं० 1918/का० सं० 176/76/77 आई० टी० (ए I)]
एम० शास्त्री, अवर. मंत्री

New Delhi, the 4th August, 1977

S.O. 3389.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Shree Shantadurga Lakshmi Narsini Sankhaloy Sansthan, Sancoale, Margao, Goa” to be a place of public worship of renown throughout the Union Territory of Goa, Daman & Diu for the purposes of the said Section.

[No. 1918/F. No. 176/75/77-II (AI)]
M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जूनाई, 1977

का० आ० 3390.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 1597 (का० सं० 203/187/76—आई० टी० ए० II) नारीक 24 दिसम्बर, 1976 के अनुसरण में सर्वमाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय बिक्रेता अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, विहित प्राधिकारी, ने आय-कर अधिनियम, 1961 की उपधारा (2क) के प्रयोजन

के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों को इस शर्त के अधीन रखते हुए 1-4-1977 से 31-3-1982 तक के लिए अनुमोदित किया है कि वैज्ञानिक अनुसंधान, जनसंख्या की गतिशीलता, प्रजनन दर, प्रेतित शब्द पर सामाजिक विकित्सीय प्रेरणा और छोटे परिवार के लिए दम्पत्तियों द्वारा अपनाएं गए साधनों के प्रेरणा लोटों पर प्रभाव अनुसंधान के विशिष्ट पहलुओं के प्रश्नात्मक कार्यक्रम के लिए होता और संत्रिमों की व्यापत, उपस्कर, फलोंकर और प्रयोगशाला-साधितों, जैसे प्रतिदीप सूक्ष्मदर्शी और उच्च गति द्वारा अपरेक्टिव के कार्य पर हुए अवय को छोड़ कर, अवय पूर्णतः इसी कार्यक्रम पर किया जायगा।

वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम—प्रजनन, जनसंख्या गतिविज्ञान के क्षेत्रपद्धतियों, परिवार नियोजन अपनाने में पुनरुत्थान जीव विज्ञान और सामाजिक-सास्कृतिक पहलुओं पर अनुसंधान।

प्रयोजक—(1) श्रीमति ज्ञानिकम प्राइवेट लिमिटेड

(2) श्रीमति मेटल पाउडर्स लिमिटेड

(3) श्रीमति इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड।

आयोजन स्थान—43, धौथ रोड, पुणे-411003 के० ई० एम० अस्पताल अनुसंधान केन्द्र पूर्ण। के० ई० एम० अस्पताल अनुसंधान केन्द्र, पूर्ण को जहां उक्त कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है विल मंत्रालय (राजस्व और वैज्ञानिक विभाग) की अधिसूचन, सं० 332 (का० सं० 203973 आई० टी० II) तारीख 21-4-73 द्वारा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35(I)(II) के अधीन अनुमोदित किया जा चुका है।

यह अधिसूचना 1-4-1977 से 31-3-1982 तक प्रवृत्त रहेगी।

[सं० 1862/का० सं० 203/187/76 आ० कर० ए० II]

New Delhi, the 26th July, 1977

S. O. 3390.—In continuation of this Department notification's No. 1597 (F.No. 203/187/76-ITA.II) dated the 24th December, 1976, and in supersession of this Department's notification No. 1862 dated 8th July, 1977, it is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved by the prescribed authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi, for the purpose of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 with effect from 1st April, 1977 to 31-3-1982.

Scientific Research
Programme:

Research on certain aspects
of fertility, population dynamics,
reproductive biology
and socio-cultural aspects of
acceptance of Family Planning.

Sponsored by :

(i) Khosla Plastics Pvt. Ltd.,
(ii) Khosla Metal Powers Ltd.,
(iii) Khosla Engineering Pvt.
Ltd., 43, Aundh Road,
Poona-411003.

Sponsored at :

K.E.M. Hospital Research Centre, Pune.

Total cost of project :

Rs. 31.22 lakhs.

K.E.M. Hospital Research Centre, Pune where the above programme has been sponsored has been approved under section 35(1) (ii) of the Income-tax Act, 1961 by Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) notification No. 332 (F.No.203/9/73-ITA.II) dated 21st April, 1973.

This notification is effective from 1st April, 1977 to 31st March, 1982.

[No. 1894/F.No. 203/85/77-ITA.II]

गुरुद्विपत्र

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1977

का० आ० 3391.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिनियम किया जाना है कि केन्द्रीय सरकार, अधिसूचना स० 1739 (का० स० 203/11/77-आई टी ए II) तारीख 30 अप्रैल, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है:—

“1 अप्रैल, 1976” के स्थान पर

“1 अप्रैल, 1971” पढ़ें।

[स० 1910/का० स० 203/11/77-आई टी ए II]

जे० पी० शर्मा, उप सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th July, 1977

S.O. 3391.—It is hereby notified for general information that the Central Government hereby amends the notification No. 1739 (F. No. 203/11/77-ITA.II) dated 30th April, 1977 as under:—

FOR the words 1st April, 1976

READ 1st April, 1971.

[No. 1910/F. No. 203/11/77-ITA.II]

J. P. SHARMA, Dy. Secy.

मादेश

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1977

स्टाम्प

का० आ० 3392.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा (1) के बांड (क) द्वारा प्रवस्त मक्कियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एन्ड्वारा, उम ग्रूप की माफ़ करती है, जो राष्ट्रीय महकारी विकास नियम द्वारा नी कराइ, सात लाख, पचास हजार रुपये मूल्य के बचत पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले बन्ध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य हैं।

[स० 31/77-स्टाम्प का० स० 33/71/77-विक्री कर]

एस० डी० रामस्वामी, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 13th October, 1977

STAMPS

S.O. 3392.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of nine crores, seven lakhs and fifty thousand of rupee, to be issued by the National Cooperative Development Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 31/77-Stamp-F. No. 33/71/77-ST]

S. D. RAMASWAMY, Under Secy.

(आधिक कार्य विभाग)

(ईकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3393.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रक्रीण उपसंघ) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श में, एन्ड्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1977 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना मंज्या एफ० 9-4/49/73-बी० आ०-1-6 के अन्तर्गत उक्त धारा 3 की उप धारा (ग), (ष), (ङ) और (च) में उल्लिखित अविक्षयों के हितों का

प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निवेशकों के स्थान पर अक्टूबर, 1977 के 24वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्टूबर, 1980 के 23वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए केनरा बैंक के निवेशकों के रूप में निम्नलिखित अविक्षयों को नियुक्त करती है:—

1. श्री जे० बी० राथ,

उप प्रबन्धक,

केनरा बैंक के बैंड II अधिकारी

धारा 3 की उपधारा (ग) के अनुसरण

में ऐसे कर्मचारियों के हितों का

प्रतिनिधित्व करने के लिए जो

कामगार नहीं है।

2. श्री एस० डी० गार्डनकर,

कारवार, नार्य कनारा विभाग,

कर्नाटक राज्य

धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण

में उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के

हितों का प्रतिनिधित्व करने के

लिए।

3. श्री मी० एस० विश्वम्,

प्रवैत्तिक मूल्य कलाकार,

मास्टर एंट्रेपर, केरल

हस्तशिल्प विकास निगम,

शिवमंगलम, महिला कामेज

लेन, बहुतकोड, लिंबनगम-

14, केरल राज्य

धारा 3 की उपधारा (क) के अनुसरण

में शिल्पकारों के हितों का प्रति-

निधित्व करने के लिए।

4. ले० जनरल के० पी० कैटेप (सेवा-

निवृत्त) ईडियन एक्सप्रेस

समूह समाचार पत्रों के रक्षा-

संचावदाता, बी०-209, प्रेटर

कैलाश, नई दिल्ली

धारा 3 की उपधारा (च) के अनु-

सरण में।

5. श्री जे० पी० जाल्ली,

व्यापारी तथा छोटे पैमाने के

उद्योगपति, भगव रोड,

दुबली-580020

(कर्नाटक राज्य)

धारा 3 की उपधारा (च) के

अनुसरण में।

6. श्री एस० सी० कृष्णन,

पार्टर्श एकाउंटेंट, सेसनी एस०

विश्वनाथन, 1-मी०/वाई० कामेज

रोड, नुंबंकुम, मद्रास-

600006 (नमिलनाडु)

धारा 3 की उपधारा (च) के

अनुसरण में।

7. श्री एस० नशर मुहम्मद,

प्रध्यक्ष और प्रबन्ध निवेशक,

पायनियर लेड, फिनिशर्स

(प्राइवेट) एमिटेड, 9/2-

140, पुरबा हीरामन,

कानपुर (उत्तर प्रदेश)

धारा 3 की उपधारा (च) के

अनुसरण में।

8. श्री एस० पी० निरु,

प्रबन्ध निवेशक, कोटमेक

प्राइवेट एमिटेड, “पिनर

हाउस”, कारवार राड,

दुबली-580024

(कर्नाटक राज्य)

धारा 3 की उपधारा (च) के

अनुसरण में।

[स० एफ० 9/26/77-सी० मा० I]

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 17th October, 1977

S.O. 3393.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the

Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Canara Bank for a period of three years commencing on the 24th day of October, 1977, and ending with the 23rd day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BO.I-6, dated the 7th February, 1974 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3 :

1. Shri J.V. Rao,
Sub-Manager,
Grade II Officer in
the Canara Bank.

Representing the employees of
the said Bank who are not
workmen—in pursuance of
sub-clause (c) of clause 3.
2. Shri S.D. Gaonkar,
Karwar,
North Kanara District,
(Karnataka State)

Representing the interests of
depositors of the said Bank—
in pursuance of sub-clause (d)
of clause 3.
3. Shri C.S. Viswam,
Hony. Chief Artist,
Master Craftsman,
Handicrafts Development
Corporation of Kerala,
Sivamangalam, Women's
College Lane,
Vazhuthacaud,
Trivandrum-14.
(Kerala State)

Representing the interests of
artisans—in pursuance of
sub-clause (c) of clause 3.
4. Lt. Gen. K.P. Candeth In pursuance of sub-clause (f)
(Retd.), Defence Correspondent to Indian Express
Group of Papers,
B-209, Greater Kailash,
New Delhi-110048

In pursuance of sub-clause (f)
of clause 3.
5. Shri J.P. Javali,
Businessman and Small
Scale Industrialist, Club
Road,
Hubli-580020
(Karnataka State)

In pursuance of sub-clause (f)
of clause 3.
6. Shri N.C. Krishnan,
Chartered Accountant,
M/s. S. Viswanathan,
1-C/Y, College Road,
Nungambakkam,
Madras-600006
(Tamil Nadu)

In pursuance of sub-clause (f)
of clause 3.
7. Shri S. Nazar Mohamed, In pursuance of sub-clause (f)
Chairman and Director,
Pioneer Leather
Finishers (P) Ltd.,
92/140, Purwa Hiraman,
Kanpur,
(Uttar Pradesh)

In pursuance of sub-clause (f)
of clause 3.
8. Shri M.V. Sirur,
Managing Director,
Cotmac Private Ltd.,
'Sirur House'
Karwar Road,
Hubli-580024
(Karnataka State)

In pursuance of sub-clause (f)
of clause 3.

[No. F. 9/26/77-B O.I.]

का०आ० ३३९४—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकार्ण उपचान्द) योजना, १९७० की धारा ३ के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजेंस बैंक के परामर्श से, एतद्वारा दिनांक ७ फरवरी, १९७४ के भाग सरकार, विस मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिमूच्चना संक्या एफ० ९-४/४९/७३-बी० ओ० १-७, ५-६-१९७४ की अधिसूचना सं० एफ० ९-४/४९/७४-बी० ओ० १ के अन्तर्गत उक्त धारा ३ की अपधारा (ग), (घ), (इ० और (च० में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निवेशकों के स्थान पर अक्टूबर, १९७७ के १७वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्टूबर, १९८० के १६वें दिन को समाप्त होने वाली ३ वर्ष की अवधि के लिए यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के निवेशकों के स्वप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :

1. श्री मधुमूरत बनर्जी, एजेंट,
कालेज स्ट्रीट बांध, यूनाइटेड
बैंक ऑफ इंडिया, कलकत्ता
2. श्रीमती दिग्जानेंग गंगने,
अद्यता, मणिपुर राज्य सभा अ
कल्याण मलाहकार बोर्ड, प्रोलड
लम्बूलेन, इम्काल, मणिपुर।
3. श्री एस० ओ० भास्कर, ओ०
सी० आइवरी वर्कस०, १५४,
नेताजी सुभाष रोड, छाकखाना
खागरा, सुशिवाशाव, पश्चिम
बंगाल
4. श्री पी० एम० नारियन आला, धारा ३ की उपधारा (च०) के
चार्टर्ड अकाउन्टेंट, मेसर्स० एस०
आर० बाट्टीवाय एण्ड
कम्पनी चार्टर्ड अकाउन्टेंट, ३६,
गणेशचन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता-
७०००१३।
5. श्री प्ररविन्द राय, ८, अली-धारा ३ की उपधारा (ट०) के
पुरज्जेस, कलकत्ता-७०००२७ सरण में।
6. श्री एन० सी० सेनगुप्ता, धारा ३ की उपधारा (च०) के
“दीपाली” एच-१५९२, बिहू-
रंजनपार्क, नई बिल्ली-११००१९।

[सं० एफ० ९/२७/७७-बी० ओ० १]

S.O. 3394.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the United Bank of India for a period of three years commencing on the 17th day of October, 1977, and ending with the 16th day of October, 1980 in the place of the Directors appointed under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No.F.9-4/49/73-BO.I-7, dated the 7th February, 1974 and No.F.9-4/49/73-BO.I dated 5th June, 1974 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3 :

1. Shri Madhusudan
Banerjee, Agent,
College Street Branch,
United Bank of India,
Calcutta.

Representing the Employees
of the said Bank who are
not workmen—in pursuance
of sub-clause (c) of clause 3.

2. Smt. Lhinganeng Gangte, Representing the interests Chairman, Manipur State of depositors of the said Social Welfare Advisory Bank—in pursuance of sub-Board, Old Lambulane, clause (d) of clause 3. Imphal (Manipur).

3. Shri S.K. Bhaskar, Representing the interests of D.C. Ivory Works, artisans—in pursuance of 154, Netaji Subhash Road, sub-clause (c) of clause 3. P.O. Khagra, Murshidabad, West Bengal.

4. Shri P.M. Narielvala, In pursuance of sub-clause (f) Chartered Accountant, of clause 3. M/s. S.R. Batliboi & Company, Chartered Accountants, 36, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013.

5. Shri Arbinda Ray, In pursuance of sub-clause (f) of clause 3. 8, Alipur Place, Calcutta-700027.

6. Shri N.C. Sen Gupta, In pursuance of sub-clause (f) of clause 3. "Deepali", H-1592, Chittaranjan Park, New Delhi-110019.

[No. F. 9/27/77-BO. I]

प्रा० भा० 3395.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एन्डवारा दिनांक 15 फरवरी, 1974 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की प्रधिसूचना मंदिरा एफ० 9-4/49/73-वी०आई० 0-12 के अन्तर्गत उक्त धारा 3 की उपधारा (ग), (घ), (इ) और (च) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निवेशकों के स्थान पर अक्षयबार, 1977 के 17वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्षयबार, 1980 के 16वें दिन की ममाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए हैंडियन बैंक के निवेशकों के ह्य में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :

1. श्री एस० सुशामणियन, प्रधि- धारा 3 की उपधारा (ग) के कारी एडवाइस इलियट्स रोड, अनुसरण में ऐसे कर्मचारियों के इंडियन बैंक की (मद्रास) हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए जो कामगार नहीं है।
2. श्री जी० लाटचन्ना, सोमपेट धारा 3 की उपधारा (घ) के 532284 जिला श्रीकाकुलम, अनुसरण में उक्त बैंक के जन- अध्य प्रदेश गतांशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
3. श्री जे० दयानन्द, हृषक, धारा 3 के धारा (इ) के अनु- 5 सेंट मार्टिन स्ट्रीट, पार्टी- सारण में कुछकों के हितों का चेरी-605001 प्रतिनिधित्व करने के लिए।
4. एम० पी० नाचिमूरु, मध्यध, धारा 3 की उपधारा (इ) के नेश्विमार्ह वीवर कोग्राम- अनुसरण में निलिपकारों के हितों रेटिव सोमाहटी 16 आजार स्ट्रीट, पोस्ट बाक्स नं० 33, इंडॉ-638001 (तमिलनाडु)
5. श्री एल० भक्तवस्मल, मदम्य, धारा 3 की उपधारा (च) के तमिलनाडु में कृषि मिचाई नथा महाकारिता टास्क फोर्म, राज्य योजना आयोग, "भक्त निवास" डाकखाना मिगनल्लूर कोयम्बूतर-5 (तमिलनाडु)

6. श्री आर० जे० चेलिया, धारा 3 की उपधारा (च) के निवेशक, राष्ट्रीय सरकारी वित्त और नीति मंस्था 12 राजेन्द्र प्लैस, फ्लैट-404, नई विल्ही-110008.
7. डा० नीलकण्ठ ए० कल्याणी धारा 3 की उपधारा (च) के प्रबन्ध निवेशक, भारत फोर्म कम्पनी, पुणे (महा-राष्ट्र)
8. श्री एन० श्रीनिवासन, चार्टर्ड धारा 3 की उपधारा (च) के अकाउन्टेंट, मेसर्स फेजर एंड रोम चार्टर्ड अकाउन्टेंट, 12 मेकलीन स्ट्रीट, पोस्ट बाक्स नं० 1352, भारत-600001 (तमिलनाडु)
9. श्री एन० बी० जबेरी, धारा 3 की उपधारा (च) के परामर्शी इंजीनियर और अनुसरण में। एस्ट्रिक्युलिस्ट, भावेंगवर कुटीर, गजावाडी रोड नं० 4 घाट कोपार, अम्बई-400077 (महाराष्ट्र)

[स० एक० 9/32/77-बी०ओ० I]

S.O.3395.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Schemes 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Indian Bank for a period of three years commencing on the 17th day of October, 1977, and ending with the 16th day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BOI. 12, dated the 15th February, 1974, to represent the interest of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3:

1. Shri S. Subramanian, Officer, Edward Elliotics Road (Madras) Branch of the Indian Bank. Representing the employees of the said Bank who are not workmen in pursuance of sub-clause (c) of clause 3.
2. Shri G. Latchanna, Somapeta-532284, Srikakulam Distt. Andhra Pradesh. Representing the interests of depositors of the said Bank in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
3. Shri J. Dayanand, Farmer, 5, Saint Martin Street, Pondicherry-605001. Representing the interests of farmers in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri M. P. Nachimuthu, President, Chennimalai Weavers Cooperative Society 16, Azad Street, Post Box No. 33, Erode-638001 (Tamil Nadu). Representing the interests of artisans in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
5. Shri L. Bakthavathsal, Member, Task Force for Agriculture Irrigation and Cooperation in Tamil Nadu, State Planning Commission, Baktha Nivas, Singanallur P. O. Coimbatore-5, (Tamil Nadu). In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

6. Shri R.J. Chelliah, Director In pursuance of sub-clause National Institute of Public Finance and Policy, 12, Rajendra Place, Flat-404, New Delhi-110008.

7. Dr. Neelkanth A. Kalyani, In pursuance of sub-clause Managing Director, Bharat Forge Co. Ltd., Poona.

8. Shri N. Srinivasan, Chartered Accountant, M/s. Fraser and Ross, Chartered Accountants, 12, Mclean Street, Post Box No. 1352, Madras-600001. (Tamil Nadu).

9. Shri S. B. Zaveri, Consulting Engineer and Industrialist, Bhawashwar Kutir, Rajawadi Road No. 4, Ghatkopar, Bombay-400077. (Maharashtra).

[No. F. 9/32/77-BOI

का०ग्रा० 3396.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एनदब्ल्यूआरा दिनांक 7 फरवरी, 1974 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ० 9-4 49/73-वी० श्री०-१-१-१३ के अन्तर्गत उक्त धारा 3 की उपधारा (ग), (घ), (इ) और (ज) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निदेशकों के स्थान पर अक्षयबर, 1977 के 17वें विन से प्रारम्भ होकर अक्षयबर, 1980 के 16वें विन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अधिकि के लिए बैंक आफ महाराष्ट्र के निदेशकों के स्थान में स्थानिक व्यक्तियों को नियुक्त करती है :

1. श्री एम० डॉ० रहायकर, धारा 3 की उपधारा (ग) के एजेंट, बैंक आफ महाराष्ट्र, नवीं पेठ शाहा, पुणे (महाराष्ट्र)
2. श्री कालुराम दोडाडे, धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में एसे कर्मचारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए जो कामगार नहीं है।
3. श्री भेस्लाल पाटीदार, धारा 3 की उपधारा (इ) के अनुसरण में उक्त बैंक के जमानतारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
4. श्री मुहम्मद करीमुल्ला शरीफ, प्रोप्राइटर केन कापट्स 47, टिच्हंडम स्वायर, बंगलोर (कर्नाटक)
5. श्री योगेन्द्र सी० अर्मीन, धारा 3 की उपधारा (ज) के चार्टर्ड अकाउन्टेंट, मेसर्स इमाल एंड शाह, चार्टर्ड अकाउन्टेंट, 49-55, अपोलो स्ट्रीट, कोट्टे, बम्बई-400001

6. डा० ए० बी० जाणो, धारा 3 की उपधारा (घ) के उपकृतपति, महाराष्ट्रा फुले छवि विद्यालय, जाकवाना राहुली-413722, जिला प्रहसनतगर (महाराष्ट्र)
7. श्री सी० एम० रामचन्द्रन, धारा 3 की उपधारा (ज) के उपकृतपति, शंकर संस्कृत प्रौद्योगिकीय कला शकादामी (रजिस्टर्ड बिल्ली), "दयावंश" 28/3, चामिसर्स रोड, मद्रास-600028 (तमिलनाडु)

[सं० ए० ९/३३/७७-वी० श्र० I]

S.O. 3396.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Bank of Maharashtra for a period of three years commencing on the 17th day of October, 1977, and ending with 16th day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BO-I-13, dated the 7th February, 1974, to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3:

1. Shri S. D. Rahalkar, Agent, Representing the employees of the said Bank who are Peth Branch, Poona, not workmen in pursuance of sub-clause (c) of clause 3.
2. Shri Kaluram Dodhade, Representing the interests of Kondhan, Post Manor, depositors of the said Tal. Palghar, Distt. Thane, Bank in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
3. Shri Bherulal Patidar, Representing the interests of Village & Post Gawali farmers in pursuance Palasia, Tehsil, Mhow, of sub-clause (e) of clause 3. Distt. Indore (M.P.)
4. Shri Mohamed Kalimulla Representing the Interests Shariff, Proprietor, Cane of artisans in pursuance Crafts 47, Richards' Square, of sub-clause (c) of clause 3. Bangalore (Karnataka).
5. Shri Yogendra C. Amin, In pursuance of sub-clause Chartered Accountant., M/s (f) of clause 3. Dalal & Shah, Chartered Accountants, 49-55, Apollo Street, Fort, Bombay-400001 (Maharashtra).
6. Dr. A. B. Joshi, Vice-Chancellor, Mahatma Phule Krishi Vidyapeeth, P.O. Rahuri-413722, Distt. Ahmednagar (Maharashtra).
7. Shri C. S. Ramachandran, In pursuance of sub-clause Vice-President, Sankara Academy of Sanskrit and Classical Arts (Regd. Delhi) "Dayardhra", 28/3, Chamiars Road, Madras-600028 (Tamil Nadu.)

[No. F. 9/33/77-BO I]

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3397.—राष्ट्रीयकून बैंक (प्रबन्ध ग्रीर प्रकार्य उपचार) योग्यता, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एनदब्ल्यूआर दिनांक 7 फ़रवरी, 1974 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ 9-4/49/73-बी० श्रो०-1-2 के प्रत्यंत उक्त धारा 3 की उपधारा (ग), (म), (क) और (च) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त नियेशकों के स्थान पर अक्टूबर, 1977 के 23वें दिन में प्रारम्भ होकर अक्टूबर, 1980 के 23वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए बैंक आफ़ इंडिया के नियेशकों के रूप में नियन्त्रित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :—

- श्री सी० एम० दिघे, धारा 3 की उपधारा (ग) के अनुसरण में ऐसे कर्मचारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए जो कामगार नहीं हैं।
- श्री मै० आर० शाह, धारा 3 की उपधारा (म) के अनुसरण में उक्त बैंक के जमानतारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
- श्री जै० एस० पाटिल, धारा 3 की उपधारा (क) के अनुसरण में कृषकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
- श्री अबुल हसन, धारा 3 की उपधारा (क) के अनुसरण में शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
- श्री बाई० एच० मानेशम, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
- श्री प्रफ्लेम धी० एच० प्रसाद, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
- श्री ए० कौ० सोमाणी, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
- श्री ए० वाडिवा, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।

[म० एक० 9/22/77-सी० श्रो० I]
बलदेव शिंह, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 22nd October, 1977.

S. O. 3397.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Bank of India for a period of three years commencing on the 24th day of October, 1977, and ending with the 23rd day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BO I-2, dated the 7th February, 1974, to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3:—

- Shri C. S. Dige, Officer-in-Charge, Branches Deptt. North Section Bank of India, Bombay. Representing the employees of the said Bank who are not workmen—in pursuance of sub-clause (c) of clause 3.
- Shri J. R. Shah, Tax Consultant, 25, Sagar Mahal, 65, Walkeshwar Road, Bombay-400006. Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
- Shri J. S. Patil, Agriculturist Post: Balad Taluka: Representing the interests of farmers—in pursuance of Apachofa, Distt. Jalgaon, sub-clause (e) of clause 3. (Maharashtra).
- Shri Abul Hasan, Manufacturer and exporter of Brass Artwares, Mohammed Ali Road, Bara Dari, P. O. Box 85, Moradabad (U. P.). Representing the interests of sub-clause (e) of clause 3.
- Shri Y. H. Malegam, Chartered Accountant, Golestan 37, Cuffe Parade, Bombay-400005. In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
- Prof. P. H. Prasad, Professor of Economics, A. N. S. Institute of Social Studies, Patna-800001. In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
- Shri N. K. Somani, Senior Executive and Director, Shreenivas Group of Industries and the Somani Group Kapur Mahal, Netaji Subhash Road, Bombay-400020. In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
- Shri N. M. Wadiwa, Advocate, Chhindwara, (M.P.) In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F. 9/22/77-BOI.]

BALDEV SINGH, Joint Secy.

मार्ग

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3398.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यद्य) के साथ पठित धारा 45 की अनुसरण में एनडब्ल्यूएफेक्ट विकास का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के प्रत्यंत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन पत्र पर विचार करने के बाद कामल्य डिस्ट्रिक्ट—सेन्ट्रल—कोअपरेटिव बैंक लिमिटेड—गोहाटी—(प्रामाण) जिसे इसके पाण्चाल

सहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एनवड्वारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उग दिन को नियाकर अधिस्थगन जारी आदेश करती है, जिसके अनुमार अधिस्थगन आयोग की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विश्व सभी कार्यवाहियों का शुल्क किया जाना अथवा शुल्क की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु शर्त यह है कि इन प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से असम सहकारी मिति अधिनियम, 1949 के अंतर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केन्द्रीय सरकार एनवड्वारा यह निर्देश देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की नियित पूर्यान्मति के बिना कोई शुल्क अथवा अप्रिम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई नियोग नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा ठहराव नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथा स्थिति अदायगियां अथवा शर्त करेगा:—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जामा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक:—

जामा रकम	देय रकम
50 रुपये सक्ति	पूरा
50 रुपये से अधिक	जामा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो।

बास्ते कि अदा की गयी रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जामा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी शर्त है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अथवा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

(2) ऐसे किसी बैंक ड्राफ्ट, पे-आर्डर अथवा बैंकों की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये जाने हैं जिस तारीख को स्थगन आदेश लागू होता है।

(3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उससे पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त हुण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख से बाद बमूल की गयी हुण्डियों की राशियों।

(4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विश्व बायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विश्व ली गयी डिगरी या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को बमूल करने के संबंध में करना आवश्यक हो।

बास्ते कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिगरी के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम, 250 रुपये से अधिक हो तो खाचकरने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी; और

(5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय सहकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रशासन बलाने के लिए कर नाशनिवार्य हो।

बास्ते कि जहां किसी एक केलेण्डर मास में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले के छः केलेण्डर महीनों में उस मद पर किए गए औसत मासिक व्यय से बढ़ जाता

हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला अन्य 500 रुपए से अधिक जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की नियित स्वप्न में अनुमति ली जाएगी।

(6) केन्द्रीय सरकार एनवड्वारा यह भी निर्देश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की प्रवधि के दौरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदायगियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के बचते असम सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कार्परेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किन्हीं सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए अणुओं अथवा अप्रिमों जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को लुकाए जाने प्रयोग थे, की वापसी अदायगी के लिए आवश्यक हों—

(ख) सहकारी बैंक की पूर्वोक्त अवायगियां करने के लिए असम कोप्रापरेटिव एपेक्स बैंक लिंग प्रथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाते खालीने की अनुमति दी जाएगी।

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आवश्यक नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम कोप्रापरेटिव एपेक्स बैंक लिंग प्रथवा किसी अन्य बैंक को इस संबंध में अरने प्राप्तकों अधरेस्त करना होगा कि इस प्राप्तेक द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

(ग) सहकारी बैंक, उन हुण्डियों को, जो बमूल न की गयी हों उनका प्राप्त करने के हक्कदार व्यक्ति के अनुरोध पर लीटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार प्रथवा हक न हो तो प्रथवा किसी हुण्डियों में उमका कोई हित न हो।

(घ) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों को जो इस (बैंक के पास किसी अण्ण, नकद, कर्ज अथवा शोवर-ड्राफ्ट के बचते विरक्ति, दुष्टि-बन्धक अथवा बन्ध रक्ती गयी हों अथवा अन्यथा प्रभारित की गयी हों, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा देसकेगा;

(i) किसी ऐसे मामले में जहां यथास्थिति अण्णकर्ता या अण्णकर्ताओं, से मिलने वाली सारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी है, और

(ii) किसी अन्य मामले में, उतने तक की रकम जिन्हीं आवश्यक प्रथवा संभव हो, निर्दिष्ट अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने से पहले लाभ हो, इनमें जो भी ऊंचे हों उक्त माल और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपातों को कम किये जिन्हा।

ORDERS

New Delhi, the 18th October, 1977

S.O. 3398.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Kamrup District Central Co-operative Bank Ltd., Gauhati, (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder:—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whether name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount Payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank ;

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Govern-

ment of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid :

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank ;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

फॉर्म 3399.—**बैंकारी वित्तियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के बाद (गवर्नर) के माध्यम से धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन पत्र पर विचार करने के बाद छिपागढ़ सेन्ट्रल कॉम्प्रो-परेंटिव बैंक लिमिटेड छिपागढ़, जिला छिपागढ़ (आसाम) (जिसे इसके पश्चात् गहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एनडब्ल्यूआर 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उग्र विन को मिलाकर अधिस्थित आदेश जारी करती है, जिसके अनुसार अधिस्थित आदेश की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध मध्यमी कार्यवाहियों का गूर्चा किया जाना अथवा गूर्चा की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु शर्त यह है कि इस प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से असम महावारी समिति अधिनियम, 1919 के अन्तर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।**

2. केन्द्रीय सरकार एनडब्ल्यूआर यह निर्देश देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थित की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक को लिखित पुरानामति के बिना कोई अन्य अथवा अधिक नहीं देगा, किंतु प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने वानियों और वेतवारियों के मध्यम में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्थीकार नहीं करेगा किसी प्रकार का समझौता अथवा घटनाव नहीं करेगा जिन्हें वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथा-स्थिति अदायगियां अथवा खर्च करेगा :—

(1) प्रथेक व्यवस्था वैकल्पिक अथवा चालू याने अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा याने में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :

जमा रकम

50 रुपये तक

पूरा ।

50 रुपये से अधिक

जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो।

बताने कि अदा की गयी रकम की कुल सीमा किसी एक अधिकारी (किसी अन्य व्यक्ति के मात्र संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अधिक 50 रुपये, हनमें जो भी प्रतिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी रास्ता है कि ऐसे किसी व्यक्ति को नोई रकम यथा नहीं की आएगी जो किसी प्रकार से महकारी बैंक का कर्जदार हो।

- (2) ऐसे किसी बैंक द्वापट, पेन्ड्राइवर अथवा चेकों की राशि जो महकारी बैंक ने उम नारीख को जारी कर दिये जाते हैं जिस नारीख को स्थगत आवेदन लागू होता है।
- (3) 24 अक्टूबर 1977 को अथवा उसमें पूर्व मुग्धातान के लिए प्राप्त हुण्डियों प्रौर उम नारीख से पहले, उम नारीख को या उम नारीख में बाद बसूल की गयी हुण्डियों की राशियों;
- (4) ऐसा कोई अध्यय जो किसी महकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध दायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा महकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध की गयी डिगरी या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को बसूल करने के संबंध में करता आवश्यक हो।

बताने कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिगरी के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम, 250 रुपये से अधिक हो तो अर्जन करने से पहले भाग्यवत्ति नियंत्रित बैंक की विविध अनुमति ली जाएगी; और

- (5) किसी अन्य मद पर कोई अध्यय, जहां नक कि वह अध्यय महकारी थैंक के विचार में बैंक या दैनिक प्रणाली नामांते के लिए कर्मना अनिवार्य हो :

बताने कि जहां किसी एक केन्द्रिय माम में किसी मद पर किया गया कुल अधिकारी अधिस्थगन आवेदन से पहले के छ: केन्द्रिय महोनों में उम मद पर किए गए श्रूमत मानिक व्यय में बढ़ जाता हो, अथवा जहां उम मद के संबंध में बोई अध्य नहीं किया गया हो और उम प्रकार किया जाने वाला व्यय 500 रुपये से बढ़ जाता हो तो उम प्रकार का व्यय करने से पूर्व भाग्यवत्ति नियंत्रित बैंक की विविध रकम में अनुमति ली जाएगी।

3. केन्द्रीय सरकार एन्ड्रुडारा यह भी निर्देश देती है कि महकारी बैंक की स्थीरता अधिस्थगन की व्यवस्था के दोरान—

- (क) महकारी बैंक निम्ननियत और अदायगियां कर सकेगा, अतिरिक्त महकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के बदलाव असम सरकार, भाग्यवत्ति रिजर्व बैंक अथवा असम योग्यापरेटिव एपेक्ष बैंक निमिटेड, भाग्यवत्ति स्टेट बैंक अथवा इसके किन्हीं महाधरक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा महकारी बैंक को दिए गए अदाएँ अथवा अप्रियमों की अधिस्थगन आवेदन के प्रधावाही होने की नारीख को अकाएँ जाने शेष थे, की वापसी अदायगियों के लिए आवश्यक हों;

- (ख) महकारी बैंक को पूर्वोक्त अदायगियों करने के लिए असम योग्यापरेटिव एपेक्ष बैंक लिंग अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने छाते चाते की प्रत्युमति दी जाएगी।

परन्तु इस आवेदन का ऐसा कोई आवश्यक नहीं होगा कि सातारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम योग्यापरेटिव एपेक्ष बैंक लिंग अथवा दूसे किसी अन्य बैंक को

इस संबंध में प्रपते आपको आशेस्त करना होगा कि इस आवेदन द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

- (ग) महकारी थैंक, उन हुण्डियों को, जो बसूल न की गयी हों, उनका प्राप्त करने के हकदार अधिकारी के अनुरोध पर लौटा रांगेगा यदि गहकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार अधिक 50 रुपये हो तो अथवा वैसी हुण्डियों में उपका कोई हिस्सा न हो।
- (घ) गहकारी बैंक ऐसे माल अथवा, प्रतिभूतियों को जो उस (बैंक) के पास किसी अदृश्य, नकद कर्त्ता अथवा, श्रोवर-ड्रॉफट के बदले गिरवाई, दृष्टिन्द्रियक अथवा, बन्ध गर्दी गयी हो अथवा अल्पता प्रभास्ति की गयी हो, निम्ननियत मामलों में छोड़ अथवा दे रांगेगा;
- (ि) किसी ऐसे मामले में जहां यथानियत अदृश्यकर्ता या अदृश्यकर्ताओं, से मिलने वाली मारी रकम महकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी है, और
- (ii) किसी अन्य मामले में, उनमें नक की रकम जितनी आवश्यक अथवा मंजब हो, लिंगिष्ट अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आवेदन के प्रधावाही होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी उन्हीं छाते चाते उम माल और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपातों को कम किये जिता।

[मं. एफ 8-17/77-एसी०]

S.O. 3399.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Dibrugarh Central Cooperative Bank Ltd., Dibrugarh, Dibrugarh Distt. (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher.

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way ;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order or moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it;

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank;

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid;

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AG]

कांप्रा० 3400—बैंकारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यद्य) के साथ पहले धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करने हुए केवल अरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के प्रत्यक्ष भारतीय रिजर्व

बैंक द्वारा दिये गये ब्रांचेन्ट पत्र पर विचार करने के बाद तेजपुर मेन्टर को प्राप्तरैटिक बैंक लिमिटेड, तेजपुर, जिना द्वारंग (प्रमाप) (जिसे इसके पश्चात् महकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में पत्रदाता 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का नामबार बन्द थोने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस दिन को मिनार्कर अधिक्षणन आदेश जारी करनी है, जिसके अनुसार अधिक्षणन अदेश का अधिक्षण के दौरान महकारी बैंक के विकल सभी कार्यवालियों का शुरू किया जाना अथवा शुरू की गई कार्यवालियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु यह यह है कि इस प्रकार के स्वयं वा किसी प्रकार से असम महकारी समिति अधिनियम, 1949 के अन्तर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केंद्रीय सरकार एनडब्ल्यूआर यह निर्देश देती है कि उस स्वीकृत अधिक्षणन की अधिक्षण के दौरान महकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की विविध पूर्णतुमियत के विना कोई अण अथवा अधिक नहीं देगा किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई नियन्त्रण नहीं करेगा। अथवा अपने वायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अवायपी नहीं करेगा अथवा अदायगी करता स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का गम्भीरा अथवा अहराव नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरह के और निम्नलिखित भीमा तक यथास्थिति अदायगीयां अथवा खर्च करेगा—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा जाति अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किया प्रत्येक जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक.

जमा रकम	देश रकम
50 रुपये तक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अवधि 50 रुपये जो भी अधिक हो :

बगते कि अदा की गई रकम की कुल भीमा किसी एक व्यवस्था (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुप राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इतमें जो भी अधिक हो, उसमें ज्यावा न हो।

पह भी खर्च है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं को आएगी जो किसी प्रकार से महकारी बैंक का कर्जवार हो।

(2) ऐसे किसी बैंक द्वारा, पे-प्रार्टर अथवा चेकों की राशि जो महकारी बैंक ने उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख के बाद असूल की गयी हुण्डियों की राशियों;

(4) ऐसा कोई व्यय जो किसी महकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विशेष दायर किए गए मुकाबले, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विशेष लोगी दिवारी या बैंक को मिनारे वाली किसी रकम का व्यूप करने के लिए संबंध में करना आवश्यक हो।

बगते कि प्रत्येक मुकाबले, अपील अथवा डिवरी के संबंध में किए, किए जाने वाले व्यय की रकम 250 रु. से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति सी जाएगी; और

(5) किसी अन्य मर पर कोई व्यय, जो रुपये कि वह अप्य महकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रणालय जमाने के लिए करना अनिवार्य हो।

बासरें कि जहाँ किसी एक बैंकेण्डर भास में किसी मद पर दिया गया शुल्क अर्वा अधिस्थगन आदेश में पहले के छ: केंपेण्डर, महीनों में उस मद पर किए गए श्रीमत मासिक व्यय से बढ़ जाता हो, अथवा जहाँ उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया औ श्रीर उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 500/- रुपए से बढ़ जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

(3) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निर्देश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के बीचान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदायगिया कर सकेगा, अथवा उनकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के बदले असम मण्डार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कोपरेटिव एपेक्स बैंक रिजर्व बैंक अथवा असम स्टेट बैंक अथवा इससे विन्ही सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए अद्यांत अथवा अधिगमों औ अधिस्थगन आवेदन के प्रधानी हाँतों की तारीख को चुकाए जाने पाए ये, की वापसी अदायगी के लिए आवश्यक हों;

(ख) सहकारी बैंक की पूर्वोक्त अदायगिया करने के लिए असम कोपरेटिव एपेक्स बैंक लिं. अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने बाते चलाने की अनुमति दी जाएगी :

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम कोपरेटिव एपेक्स बैंक लिं. अथवा बैंक से किसी अन्य बैंक को इस संबंध में अपने आपको अवश्यक करना होगा कि इस आदेश द्वारा निर्गाह गई गती का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

(ग) सहकारी बैंक उन हुण्डियों को, जो बमूल न की गयी हों, उनकी प्राप्त करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार अथवा हक न हो तो अथवा वैसी हुण्डियों में उम्मका कोई हित न हो।

(घ) सहकारी बैंक ऐसे माल पुरुष अप्रतिभूतियों को जो इस (बैंक) के पास किसी अद्या, नकद कर्ज अथवा औद्योगिक दृष्टि के बदले गिरवी, दुष्टि-बन्धक अथवा बन्ध रखी गई हों अथवा अन्यथा प्रभावित की गयी हों, निम्नलिखित भासलों में छोड़ अथवा दे सकेगा;

(i) किसी ऐसे मालने में जहाँ यथास्थिती अणकर्ता या अणकर्ताओं, से मिलने वाली मारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी है, और

(ii) किसी अन्य मालने में, उनने तक की रकम जिनसी अवश्यक अथवा संभव हो, निर्दिष्ट प्रनुपातों में नीचे अथवा उन प्रनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आदेश के प्रधानी होने से पहले आय थी, इनमें जो भी उच्च हो, उक्त माल और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के प्रनुपातों को कम किए बिना।

S.O. 3400.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Tezpur Central Cooperative Bank Ltd., Tezpur Darang Distt. (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :

Deposit amount	Amount payable
Unto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher :

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50 whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way ;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order or moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date ;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank :

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500 the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or ad-

vances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid:

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below stipulated proportions of the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

का० आ० 3401.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के अंश (यद्य) के मायथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विवे गये आवेदनपत्र पर विचार करने के बाद नीगांव सेन्ट्रल कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, नौगांव, जिला नौगांव (असम) (जिसे इसके पश्चात् महकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्वारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्ध होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस विन को मिलाकर अधिस्थगन आवेदन जारी करनी है, जिसके प्रत्युत्तर अधिस्थगन आवेदन की अवधि के दौरान महकारी बैंक के विषय मध्ये कार्यवाचियों का शुल्किया जाना अथवा शुल्क की गई कार्यवाचियों यो जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु यह यह है कि हम प्रकार के स्थगित का किसी भी प्रकार से असम महकारी समिति अधिनियम, 1949 के अन्तर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निरेण देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान महकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित पूर्वानुमति के बिना कोई अन्य अथवा अधिग्रहण नहीं वेगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा, किसी प्रकार का अदायगी नहीं करेगा, किसी प्रकार का अदायगी नहीं करेगा, किसी प्रकार का समझौता अथवा उत्तराव नहीं

करेगा किन्तु यह निम्नलिखित तर्फ से और निम्नलिखित मीमा तक यथास्थिति अदायगी अथवा खर्च करेगा:—

(1) प्रत्येक ब्रचत बैंक अथवा चारु खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक:—

जमा रकम	देव रकम
50 रुपये से अधिक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये, जो भी अधिक हो:

ब्रशने कि अदा की गयी रकम की कुल समाप्ति किसी एक अधिकता (किसी अन्य अधिकता के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उसमें ज्यादा न हो।

यह भी धर्त है कि ऐसे किसी अधिकता को कोई रकम अथवा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से महकारी बैंक वा कर्जदार हो।

(2) ऐसे किसी बैंक द्वारा, ऐ-आर्डर अथवा चेकों की गणि जो महकारी बैंक ने उस नारीब को जारी कर दिए जाने हैं जिस नारीब का स्थगित आवेदन लागू होता है।

(3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उसमें पूर्व भूगतान के लिए प्राप्त दृष्टियों और उस नारीब से पहले, उस नारीब को या उस नारीब से बाद वसूल की गयी दृष्टियों की राशियों;

(4) ऐसा कोई व्यय जो किसी महकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विकल्प दायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा महकारी बैंक द्वारा या उसके विकल्प से गयी दृष्टियों या वैक को मिलने वाली किसी रकम की वसूल करने के संबंध में करना आवश्यक हो:

ब्रशने कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा दृष्टियों के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम 250 रुपये से अधिक हो तो वह उसके विकल्प दायर से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी; और

(5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय महकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रणाली चलाने के लिए करना अनिवार्य हो:

ब्रशने कि जहां किसी एक केलेप्टर मास में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आवेदन से पहले के छों केलेप्टर महीने में उस मद पर किए गए और मासिक व्यय से वह जाता हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 500 रुपये से वह जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

(6) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निरेण देती है कि महकारी बैंक की स्वीकृति अधिस्थगन की अवधि के दौरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदायगी कर सकेगा, अवधि समाप्ति प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के द्वारा अग्रम गरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कोआपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट

दैक अथवा इसके विलम्बी महायक बैंको या किसी अन्य बैंक द्वारा महकारी बैंक को दिए गए अर्थों अथवा अधिकों जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को चुकाए जाने शेष थे, की वापसी अदायगी के लिए आवश्यक हों;

(ख) महकारी बैंक की पूर्वान्धि आवश्यगिया करने के लिए असम को-ऑपरेटिव एंपेंस बैंक लि. अथवा किसी अन्य बैंक के माथ अपने खाने चलाने की अनुमति दी जाएगी :

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आवश्य नहीं होगा कि गट्कारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम को-ऑपरेटिव एंपेंस बैंक लि. अथवा वैसे किसी अन्य बैंक को इस संबंध में अपने आपको अस्थग्न करना होगा कि इस आदेश द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

(ग) महकारी बैंक, उन हुण्डियों को, जो बसूल न की गयी थीं, उनको प्राप्त करने के हफदार अवित के अनुरोध पर लौटा सकेगा यदि महकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार अथवा हक हो तो अथवा वैसी हुण्डियों में उमका कोई हित न हो।

(घ) महकारी बैंक ऐसे माल अथवय प्रतिभूतियों की जो इस बैंक के पास किसी अण, नकद कर्ज अथवा शोवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, दृष्टिव्यक्त अथवा बन्ध रखी गयी हो अथवा अन्यथा प्रभागित की गयी हो, निम्नलिखित मामलों में लौट अथवा दे सकेगा :—

(i) किसी ऐसे मामले में जहां अपार्शकिन अणकर्ता या अणकर्ताओं, से मिलने वाली सारी रकम महकारी बैंक द्वारा बिना गर्त प्राप्त की गयी है, और

(ii) किसी अन्य मामले में, उन्हें तक की रकम जितनी आवश्यक अथवा संभव हो, निम्नलिखित अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी ऊचे हो, उन माल और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपातों को कम किये बिना।

[म० एफ० 8-17/77-ए०सी०]

S.O. 3401.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Nowgong Central Cooperative Bank Ltd. Nowgoing (Assam), (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise

or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	

10 per cent of the depositor
Rs. 50, whichever is higher :

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way ;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date ;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250 the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank ;

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank :—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid :

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent —

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally ; and

(ii) In any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

कांगड़ा 3402 :— बैंकरारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यद्य) के माध्य पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन पत्र पर विनाश करने के बाद, खालिपाहा चिन्हिकट कोप्रारेटिव बैंक सिमिटेंड हबर्री, जिना खालिपाहा, (असाम) — (जिसे इसके पश्चात महकारी बैंक कहा गया है), के संबंध में प्रत्यहारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक द्वारा कारोबार बदल होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उम्मीद दिन को मिनारार अविस्थगत अधिकारी जारी करती है, जिसके अनुसार अविस्थगत आदेश की अधिधि के दौरान महकारी बैंक के विशेष सभी कार्यवाहीयों का पूर्ण किया जाना अथवा शुरू की गई कार्यवाहीयों को जारी रखना स्थगित किया जाना है किन्तु यह है कि इन प्रकार के स्थानक का किसी भी प्रकार से अग्राम महकारी समिति अधिनियम, 1949 के अन्तर्गत असाम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उक्त अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केन्द्रीय सरकार प्रत्यहारा यह निवेश देती है कि उसे स्वीकृत अविस्थगत वीं अधिधि के दौरान महकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की नियमित पूर्वानुमति के बिना कोई क्रृति अथवा अविष्यम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्थीकार नहीं करेगा कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार वीं अधिधि नहीं करेगा अथवा अविष्यमी करना स्थीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा दृष्टरात्र नहीं करेगा किन्तु यह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित भीमा तक यथास्थिति अदायगियों अथवा खाले करेगा :—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा खाले अथवा किसी भी नाम से पूकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाले में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :—

जमा रकम	देय रकम
50 रुपये तक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो :

अगले कि अदा की गयी रकम की कुल रीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य अविक्त के माध्य संयुक्त खाले में नहीं) के नाम से खाले में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये इनमें जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी सर्व है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से महकारी बैंक का कमेंटर हो।

(2) ऐसे किसी बैंक ड्रायट, पे-वार्डर अथवा चेकों को गणि जा सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये जाने हैं जिस तारीख को स्थगन लागू होता है।

(3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उससे पूर्व सुनान के लिए प्राप्त हुएियों और उस सारिख में पड़ते, उस तारीख को या उस तारीख के बाद बस्तु की गयी हुएियों की जागियों ।

(4) ऐसा कोई अवय जो किसी महकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विशेष दायर किए गए सुकदम, अर्थात् अथवा महकारी बैंक द्वारा या उसके विशेष सभी गयी चिगरी या बैंक को भिन्ने वाली किसी रकम को बनूत करने के लिए करना अवश्यक हो।

बगाँ कि प्रत्येक सुरक्षे, अर्थात् अथवा चिगरी के संबंध में किए जाने वाले अवय की रकम 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की विविध अनुमति ली जाएगी, और

(5) किसी अवय मव पर कोई अवय, जहा तक कि वह अवय मरकारी बैंक के विवार में बैंक का ईतिह प्रणाली चर्चाने के लिए करना अनिवार्य हो :

बगाँ कि जहा किसी एक कोरेंडर मास में किसी भद्र पर किए गए कुछ खर्च अविस्थगत प्राइंट से पड़ते के लिए कोरेंडरों मधीनी में उस मद पर किए गए और असाम सारिख अवय से बड़े जागा हो, अथवा जहा उस मव के संबंध में कोई अवय नहीं किए गया हो और उस प्रकार दिया जा शक्ता दायर 500 रुपये से बड़े जाए तो उस प्रकार का दायर करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक लिए विविध रूप में अनुमति ली जाएगी।

3. केन्द्रीय सरकार प्रत्यहारा यह भी निरें देती है कि महकारी बैंक की स्वीकृत अविस्थगत की अवधि के बैरान—

(क) महकारी बैंक नियमितिवा और असारिखियों के मर्कों, अन्य मरकारी प्रतिसूतियों अथवा अन्य प्रतिसूतियों के ब्रह्मे प्रसम मरकार, अर्थात् अविस्थ घोष अथवा अन्य कार्यसंग्रह एपेक्ष बैंक निः, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किसी महायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा महकारी बैंक को दिए गए अन्यों अथवा अन्यमों जो अविस्थगत अदेश के प्रभावी होने की नारीत को चुकाए जाने जाए थे, या वाली अदायगियों के लिए आवश्यक हो,

(ख) महकारी बैंक का पूर्वोक्त वदायगिया करने के लिए अन्य कोवारेटिव एपेक्ष बैंक निः अवय, किसी अन्य बैंक के माध्य अपां खाले चर्चाने की अनुमति दी जाएगी।

परन्तु इस आवेदा का ऐसा कोई आवश्यक नहीं होगा कि महकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम कोवारेटिव एपेक्ष बैंक निः अवय बैंक से किसी अवय बैंक और इस संबंध में अपने प्राप्त कार्यसंग्रह करना होगा कि इस आदेश द्वारा लागू गई गई जांचों का बैंक द्वारा पातत किया जा रहा है;

(ग) महकारी बैंक, उस हुएियों को, जो बसूल न की गयी हो, उनका प्राप्त करने के लिए दायर अविक्त के अनुरोध

पर लोटा गये यदि गहकारी बैंक का उन दृष्टियों पर काउ अवधार प्रवाद इन दो तो आ त्राया विरुद्ध दृष्टियों में उमका बोई छित न हो।

(अ) गहकारी बैंक एमें मात्र अथवा प्रतिभूतियों को जो इप (बैंक) के पास किसी रूप, नकद कर्ते अथवा श्रोवर-ट्राप्ट के बदले पिरवी, दृष्टि-बन्धक अथवा बन्ध गवी गयी हों यथवा अलापा प्रभारित की गयी था, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा दे सकता—

(1) किसी ऐसे मामले में जहा यथासामिस अहणकर्ता या अहणकर्ताओं, में मिलने वाली मारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना जर्ते प्राप्त की गयी है, और

(2) किसी अन्य मामले में, उनमें नक की रकम जिनमी आवश्यकता अथवा संभव हो, निम्नलिखित अनुपातों में नीचे अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी ऊपर हो, उनमें मान द्वारा प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपातों को कम किया थिया।

[सं. प्रक. 8-17/77-ए.सी.०]

S.O. 3402.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Goalpara District Central Cooperative Bank Ltd., Goalpara (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Amount payable	Deposit amount
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher :

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank :

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid :

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank.

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right, or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally ; and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, on the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

का० आ० 3403 :—सैककारी वित्तियन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के अन्दर (यह) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त गणितों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन पत्र पर विचार करने के बाद कठार मेंट्रल कॉऑप्रेटिव बैंक लिमिटेड, सिलचर, जिला कालार, (आमाम) — (जिसे इसके पश्चात् महकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्वारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बम्ब होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस विन को मिलाकर अधिस्थगन आवेदन जारी करती है, जिसके अनुमान अधिस्थगन आवेदन की अवधि के दौरान महकारी बैंक के विशद् गमी कार्यवाइयों का शुरू किया जाना अथवा शुरू की गई कार्रवाइयों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु शार्ट यह है कि इस प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से प्रसाम महकारी मिलित अधिनियम, 1949 के अंतर्गत इसम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निवेश देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की निवित पूर्णमति के बिना कोई अण्ण अथवा अधिम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा ठहराव नहीं करेगा किन्तु यह निम्नलिखित सरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगीं अथवा खर्च करेगा :—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :—

जमा रकम	शेष रकम
50 रुपये तक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो :

बास्ते कि अदा की गयी रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी शर्त है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

(2) ऐसे किसी बैंक द्वापट, पे-प्राईंस अथवा बैंकों की गणि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये जाने हैं, जिस तारीख को स्थगन आवेद लागू होता है।

(3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उससे पहले भुगतान के लिए प्राप्त हुए अथवा और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख में बाद बसूल की गयी हुए अथवा की राशियों।

(4) ऐसा कोई अय्य जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विशद् दायर किए गए मुकदमे, भारी, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विशद् ली गयी डिगरी या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को बसूल करने के संबंध में करना आवश्यक हो :

बास्ते कि प्रत्येक मुकदमे, भारी अथवा डिगरी के संबंध में किए जाने वाले अय्य की रकम 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले सारतीय रिजर्व बैंक की निवित अनुमति भी जाएगी; और

(5) किसी अन्य मद पर कोई अय्य, जहां तक कि वह अय्य सहकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रशामन चलाने के लिए करना अनिवार्य हो :—

बास्ते कि जहां किसी एक फैलेझर मास में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले के छः कैलेझर महीनों में उस मद पर किए गए औसत मासिक अय्य से बढ़ जाता हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई अय्य नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला अय्य 500 रुपये से बढ़ जाए तो उस प्रकार का अय्य करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की निवित रूप में अनुमति भी जाएगी।

(3.) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निवेश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के बोरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और प्रदायगियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के पहले इसम सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा इसके कोरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किन्ही सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए अपांगों अथवा अपियों जो अधिस्थगन आवेद एकावारी होने की तारीख को चुकाए जाने शेष थे, की आपसी प्रदायगी के लिए आवश्यक हों ;

(ख) सहकारी बैंक को पूर्वोक्त प्रदायगियों करने के लिए इसम कोरेटिव एपेक्स बैंक लिंग अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाते चलाने की अनुमति भी जाएगी :

परन्तु इस आवेद का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले इसम कोरेटिव एपेक्स बैंक लिंग अथवा किसी अन्य बैंक को इस संबंध में अपने आपको अपवस्थ करना होगा कि इस आवेद द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है ;

(ग) सहकारी बैंक, उन हुए अपांगों को, जो बसूल न की गयी हों, उनका प्राप्त करने के हकदार अवक्त के अनुरोध पर लीटा मकेडा यदि सहकारी बैंक का उन हुए अपांगों पर कोई अधिकार अथवा हक न हो तो अथवा बैंक हुए अपांगों में उसका कोई हित न हो ;

(घ) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों को जो इस (बैंक) के पास किसी अण्ण, नकद कर्ज अथवा औवर-ड्राप्ट के बबले गिरवी, दृष्टि-बन्धक अथवा अन्य रखी गयी हों अथवा अन्यथा प्रभारित की गयी हो, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा दे मकेडा—

(i) किसी ऐसे मामले में जहां यथास्थिति व्यक्ति या अनुकर्ताओं, से मिलने वाली मारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना गर्म प्राप्त की गई है; और

(ii) किसी अन्य मामले में, उसने तक की रकम जिसनी आवश्यक अथवा सम्भव हो, निविट अनुपांगों से नीचे अथवा उन अनुपांगों से नीचे जो अधिस्थगन आवेद के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी ऊंचे हों, उसका माल और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपातों को कम किये बिना ।

S.O. 3403.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Cachar Central Cooperative Bank Ltd., Silchar, Cachar Distt. (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount payable
In full	
Upto Rs. 50	10 per cent of the deposit or
Above Rs. 50	Rs. 50 whichever is higher

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way ;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order or moratorium comes into force ;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date ;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank :

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank :—

- (a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;
- (b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid :

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank :

- (c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills ;
- (d) may release or deliver goods or securities which may be pledged hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent —
 - (i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and
 - (ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-ACI]

V. N. BAHADUR. Dy. Secy.

नृदिली, 31 अक्टूबर, 1977

S.O. 3404 :—प्रामाणिक बैंक प्रशिलियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 के द्वारा प्रदत्त भवित्वों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा हरदोहि उपाय प्रामाणिक बैंक, हरदोहि के अध्यक्ष के रूप में श्री कामी नाथ जुलूर्ही की नियुक्ति विधायक भारत सरकार, राजस्व और वैकिंग विभाग (वैकिंग पक्ष) की दिनांक 7 जून, 1977 की प्रधिसूचना संख्या १-१/77 आर० आर० श्री० में निम्नलिखित मंगोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त प्रधिसूचना के “31 अक्टूबर, 1977” अंकों, भवतों और शब्द के स्थान पर “31 दिसम्बर, 1977” अंक, भवतर और शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[संख्या १-१/77-आर० आर० श्री०]

New Delhi, the 31st October, 1977

S.O. 3404.—In exercise of the powers conferred by section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, Department of Revenue & Banking (Banking Wing) No. F. 1-1/77-RRB, dated the 7th June, 1977 relating to the appointment of

Shri Kashi Nath Chaturvedi as the Chairman of the Hardoi-Unnao Gramin Bank, Hardoi, namely :

In the said notification, for the figures, letters and words "31st October, 1977", the figures, letters and words "31st December, 1977" shall be substituted.

[No. F. 1-1/77-RRB]

का० आ० 3405 :—प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा ज्ञानीय ग्रामीण बैंक, होमगावाद के अध्यक्ष के रूप में श्री ए० ए० कोर्डे की नियुक्ति विषयक भारत सरकार, राजस्व और बैंकिंग विभाग (बैंकिंग पक्ष) की विनाक 1 अगस्त, 1977 की अधिसूचना सं० ए० 8-8/77-आर० आर० बी० में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के "31 अक्टूबर, 1977" अंकों, अक्षरों और शब्द के स्थान पर "31 दिसम्बर, 1977" अंक, अक्षर और शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[सं० ए० 8-8/77-आर० आर० बी०]
श्री० आर० बिश्वास, उप सचिव

S.O. 3405.—In exercise of the powers conferred by section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 8-8/77-RRB, dated the 1st August, 1977 relating to the appointment of Shri A. M. Korde, as the Chairman of the Kshetriya Gramin Bank, Hoshangabad, namely :

In the said notification, for the figures, letters and words "31st October, 1977", the figures, letters and words "31st December, 1977" shall be substituted.

[No. F. 8-8/77-RRB]
C. R. BISWAS, Dy. Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1977
New Delhi, the 15th October, 1977

का० आ० 3406—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुमरण में सितम्बर, 1977 के दिनांक 23 को समाप्त हुए समाह के लिए लेखा
S.O.3406 :—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 23rd day of September, 1977.

हाँ विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएँ LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियाँ ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट			सोने का सिक्का और बुलियन :—		
Notes held the Banking Department	15,76,33,000		Gold Coin and Bullion (क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,46,000	
संचालन में नोट			(ब) भारत के बाहर रखा हुआ		
Notes in circulation	7932,35,33,000		(b) Held outside India		—
जारी किये गये कुल नोट			विदेशी प्रतिशृतियाँ Foreign Securities	1271-73,97,000	
Total notes issued	7948,11,66,000		जोड़ Total		1459,54,43,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		23,41,86,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिशृतियाँ Government of India Rupee Securities		6465,15,37,000
			देशी विनियम विल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
कुल देयताएँ Total Liabilities	7948,11,66,000		कुल आस्तियाँ Total Assets		7948,11,66,000

दिनांक : 28 सितम्बर, 1977

Dated the 28th day of September 1977

आर० के० हजारी हिन्दी गवर्नर
R. K. HAZARI, Dy. Governor

23 सितम्बर, 1977 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकालाप का विवरण

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 23rd September, 1977

देपालाएं LIABILITIES	रुपये Rs.	प्राप्तियां ASSETS	रुपये Rs.
कृतका पूँजी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट : Notes	15,76,33,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	2,65,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	495,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	4,18,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	165,00,00,000	खरीदे और मुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted : (क) देशी : (a) Internal	123,89,97,000
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	715,00,00,000	(ग) विदेशी (b) External	..
जमाराशियां :— Deposits :—		(c) सरकारी खजाना बिल Government Treasury Bills	315,93,40,000
(क) सरकारी (a) Government		विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	2011,53,04,000
(i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	163,00,84,000	निवेश Investments	589,16,35,000
(ii) राज्य सरकारें (ii) State Governments	10,02,70,000	ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(ब) बैंक (b) Banks		(i) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	—
(i) प्रनुपूर्चित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1402,50,56,000	(ii) राज्य सरकारों को (ii) State Governments	258,57,26,000
(ii) प्रनुपूर्चित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	30,35,82,000	ऋण और अग्रिम Loans and Advances to :—	
(iii) नैर प्रनुपूर्चित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,98,32,000	(i) प्रनुपूर्चित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks	280,14,10,000
(iv) अन्य बैंक (iv) Other Banks	1,25,42,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	334,74,08,000
(v) अन्य (c) Others	1908,7588,000	(iii) दूसरों को (iii) Others	1,56,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम --- (a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकारों को (i) State Governments	98,23,18,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	14,88,99,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिक्षेत्रीक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्र और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	171,60,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिक्षेत्रीक बैंकों के द्विवेषरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,02,11,000

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable		178,93,19,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और प्रग्राम	
अन्य देयताएं Other Liabilities		573,46,51,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund राज्य महकारी बैंकों को ऋण और प्रग्राम	
			Loans and Advances to State Co-operative Banks	127,04,80,000
			राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन) प्रबलं निधि से ऋण, प्रग्राम और निवेश	
			Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
			(क) विकास बैंक को ऋण और प्रग्राम	
			(a) Loans and Advances to the Development Bank	532,62,69,000
			(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांड़ी/डिबेंचरों में निवेश	
			(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
			अन्य आस्तियां	
			Other Assets	916,50,11,000
रुपये Rupees		5800,29,24,000	रुपये Rupees	5800,29,24,000

दिनांक : 28 सितम्बर, 1977
Dated the 28th day of September, 1977

पारा० के० हसारी डै० गवर्नर
R.K. HAZARI Dy. Governor

[No. F. 10/2/77-B.O.I.]

का० आ० 3407.—भारतीय रिजर्व बैंक प्रधिनियम, 1934 के प्रत्युत्तरण में सितम्बर, 1977 के दिनांक 30 को समाप्त हुए सम्भाह के लिए लेखा
S.O. 3407.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 30th day of September 1977.

इण् डिभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट			माने का सिक्का और बूलियनः—		
Notes held in the Banking Department	34,85,55,000		Gold Coin and Bullion		
सचलन में नोट	7864,00,83,000		(क) भारत में रखा हुआ	187,80,46,000	
Notes in circulation			(a) Held in India		
जारी किये गये कुप नोट			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ		
Total notes issued	7898,86,38,000		(b) Held outside India		
			विदेशी प्रतिभूतियां		
			Foreign Securities	1271,73,97,000	
			जोड़		
			Total	1459,54,43,000	
			रुपये का सिक्का		
			Rupee Coin	24,16,07,000	
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		
			Government of India Rupee Securities	6415,15,88,000	
			देशी विनियम बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
कुल देयताएं Total Liabilities	7898,86,38,000		कुल आस्तियां Total Assets	7898,86,38,000	

दिनांक : 5 अक्टूबर, 1977
Dated the 5th October, 1977.

पारा० के० हसारी, डै० गवर्नर
R. K. HAZARI, Dy. GOVERNOR.

30 सितम्बर, 1977 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affairs to the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 30th September 1977

देवेतापाणी LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तिया ASSETS	रुपये Rs.
छूटता पूँजी Capitl Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	34,85,55,000
प्रारक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का मिक्का Rupee Coin	4,04,000
राष्ट्रीय कृपि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	495,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin ब्रारीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted (क) देशी (a) Internal	4,60,000 118,32,97,000
राष्ट्रीय कृपि ऋण (विधीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilization) Fund	165,00,00,000	(ब) विदेशी (b) External (ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	— 226,22,43,000
राष्ट्रीय श्रोतोंगिक ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि National Industrial Credit (Long Term Opera- tions) Fund	715,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया] Balances Held Abroad निवेश Investments.	3023,67,44,000 550,73,44,000
जमाराशयाः— Deposits :—		ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(क) सरकारी (a) Government		(1) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	..
(1) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	179,85,69,000	(2) राज्य सरकारों को (ii) State Governments	284,38,17,000
(2) राज्य सरकार (ii) State Governments	10,16,53,000	(iii) State Governments	344,20,02,000
(ब) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम :— Loans and Advances to :—	
(1) अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1376,04,65,000	(1) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks	318,92,81,000
(2) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	27,80,30,000	(2) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	145,00,000
(3) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,98,85,000	(3) दूसरे को (iii) Others	..
(4) अन्य बैंक (iv) Other Banks	1,35,07,000	राष्ट्रीय कृपि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	98,15,62,000
(ग) अन्य (c) Others	1908,85,65,000	(क) अन्य और अग्रिम: (a) Loans and Advances to :—	14,83,99,000
		(1) राज्य सरकारों को (i) State Governments	171,60,00,000
		(2) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	8,02,11,000
		(3) केन्द्रीय भूमिक्षणक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(4) कृपि पुर्तवित और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	
		(ब) केन्द्रीय भूमिक्षणक बैंकों के दिव्यराम में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	

वेदताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
देव बिल Bills Payable	175,53,85,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि में ऋण और अधिम	
अन्य वेदताएं Other Liabilities	577,25,42,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund राज्य सहकारी बैंक को ऋण और अधिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (वीर्यकालीन प्रबलेन)	130,52,75,000
		निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अधिम	
		(a) Loans and Advance to the Development Bank	535,93,49,000
		(ब) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/ डिबेंचरों में निवेश	
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		अन्य आस्तियां Other Assets	Rupees
			926,91,58,000
रुपये Rupees	5788,86,01,000	रुपये	5788,86,01,000
दिनांक: 5 अक्टूबर, 1977 Dated the 5th day of October 1977			
आर० क० हाजारी, डॉ गवर्नर R. K. HAZARI, Dy Governor [स० एफ० 10/2/77-बी०ओ०-1] [No. F. 10/2/77-B.O.I.] च० व० मीरचंदनी, अवर सचिव C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.			

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई विली 4 जुलाई 1977

(आय-कर)

का० आ० 3408.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, समय-समय पर यथासंशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 (का० सं० 187/2/77-आई०टी० (ए० 1) तारीख 20 जुलाई, 1974 से उपायक अनुमूल्यों में निम्नलिखित संशोधन करता है:—

कम सं० 7 और 7के के बाहर स्तंभ (1) (2) और (3) में भी विवरमान प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधियां रखी जाएंगी:—

आयकर आयुक्त	मुक्यालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)
7 कलकत्ता (केन्द्रीय I)	कलकत्ता	केन्द्रीय मर्किल I से XVII तक और XXVI
7 क कलकत्ता (केन्द्रीय II)	कलकत्ता	1 केन्द्रीय मर्किल XVII से XXV और XXVII से XXXIII 2. केन्द्रीय मर्किल, कटक
यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 से प्रभावी होगी।		

[म० 1858/का० मं० 187/4/77-आई०टी० (प.1)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 4th July, 1977

(INCOME TAX)

S. O.3408.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F. No 187/2/74-II /AI) dated the 20th July, 1974, as amended from time to time:—

Existing entries under Columns (1), (2) and (3) against S. Nos. 7 and 7A shall be substituted by the following entries:—

Income-tax Commissioners	Headquarters	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
7. Calcutta (Central I)	Calcutta	Central Circles 1 to XVII and XXVI.
7A. Calcutta (Central-II)	Calcutta	1. Central Circles XVIII to XXV and XXVII to XXXIII. 2. Central Circle, Cuttack.

This Notification shall take effect from the 4th July, 1977.
[No. 1858/F. No. 187/4/77-IT(AI)]

नई विली, 4 अगस्त, 1977

का० आ० 3409.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० 1112 (का० सं० 191/23/76 आई० टी० (ए०-1) तारीख 29-7-76 में निम्नलिखित संशोधन करता है,

संभं 3 के प्रधीन विद्यमान प्रविष्टियों के सामने निम्नलिखित जोड़ जाएगा, श्रद्धातः—

21. गाजीपुर

[सं० 1919/का० सं० 189/11/77 आई० टी०म 1)]

New Delhi, the 4th August, 1977

(INCOME-TAX)

S.O. 3409.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the notification No. 1412 (F. No. 191/23/76-IT(AJ) dated 29-7-76 as amended from time to

Against the existing entries under Col. 3 the following shall be added.

21. Ghazipur.

[No. 1919/F. No. 189/11/77-IT(AI)]

नई विली, 12 अगस्त, 1977

(आय-कर)

का० आ० 3410.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० 1393 (का० सं० 187/2/74-आई० टी० ए१) तारीख 14-7-1976 से उपायक अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है,

का० सं० 1 और 1-के सामने स्वाम्भ (1), (2) और (3) के नीचे की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, श्रद्धातः—

आय-कर अधिकारी	मुख्यालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)
1. प्रभूतसर	प्रभूतसर	1. जिला-i, प्रभूतसर 2. जिला-ii, प्रभूतसर 3. केन्द्रीय सक्षिप्त प्रभूतसर 4. संपदा - शुल्क एवं आय-कर सक्षिप्त, प्रभूतसर 5. गुरुदासपुर 6. पठानकोट 7. श्रीनगर 8. संपदा-शुल्क एवं आय-कर सक्षिप्त श्रीनगर 9. जम्मू 10. बटाला

1	2	3
1-क जलधर	जलधर	1. जिला-ii, जलधर 2. जिला ii, जलधर 3. संपदा-शुल्क एवं आय-कर सक्षिप्त जलधर
		4. होशियारपुर 5. फाराबाड़ा 6. भट्टाचार्य 7. कीरोज पुर 8. शोपां 9. आबोल्हर

यह अधिसूचना 16-8-1977 से प्रभावी होगी।

[सं० 1929/का० सं० 191/48/76-आई० टी० (ए आई)]

New Delhi, the 12th August, 1977

(INCOME-TAX)

S. O. 3410.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 21 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its notification No. 1393 (F. No. 187/2/74-IT(AI) dated 14-7-76 as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. Nos. 1 & 1-A shall be substituted by the following entries:—

Income-tax Commissioners	Headquarters	Jurisdiction
1. Amritsar	Amritsar	1. Distt. I, Amritsar. 2. Distt. II, Amritsar. 3. Central Circle, Amritsar. 4. Estate Duty-Cum Income-tax Circle, Amritsar. 5. Gurdaspur. 6. Pathankot. 7. Srinagar. 8. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Srinagar. 9. Jammu. 10. Batala.
1-A Jullundur	Jullundur	1. Distt. I, Jullundur. 2. Distt. II, Jullundur. 3. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Jullundur. 4. Hoshiarpur. 5. Phagwara. 6. Bhatinda. 7. Ferozepore. 8. Moga. 9. Abohar.

This notification shall take effect from 16-8-1977.

[No 1929/F Go 191/48/76-IT (AI)]

का० आ० 3411.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर प्रधिनियम 1961 की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर यथा संशोधित प्रधिसूचना सं० 1412 (फा० सं० 191/23/76-आईटी० ए१) (मार्गीकृत 29-7-1976) में निम्नलिखित संशोधन करता है।

अम सं० 14क के सामने संभ 1, 2 और 3 के नीचे की विवाहान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्—

आयकर	मुक्तालय	प्रधिकारिता
(1)	(2)	(3)
“हलाहालाद	हलाहालाद	1. हलाहालाद
		2. संपदा-शुल्क एवं आय-कर संकेत, हलाहालाद
		3. मुलनानपुर
		4. फैजाबाद
		5. फैहपुर
		6. बांदा
		7. गोरखपुर
		8. बस्ती
		9. गोडा
		10. बहराइच
		11. आजमगढ़
		12. बलिया
		13. देवरिया
		14. वाराणसी
		15. मिर्जापुर
		16. जौनपुर
		17. गाजीपुर”

यह प्रधिसूचना 16 अगस्त 1977 से प्रभावी होगी।

[सं० 1931/फा० सं० 189/22/77-आईटी० (ए१)]

S. O. 3411.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Notification No. 1412 (F. No. 171/23/76-II(AT) dated 29-7-1976 as amended from time to time.

Existing entries under Columns 1, 2 and 3 against Serial No. 14A shall be substituted by the following entries:—

Commissioners of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
“Allahabad	Allahabad	1. Allahabad.
		2. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Allahabad.
		3. Sultanpur.
		4. Faizabad.
		5. Fatehpur.
		6. Banda.
		7. Gorakhpur.

1	2	3
8. Basti.		
9. Gonda.		
10. Bahraich.		
11. Azamgarh.		
12. Ballia.		
13. Deoria.		
14. Varanasi.		
15. Mirzapur.		
16. Jaunpur.		
17. Ghazipur.”		

This notification shall take effect from 16th August, 1977

[No. 1931 No. F. No. 189/22/77-IT(AT)]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1977

आयकर

का० आ० 3412.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयपी प्रधिसूचना संख्या 1930 और 1931 मार्गीकृत 12 अगस्त, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्—

“यह प्रधिसूचना 16 अगस्त, 1977 को प्रभावी होगी”

के स्थान पर

“यह प्रधिसूचना 1-9-1977 को प्रभावी होगी”

पढ़े।

[सं० 1956/फा० सं० 189/22/77-आईटी० (ए१)]

एम० शास्त्री, अवर मंत्री

(CORRIGENDUM)

New Delhi, the 31st August, 1977

INCOME-TAX

S.O. 3412.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to its notification No. 1930 and 1931 dated 12th August, 1977.

For

This notification shall take effect from 16th August, 1977.
Read

This notification shall take effect from 1-9-1977.

[No. 1946 F. No. 189/22/77-IT(AT)]

M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जून 1977

आय-कर

का० आ० 3413.—सर्वमाधारण की जानकारी के लिए यह प्रधिसूचित किया जाता है कि केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने निम्नलिखित सख्त्यों को आय कर प्रधिनियम की धारा 35घ की उपधारा (2) के अन्तर्गत (क) के प्रयोजनों के लिए—

(क) ग्रीष्मोगिकी परामर्शी और (ख) इंजीनियरी परामर्श के क्षेत्र में अनुमोदित किया है।

संस्कार

‘सोयल कॉलेजेन्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड बंगलौर’

[सं० 1891/फा० सं० 203/151/76-आ०क० (ए१)]

जौ. पी० शर्मा, सचिव

New Delhi, the 25th July, 1977

INCOME-TAX

S.O. 3413.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Central Board of Direct Taxes for the purposes of clause (a) of sub-section (2) of Section 35D of the Income-tax Act, 1961, in the fields of (a) Technology consultancy and (b) Engineering consultancy only.

INSTITUTION

Gohel Consultants and Engineers Pvt. Ltd., Bangalore.
The approval takes effect from 1st April, 1977.

[No. 1891 F. No. 203/151/76-ITA.II]

J. P. SHARMA, Secy.

(व्यापक विभाग)

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1977

क्रा० आ० 3414.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु और अनुच्छेद 148 के अंगठ (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधर्थात्—

1. (1) इन नियमों का ताप केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) (नौवां संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 में (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है, नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधर्थात्—

“6 : असंतोषप्रब सेवा के लिए पेशन की राशि में कमी।

(1) यदि सेवा-निवृत्ति की तारीख से पूर्व सरकारी सेवा द्वारा की गई सेवा संतोषप्रब नहीं रही हो तो नियुक्ति प्राधिकारी पेशन, या उपदान, या बोनों की रकम में, जैसा वह प्राधिकारी उचित समझे, कमी कर सकता है : परन्तु नियुक्ति प्राधिकारी इस उप-नियम के अधीन आवेदन पारित करने से पहले संबंधित व्यक्ति पर सूचना तारीख करेगा या कराएगा और उसमें सरकार के अधीन की गई असंतोषप्रब सेवा के कारण ऐसी रकम में की जाने वाली प्रस्तावित कमी विनियोजित की जाएगी और ऐसे सरकारी कर्मचारी को सूचना पाने की तारीख से पहले विन के भीतर या ऐसे और अधिक समय के भीतर जो उस प्राधिकारी द्वारा अनुमति की जाए, ऐसा अध्यावेदन, जैसाकि संबंधित व्यक्ति प्रस्तावित आवेदन के विरुद्ध देना चाहे, मारेगा और अध्यावेदन पर, यदि कोई ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया गया हो तो, आवेदन करने से पहले विवार करेगा : परन्तु यह और कि पेशन की रकम में नियम 49 के उप-नियम (5) में विनियोजित सीमा से नीचे कमी नहीं की जाएगी।

(2) (क) नियुक्ति प्राधिकारी किसी अधीनस्थ प्राधिकारी को इस शान का निर्णय लेने के लिए शक्ति प्रदान कर सकता है कि सरकारी सेवक द्वारा की गई सेवा संतोषप्रब है और इसलिए, पेशन, या उपदान, या बोनों की रकम में कोई कमी करने की आवश्यकता नहीं है।

(ख) सरकारी सेवकों की किसी शेषी अश्वा शेणियों के संबंध में, जो ऐसे अधीनस्थ प्राधिकारी के अधीनस्थ हों, अंगठ (क) के अन्तर्गत शक्ति प्रदान की जाएगी ?

(ग) अंगठ (क) के अन्तर्गत प्रदान की जाएगी, या उपदान, या बोनों की रकम में कमी करने संबंधी आवेदन देने का प्राधिकार मही होगा और यह नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी में निहित रहेगा।

(3) उप-नियम (1) तथा उप-नियम (2) के प्रयोजनों के लिए, 'नियुक्ति प्राधिकारी' से ऐसा प्राधिकारी भर्तीप्रब है जो उस सेवा या पद पर नियुक्ति करने के लिए सक्षम हो जिससे सरकारी सेवक सेवा-निवृत्त होता है।

(4) (क) उप-नियम (1) में नियोजित कमी स्थाई प्रकृति की होगी।

(ख) पेशन की रकम में उम विस्तार तक कमी की जाएगी जहाँ उक्त सरकारी सेवक की सेवा कुम मिलाकर संतोषप्रब स्तर की नहीं रही है और कमी की रकम की, तुलना उस हानि की रकम से करने का प्रयास नहीं किया जाएगा जो सरकार को हुई हो।

(5) पेशन प्राधिकृत किए जाने के पश्चात् इन नियमों के अधीन मंजूर की गई पेशन कम नहीं की जाएगी भले ही नियुक्ति प्राधिकारी के व्यापार में इस बात के प्रमाण भी आजाएँ कि सेवा संतोषजनक नहीं रही है।

(6) जब कमी सरकारी सेवक के मामले में राष्ट्रपति इन नियमों के अधीन स्वीकार्य प्राधिकृतम से कम पेशन जिसमें उपदान भी है, दिए जाने का कोई आवेदन (जहाँ वह मूल आदेश हो या अप्रील आवेदन) पारित करता है, तब ऐसा आवेदन पारित करने से पूर्व संघ लोक सेवा आवोग से परामर्श किया जाएगा।

(7) इन नियमों की कोई भी बात निम्नलिखित बाबाओं में लागू नहीं होगी—

(क) जहाँ पेशन का कोई भाग रोक लिया गया है या जिसके बारे में यह आदेश लिया गया हो कि उसे नियम 9 के अधीन बसून किया जाए, अथवा

(ख) जहाँ नियम 40 के अधीन पेशन का कोई भाग कम कर दिया गया है, अथवा

(ग) जहाँ मृग्य-मह-सेवा निवृत्त उपदान नियम 50 के उप-नियम (1) के अंगठ (ख) के अधीन स्वीकार्य है और परिवार पेशन नियम 54 या नियम 55 के अधीन स्वीकार्य है, अथवा

(घ) जहाँ दंड के परिणाम-व्यवस्थ कोई बसूली करती है।”

3. उक्त नियमों में, प्रलूप 6 के स्थान पर निम्नलिखित प्रलूप लेखा जाएगा, अर्थात्—

“प्रलूप 6

[नियम 60(1), 63(3), 69 और 73(7) देखिए]

पेशन की गणियों में कमी करने या कमी न करने की संस्थाना देने वाले आदेश का प्रलूप

1. सरकारी सेवक का नाम

2. पिता का नाम (और यदि मर-कारी सेवक स्त्री है तो उसके पाता का नाम)

3. स्थापत के नाम के साथ वर्तमान अथवा अनियम लिप्ति,

(i) अधिकारीय
(ii) स्थानापन, यदि कोई हो।

4. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम के नियम 6 के अनुसार संवैधित प्राधिकारी का प्रावेश

अधिकारीहस्ताक्षरी अपना यह समाधान करने के पश्चात् कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....की सेवा संतोषप्रद नहीं है, यह आवेदन देता है कि पेंशन/मृत्यु-सह-सेवा-निवृत्ति/सेवा उपदान की राशि में, जो केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अधीन निर्धारित की जाए, कोई कमी नहीं की जाएगी।

***नियुक्ति प्राधिकारी के हस्ताक्षर संथा पदनाम**

प्राधिकारी जिसको केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 6 के उप-नियम 2 के अधीन शक्ति प्रस्तावोंजित की गई है।

*जो लाग नहीं है, उसे काट दीजिए

या

अधिकारीहस्ताक्षरी अपना यह समाधान करने के पश्चात् कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....की सेवा संतोषप्रद नहीं रही है, यह आदेश देता है कि पूरी पेंशन, या उपदान, या दोनों में से जो केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अधीन निर्धारित की जाए, निम्नलिखित विनियोग रकम या प्रतिशत रकम कम कर दी जाएगी:—

पेशन में से कम की गई रकम.....

उपदान में से कम की गई रकम.....

नियुक्ति प्राधिकारी के हस्ताक्षर संथा पदनाम

[मं० फा० 11(6) संस्था V (क) /76]

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 27th September, 1977

S.O. 3414.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to the persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Ninth Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 6 the following rule shall be substituted, namely :—

“6. Reduction in the amount of pension for unsatisfactory service.

(1) If the service rendered by a Government servant prior to the date of his retirement has not been satisfactory, the appointing authority may by order make reduction in the amount of pension, or gratuity, or both, as that authority may think proper :

Provided that the appointing authority shall, before passing an order under this sub-rule serve or cause to be served a notice upon the person concerned specifying the reduction proposed to be made in such amount on account of his unsatisfactory service under Government and call upon such person to submit, within fifteen days of the receipt of the notice or such further time as may be allowed by that authority, such representation as the person concerned may wish to make against the proposed order and take into consideration the representation, if any, submitted by such person before passing such order :

Provided further that the amount of pension shall not be reduced below the limit specified in sub-rule (5) of rule 49.

- (2) (a) The appointing authority may delegate power to a subordinate authority for deciding if the service rendered by a Government servant has been satisfactory and, therefore, no reduction in the amount of pension, or gratuity, or both is called for.
- (b) The power under clause (a) shall be delegated in respect of a category or categories of Government servants who may be subordinate to such subordinate authority.
- (c) The delegation of power under clause (a) shall not carry with it the authority to order reduction in the amount of pension or gratuity, or both, which shall continue to vest in the appointing authority.
- (3) For the purpose of sub-rule (1) and sub-rule (2) the expression 'appointing authority' shall mean the authority which is competent to make appointments to the service or post from which Government servant retires.
- (4) (a) The reduction referred to in sub-rule (1) shall be of a permanent character.
- (b) The measure of reduction in the amount of pension shall be to the extent by which the Government servant's service as a whole has failed to reach a satisfactory standard and no attempt shall be made to equate the amount of reduction with the amount of loss caused to the Government.
- (5) The pension authorized under these rules shall not be reduced although proof of the service having been not satisfactory may come to the notice of the appointing authority subsequent to the authorization of pension.
- (6) Whenever in the case of a Government servant the President passes an order (whether original or appellate) awarding a pension including gratuity less than the maximum admissible under these rules, the Union Public Service Commission shall be consulted before the order is passed.
- (7) Nothing in this rule shall apply —
 - (a) where a part of pension has been withheld or ordered to be recovered under rule 9 ; or
 - (b) where a part of pension has been reduced under rule 40 ; or
 - (c) where death-cum-retirement gratuity is admissible under clause (b) of sub-rule (1) of rule 50 and Family pension is admissible under rule 54 or rule 55 ; or
 - (d) to effect any recovery which has the result of punishment.”.
3. In the said rules, for Form 6, the following Form shall be substituted, namely :—

“FORM 6

[See rules 60(1), 63(3), 69 and 73(7)]

FORM OF ORDER INTIMATING REDUCTION OR NO REDUCTION IN THE AMOUNT OF PENSION

1. Name of the Government servant.
2. Father's name (and also husband's name in case of female Government servant)
3. Present or last appointment including name of establishment—
 - (i) Substantive.
 - (ii) Officiating, if any.

hereby makes the following rules further to amend the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Contributory Provident Fund (India) Fifth Amendment Rules, 1977.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st April, 1975.

2. For Note 3 under rule 12-A of the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, the following shall be substituted, namely :—

"Note-3 : The bonus under this rule shall be admissible when a subscriber subscribes to the fund during full year except when the rules permit temporary suspension of subscription for a short period, e.g. while on leave or under suspension. For the purposes of the first and last year of a subscriber's service, the period from the date of appointment to the end of the year or, as the case may be, from the date of commencement of the year to the date of quitting service, shall be deemed to be a full year."

EXPLANATORY MEMORANDUM

Note 3 under rules 12-A of the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, is being amended with retrospective effect from the date it came into force i.e. 1st April, 1975. It has been found that, without this amendment, beneficiaries of this rule would not get the benefit in the first year and the last year of their service. Hence this amendment. No officer is likely to be adversely affected by this amendment being given retrospective effect from the 1st April, 1975.

[No. F. 13(4)-EV (B)/77-CPF]

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरण का कार्यालय, कलकत्ता

कलकत्ता, 30 सितम्बर, 1977

क. आ. 3417.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावला, 1941 के नियम 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा समाहरण की अधिसूचना सं. 1/77 दिनांक 24/1/77 का अधिक्रमण करते हुए मैं इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरण का सहायक समाहरण को दिनांक 1-4-77 या उसके बाद भांडागारित पूलू क्योर्ड टम्बाकू के संबंध में नियम 145 (वही) के अधीन भांडागारण की 2 वर्ष की साधान्य अवधि के अतिरिक्त केवल एक वर्ष का और सभी बढ़ाने की समाहरण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

[अधिसूचना सं 3/1977 सी. स. 4(4)-सीडी/77/पी.आई. 8812-डी.]

बी. एन. रंगवानी, समाहरण

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1977

S.O. 3417.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the Collectorate—Notification No. 1/77 dated 24-1-77, I hereby authorise the Assistant Collectors of Central Excise, Calcutta Collectorate to exercise the powers of the Collector under Rule 145 ibid to grant extension upto 1 (One) year only beyond the normal warehousing period of 2 years in respect of flue cured tobacco, warehoused on or after 1-4-1977.

[Notification No. 3/1977 C. No. IV(4) 4-CE/77/P.I. 8812-D]

B. N. RANGWANI, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3418.—राष्ट्रपति, भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण की संज्ञा अन्तिमावली के नियम 59 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए वी पी० एम० पैस० मनिक, निदेशक, वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली को 20-9-1977 से भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण के अंश कामिक निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

[नं० 7/77(1/1/77 टी०एफ०)]

पी० एम० पैस० मनिक, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 3rd October, 1977

S.O. 3418.—In exercise of powers conferred under Article 59(2) of the Article of the Association of the Trade Fair Authority of India, the President is pleased to appoint Shri P. M. S. Malik, Director, Ministry of Commerce, New Delhi as part-time Director of the Trade Fair Authority of India with effect from 20-9-1977.

[No. 7/77(1/77-TF)]

P. M. S. MALIK, Director.

उप-मुख्य विवरक, आयात-नियंत्रण का कार्यालय

गांधी नगर, बंगलोर-७

आदेश

बंगलोर, 12 अगस्त, 1977

का० आ० 3419.—मर्वेश्री अपोलो आपाटिकल इण्डस्ट्रीज, 15 सेकंड क्रॉस, राम महोन पुरम बंगलोर, 21 गो प्रेल-मार्च 76 की नीति के अनुसार सी०एन० शीट्स के आयात के लिए 10,000/रुपए का आयात लाइसेंस संख्या पी/एम०/1834323/सी०/एक्स/57/एक्स/41-42, दिनांक 29-12-75 प्रवान किया गया था। उन्होंने उन्नत लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रभि वी अनुलिपि के लिए इस आधार पर तिकेड़न किया है कि उन्हें मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति विना उपयोग किए। अस्थानस्थ हो गयी है प्रौद्र अब अनुलिपि प्रति पूर्ण मूल्य अर्वांत 10,000/रुपए के लिए चाहिए।

उपर्युक्त तर्क के समर्थन में आदेशक ने एक शायद-पक्ष दाखिल किया है। मैं हम बात से उत्सुक हूँ कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हो गई है प्रौद्र नियंत्रण देता हूँ कि आदेशक को उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति वी अनुलिपि जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति एक्टवडारा रद्द की जारी है।

[मंड्या आई० टी० सी०/एम० पैस० आई०/सी०-625/ए० एम०-76/एन भी]

आर० जयराम नायडू, उप-मुख्य नियंत्रक

Office of the Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Gandhinagar, Bangalore-9

ORDER

Bangalore, the 12th August, 1977

S.O. 3419.—M/s. Apollo Optical Industries, 15, Second Cross, Ramanmahapatram, Bangalore-21 were granted import license No. P/S/1834323/C/XX/57/X/41-42, dated 29-12-75 for Rs. 10,000 for import of C. N. Sheets as per AM 76 policy. They have now applied for duplicate copy of Exchange control purposes copy of the above licence on the ground that the original Exchange control purposes copy

of the licence has been misplaced without having been utilised at all and that the duplicate copy of the licence now required is for the full value of the licence, namely, Rs. 10,000.

In support of the above contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original Exchange control purposes copy of the licence has been misplaced and direct that a duplicate Exchange Control Purposes Copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purposes Copy of the licence is hereby cancelled.

[No. ITC/SSI/C. 625/AM 76/NC]

R. JAYARAM NAIDU, Dy. Chief Controller

मुख्य नियंत्रक, भारात-नियंत्रित का कार्यालय नई दिल्ली

रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1977

का० आ० 342०.—भारत में सांचित समाजवादी गणतन्त्र संघ के अधीक्षण प्रतिनिधि मण्डल को पुनः नियंत्रित के आधार पर परीक्षण और प्रदर्शन प्रयोजन के लिए एक अंग्रेजीकृतचरण हूँवेस्टर कम्पाइल एन० ए० ए० माइल एस० के ५/एम० के ००००-३ का आयात करने के लिए, ३,१४,०००/रुपए के लिए एक सीमा-शुल्क निकासी परमिट संख्या पी०/ज० ३०५३/१३ एन० एन० ५६/एच० ४१-४२, दिनांक २२-८-७५ मुख्य नियंत्रक, भारात-नियंत्रित, नई दिल्ली के कार्यालय से प्रदान किया गया था। उन्होंने इस कार्यालय को सूचना दी है कि उपर्युक्त सीमाशुल्क निकासी परमिट सीमा शुल्क समाहर्ता, बस्टैंड के पास पंजीकृत करने के बाद और १,५७,००० रुपए के लिए आंशिक रूप में उपयोग करने के पश्चात् खो गया था अस्थानास्थ हो गया है। उन्होंने बताया है कि यदि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट बाद में मिल गया तो जारी करने वाले प्राधिकारी को लौटा देंगे। इस संबंध में उन्होंने माल्य के रूप में स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है।

अधीक्षणाकारी उपर्युक्त शपथ-पत्र की विषय बस्तु से संतुष्ट होने पर कि सीमा-शुल्क निकासी परमिट धास्तव में खो गया/या अस्थानास्थ हो गया है, सीमा शुल्क निकासी परमिट संख्या पी०/ज० ३०५३०१३/एन०/एम० एन० ५६/एच० ४१-४२, दिनांक २२-८-७५ को रद्द करने और मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट के बदले में अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन देता है।

[संख्या २/२/७५-७६/एम०/एन०-१/६५१]

Office of the Chief Controller of Imports and Exports

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 17th October, 1977

S.O. 3420.—The Trade Representation of the U.S.S.R. in India, New Delhi were granted a C.C.P. No. P/J/3053013/N/MN/56/H/4142 dated 22-8-75 for Rs. 3,14,000 for import of one Agricultural Harvester Combine NIVA Model SK-5/SKP-4 on re-export basis for testing and demonstration purpose from the office of the C.C.I. & E., New Delhi. Licensee has now informed this office that the above mentioned C.C.P. has been lost or misplaced after having been registered with the Collector of Customs, BOMBAY and utilised partly for Rs 1,57,000. They have also undertaken to return the original C.C.P. to this office if traced later on. In this connection they have furnished an Affidavit on Stamp paper as required under the rules.

The undersigned is satisfied that the C.C.P. has been actually lost or misplaced & orders for cancellation of the original C.C.P. No. P/J/3053013/N/MN/56/H/4142 dated 22-8-1975 and issue of duplicate copy thereof, in lieu of the original C.C.P.

[No. 2/2/75-76/ML-I/651]

रद्द करने का आदेश

का० आ० 3421.—सर्वेशी बालपहार ट्रिस्ट, ४५ माउंट रोड, तेयन-मेट, मद्रास-६०००१८ को पर्यटन टैक्सियो के फालू पुलों के आयात के लिए जारी की जाने वाली तारीख से १२ मास तक वैध प्रबंधि के लिए ६०००/- रुपए की लागत बीमा-भाड़ा शुल्क के लिए एक आयात लाइसेंस संख्या पी०/ए०/१४००३९८/मी०/एक्सएस०, दिनांक १५-६-७४ प्रदान किया गया था। अब पार्टी ने पूर्वीक आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस प्राधार पर आवेदन किया है कि उनसे भूल प्रति खो गई है। पार्टी ने आयात आवार नियन्त्रण नियमों के अनुसार आवश्यक शपथ-पत्र भेजा है जिसके अनुसार उक्त लाइसेंस मद्रास सीमा शुल्क सदत के पास पंजीकृत कराया गया था और आंशिक रूप में उपयोग में लाया गया था और लाइसेंस के महे २८२८/-रुपए की धनराशि शेष है। शपथ-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति मिल जाएगी अथवा पार्टी जारी तो वह जारी करने वाले प्राधिकारी को वापस कर दी जाएगी। मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस की भूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेदण देता हूँ कि आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की एक अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। आयात लाइसेंस की भूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एन्ट्रीट्रा रद्द की जाती है।

[संख्या १२/४०२/७४-७५/एमएस०-१/६५२]

एम० जी० गोम्बर, उग-मुख्य नियंत्रक,
कुनै मुख्य नियंत्रक

CANCELLATION ORDER

S.O. 3421.—M/s. Balaji Tourists, 85, Mount Road, Teyannampet, Madras-600018 were granted an Import Licence No. P/A/1400398/C/XX dated 15-6-74 for a C.I.F. value of Rs. 6000 for import of spare parts for Tourist Taxies valid for 12 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a Duplicate Customs Purpose copy of the aforesaid import licence on the ground that the original one has been lost by them. The party have furnished necessary affidavit as per I.T.C. Rules according to which the aforesaid Import licence was registered with Madras Customs House and was utilised partly and the balance against the licence is Rs. 2828. It has also been incorporated in the affidavit that if the said Customs Purpose Copy of the import licence is traced or found later on, it will be returned to issuing authority. I am satisfied that the original Customs Purpose Copy of the Import Licence has been lost and direct that a duplicate Customs Purpose Copy of the import licence should be issued to the applicant. The original Customs Purpose copy of the import licence is hereby cancelled.

[File No. 12/402/74-75/ML-I/652]

M. G. GOMBER, Dy. Chief Controller,
for Chief Controller

आवेदन

का० आ० 3422.—सर्वेशी बालपहार ट्रिस्ट, लिं. डाकघासा बालपहार, जिला मध्यनगर (उडीमा) को केवल फालू पुलों का आयात करने के लिए ७५,०००/- रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी०/डी०/२१८६९९१/मी०/एक्सएस०/४१/एच०/३३-३४, दिनांक २४-१२-७१ प्रदान किया गया था।

2. कर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि भूद्वा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस प्राधार पर आवेदन किया है कि भूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति उनके बैंकों द्वारा खो दी गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह भी सूचित किया गया है कि लाइसेंस में २६,७२०.४९ रुपए अर्प्युक्त था। लाइसेंस कलकत्ता पत्तन पर पंजीकृत था।

3. अपने तरफ के भवधन में, आवेदक ने एक शपथ पत्र बांधिल किया है। अधीक्षणाकारी सन्तुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या पी०/डी०/२१८६९९१, दिनांक २४-१२-७१ की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो

गई है और निवेश देता है कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एन्ड ड्वारा रह की जाती है।

4. लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[मंड्या पोटरी/22(1)/71-72/प्रारम्भ-2/857]

ORDER

S.O. 3422.—M/s. Belpahar Refractories Ltd., P.O. Belpahar, Distt. Sambalpur (Orissa) were granted import licence No. P/D/2186991/C/XX/41/H/33-34 dated 24-12-71 for Rs. 75,000/- only for the import of spare parts.

2. The firm have requested for issue of duplicate Exchange Control Purposes Copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control Purposes Copy has been lost by their bankers. It has further reported by the licensee that the licence has an un-utilized balance of Rs. 26,770.49. The licence was registered at Calcutta Port.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of the import licence No. P/D/2186991 dated 24-12-71 has been lost and directs that a Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purposes Copy of the licence is hereby cancelled.

4. The Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Pottery/22(1)/71-72/RM-II/857]

प्रावेश

का० आ० 3423.—मर्वेशी आलपहार रिफ्रेक्टरीज नि० शाकाशाना आलपहार, जिला मध्यसप्तपुर (उडीसा) को केवल फालतू पुर्जो का आवान करने के लिए 75,000/-रुपये के लिए आवान लाइसेंस संख्या पी/डी/2022335/सी/एस-एक्स-38/एच/31-32/रिफ्रेक्टरी, दिनांक 11-2-1971 प्रदान किया गया था।

2. फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति उनके बैंकरों द्वारा खो दी गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह भी सूचित किया गया है कि लाइसेंस में 2,118.06 रुपये अपर्युक्त शेष है। लाइसेंस कलमकर्ता प्रमाण पर पंचीकृत था।

3. अपने तर्क के समर्थन में, आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधीक्षिताकारी सत्याग्रह है कि आवान लाइसेंस पी/डी/2022335, दिनांक 11-2-1971 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेश देता है कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एन्ड द्वारा रह की जाती है।

4. लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[मंड्या रिफ्रेक्टरी/6(3)/70-71/आर० एम०-2/856]

राजिन्दर मिह, उप-मुख्य नियंत्रक,
हूने मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 3423.—M/s. Belpahar Refractories Ltd., P.O. Belpahar, Distt. Sambalpur (Orissa) were granted Import Licence No. P/D/2022335/C/XX/38/H/31-32/Refractory dated 11-2-1971 under G.C.A. for Rs. 75,000/- only for import of spare parts,

2. The firm have requested for issue of duplicate Exchange Control Purposes Copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control Purposes Copy has been lost by their bankers. It has further reported by the licensee that the licence had an un-utilized balance of Rs. 2,118.06. The licence was registered at Calcutta Port.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of the Import Licence No. P/D/2022335 dated 11-2-1971 has been lost and directs that a Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purposes Copy of the licence is hereby cancelled.

4. The Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Refractory/6(3)/70-71/RM-II/856]

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

प्रावेश

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3424.—मर्वेशी अनेक्टिक केमिकल यर्कम कं० लि० बड़ीशा को भारतीय मुद्रा भेज से श्रीयशि और रमाधनों के विनियमण के लिए फालतू पुर्जो के आवान के लिए 2,33,300.00 रुपये के लिए लाइसेंस संख्या पी/डी/1419495, दिनांक 30-6-1976 प्रदान किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सम्बन्धित सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति 55,996/- रुपये का उपयोग करने के पश्चात् खो गई थी और वह सीमा-शुल्क ममार्हा, बम्बई के पास पंजीकृत की गई थी।

2. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधीक्षिताकारी सत्याग्रह है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/1419495, दिनांक 30-6-76 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेश देता है कि उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति उनको जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रह की जाती है।

[मंड्या सीएच/ए-57 (1)/एम-76/प्रारम्भ-3/852]

पा० क० शर्मा, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 4th October, 1977

S.O. 3424.—M/s. Alembic Chemical Works Company Limited, Baroda, were granted licence No. P/D/1419495 dated 30-6-1976 for import of spare parts for manufacture of Pharmaceuticals and Chemicals for Rs. 2,33,300/- from G.C.A. They have requested for issue of a duplicate Customs Purposes copy of the licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the licence has been lost. It has further been stated that the Customs Purposes copy of the licence in question was lost after utilising Rs. 55,996/- and that the same had been registered with the Collector of Customs, Bombay.

2. In support of their contention, the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes copy of Licence No. P/D/1419495 dated 30-6-1976 has been lost and directs that duplicate Customs Purposes copy of the said licence should be issued to them. The original Customs Purposes copy of the licence is cancelled.

[Ref. No. Ch/A-57(1)/A.M. 76/R.M. 3/852]

A. K. SHARMA, Dy. Chief Controller

प्रावेश

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3425.—संवेदी कायलटेक् इण्डिया प्रा० लि०, कानपुर को एम० एक० स०० रुपय के अन्तर्गत पूर्वीगत माल के आयात के लिए 8,85,272/- रुपय (आठ लाख पचासी हजार दो सौ बहन्तर रुपय मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस पी/सीजी/2071656, विनाक 23-5-77 प्रदान किया गया था। फर्म ने उर्वर्क लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर प्रावेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। अगर यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं थी और इसी कारण से सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति को बिल्कुल ही उपयोग में नहीं आया गया।

2. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पछिलक, कानपुर के सामने विविचन शायद लेकर स्वाम्य कागज पर एक शायद पत्र दाखिल किया है। मैं नदनमार सत्युष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या पी/सीजी/2071656, विनाक 23-5-77 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति उनके द्वारा खो गई है। यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की उप-शायद 9 (सीमी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए संवेदी कायलटेक् इण्डिया प्रा० लि०, कानपुर को जारी की गई मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति संख्या पी/सीजी/2071656, विनाक 23-5-77 पन्द्रह द्वारा दद की जाती है।

3. उर्वर्क लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति पार्टी को अलग से जारी की जा रही है।

[सद्या 1350/76/12/सीजी-1/852]

प्रा० पी० बसु, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 14th October, 1977

S.O. 3425.—M/s. Coiltech India Pvt. Ltd., Kanpur were granted an import licence No. P/CG/2071656 dated 23-5-1977 for Rs. 8,85,272 (Rupees eight lakh eighty five thousand two hundred and seventy two only) for import of capital goods under S.E.C. Loan. The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs Purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the licence has been lost. It has further been stated that the Customs Purposes Copy of the licence was not registered with any Customs authority and as such the value of Customs Purposes Copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Kanpur. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes Copy of import licence No. P/CG/2071656 dated 23-5-1977 has been lost by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs Purposes Copy No. P/CG/2071656 dated 23-5-1977 issued to M/s. Coiltech India Pvt. Ltd., Kanpur is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes Copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. 1350/76/12/CG. I/852]

R. P. BASU, Dy. Chief Controller

प्रावेश

का० आ० 3426.—मुख्य अधिकारी (विश्वास) जी० एड टी० केरल सरकार विश्वास बोर्ड, निवेदनम-25 को रुपये हाँ लोडे के वरवारे आयात करने के लिए 2,10,833/- रुपय के लिए लाइसेंस संख्या जी०/ग०/

1066533, विनाक 5-9-75 प्रदान किया गया था। केरल राज्य विश्वास बाई ने बताया है कि किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना ही सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और उन्होंने उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शायद-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताकारी सन्तुष्ट है कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेश देना है कि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई है और इसकी एक अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सद्या एम०जी०/121/75-76/पी०एन०ग०/वी०/659]

ORDERS

S.O. 3426.—The Chief Engineer (Elecy.) G&T Kerala State Electricity Board, Trivandrum-25 was granted licence No. G/A/1066533 dated 5-9-1975 for Rs. 2,10,833/- for the import of Cast Iron Gates. Kerala State Elecy. Board has reported that Customs copy has been lost without having been registered with any Customs authority, and they have requested to issue duplicate copy of the same.

In support of their contention the applicants has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the Customs copy of the said licence has been lost and directs that the duplicate copy of the Customs copy of the said licence be issued.

The original customs copy of the licence has been cancelled and a duplicate copy of the same is being issued separately.

[No. SG/121/75-76/PLS(B)/659]

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3427.—मध्यक, प्रन्तराद्वीप हवाई प्रश्न प्राधिकरण, भारत, 32-फिल्डरोड, नई दिल्ली को रनवे मेकानिकल स्वीपर्स के लिए फालतू पूर्जी का आयात करने के लिए 1,16,604/- रुपय के लिए आयात लाइसेंस म० जी०/ए०/1076678/सी०ए०ए०/63/ए०/77, दिनांक 8-6-77 प्रदान किया गया था। प्रन्तराद्वीप हवाई प्रश्न प्राधिकारी भारत ने यह बताया है कि लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना ही खो गई है और उन्होंने अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए प्रावेदन किया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शायद-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताकारी सन्तुष्ट है कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेश देना है कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई है और इसकी अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सद्या सेन्ट-50/77-78/पी०एन०ग०/वी०/660]

ज० एम० बनर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक,
हाने मुख्य नियंत्रक

New Delhi, the 15th October, 1977

S.O. 3427.—The Chairman, International Airports Authority of India, 32, Ferozeshah Road, New Delhi was granted Import License No. G/A/1076678/C/XX/63/H/77 dated 8-6-1977 for Rs. 1,16,604/- for the import of spare parts for 3 units of Runway Mechanical Sweepers. International Airports Authority of India has reported that Customs Copy of the licence has been lost without having been registered with any Customs authority, and they have requested to issue duplicate of the same.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the customs copy of the said licence has been lost and directs that the duplicate copy of the Customs copy of the said licence be issued.

The original customs copy of the licence has been cancelled and a duplicate copy of the same is being issued separately.

[File No. Ccnt. 50/77-78/PLS(B)/660]
J. M. BANERJEE, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1977-10-14

क्रा० आ० 3428—समय पर मंजोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विहून) विनियम 1955 के विनियम 11 के उपविनियम (4) के अनुमार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस मंज्या सीएम/एल जिसके ब्यौरे नीचे अनुमूली में दिए गए हैं, फर्म के प्रपने प्रत्युरोध पर 1977-07-01 से रद्द कर दिया गया है।

अनुमूली

क्रम	लाइसेंस मंज्या और	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
संख्या तिथि				
1	2	3	4	5
1. सीएम/एल-1648 1968-03-08	मंज्यी अण्डमान टिम्बर इंडस्ट्रीज लि०	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के लिए धातु के फिटिंग वाईवुड की चाय की पोर्ट ब्लैंडर, अण्डमान	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया मार्का, 'एटीएस'	IS: 10-1970 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)
		हनका कार्यालय : 26 चितरजन एंट्रेन्यू, कलकत्ता-2 में है।		

[संख्या सीएमडी/55 : 1648]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1977-10-14

S.O. 3428—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-1648 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1977-07-01 at the firm's request :

Sl. Licence No. and Date No.	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licensee Cancelled	Relevant Indian Standard	
1	2	3	4	5
1. CM/L-1648 1968-03-08	M/s. Andamans Timber Industries Ltd., Port Blair, Andamans having their office at 26, Chittaranjan Avenue, Calcutta-12.	Teachest Plywood Panels Brand : 'ATI'	IS : 10-1970 Specification for plywood teachests (Third Revision)	

[No. CMD/55 : 1648]

क्रा० आ० 3429.—समय पर मंजोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विहून) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुमार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस मंज्या सीएम/एल-2130 जिसके ब्यौरे नीचे अनुमूली में दिए गए हैं, फर्म के प्रपने प्रत्युरोध पर 1977-07-01 से रद्द कर दिया गया है।

अनुमूली

क्रम	लाइसेंस संख्या और	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
संख्या तिथि				
1.	सीएम/एल-2130 1969-10-30	मंज्यी हरसालका एम सी एण कम्पनी, चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग इंडियन इस्टेट, बासुनी मैदान, मार्का : 'एच एम बी'	IS : 10-1970 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	
		गोहाटी (असम)।		

[संख्या सीएमडी/55 : 2130]

S.O. 3429.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-2130 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1977-07-01 at the firm's request:

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licenses Cancelled	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1.	CM/L-2130 1969-10-30	M/s. Hirlalka, M.C. & Co., Industrial Estate, Bamuni Maidan, Gauhati (Assam).	Tea-chest Metal Fittings Brand : 'HMC'	IS : 10-1970 Specification for plywood tea-chests (Third Revision)

[No. CMD/55 : 2130]

का० ३४३०.—समय पर संशोधित भारतीय मानक मंस्ता (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनु-मार्ग भारतीय मानक मंस्ता द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि वाइमेस सद्या सीएम/एल-५७३३ जिसके ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, कर्म की वाइमेस जारी रखने में रुचि न होने के कारण 1 जून, 1977 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम मंस्ता नियम	वाइमेस मंस्ता और वाइमेस मंस्ता का नाम और पता	रद्द किए गए वाइमेस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्परतावाली भारतीय मानक	
1	2	3	4	5
1.	सीएम/एल-५ ५७३३ 1976-12-24	मर्की यनिवर्तन स्टार्च-केम प्लाइड वस्त्र उत्पाद में प्रयुक्त मक्का स्टार्च प्रा० लिमिटेड, रावल इंडस्ट्रियल इस्टेट, पो० बा० स० 1, डॉडियाला, जिला खंडिया (महाराष्ट्र)। कार्यालय : 11 वस्त्रई म्यूचुअल एनेस्सी, दुमरा माला 17, रस्तम मिठाला मार्ग, (गांधी नगर), कर्मच-400001	IS : 1184-1968 वस्त्र उत्पाद में प्रयुक्त मक्का स्टार्च की विशिष्टि।	

[मंस्ता सीएम/एल-५५५ ५७३३]

वाई० एम० बेकटेवरन, अपार मञ्चानिवेशक

S.O. 3430.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-5733 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1 June, 1977 as the firm is not interested to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licenses Cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1.	CM/L-5733 1976-12-24	M/s. Universal Starch-Chem-Allied Pvt. Ltd., Rawal Industrial Estate, Post Box No. 1, Dondaicha Distt Dhulia (Maharashtra) Office: 11, Bombay Mutual Annex, 2nd Floor, 17 Rustom Sidhva Marg, (Gunbow Street), Bombay-400001.	Maize Starch for use in Cotton Textile Industry.	IS : 1184-1968 Specification for Maize Starch for use in cotton textile industry.

[No. CMD/55 : 5733]

Y. S. VENKATESWARAN, Additional Director General,
Indian Standards Institutions

पेट्रोलियम मंत्रालय
नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3431.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 5146 तारीख 17-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः मध्यम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यस: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्कय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा धोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निम्न देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बन्धनों से मुक्त रूप में इस ओपेण्या के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

सिंहमार कृप नम्बर 53 से कूप नम्बर 23 तक की पाइप लाइन
राज्य: असम जिला: शिवमार तालुक: भेलका बनगाव

ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	तेरे सेन्टीपेरे
भतियापार	230 ख	1	47
	238 ख	2	68
	239 ख	1	74
	240 ख	1	47
	299 ख	1	74
	298 ख	0	80
	265 ख	5	89
	295 ख	5	35
	294 ख	1	20
	293 ख	1	07
	264 ख	0	80

[मं० 12020/4/75-एल एफ एल]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 10th October, 1977

S.O. 3431.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. 5146 dated 17-11-1975 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Ruvasigur well No. 53 to Rudrasagar well No. 23
STATE-ASSAM DIST. SIBSAGAR TALUK-METEKABON GAON

Village	Survey No.	Hectare	Arc	Centiare
Bhutiapar	230 Kha	0	1	47
	238 Kha	0	2	68
	239 Kha	0	1	74
	240 Kha	0	1	47
	299 Kha	0	1	74
	298 Kha	0	0	80
	265 Kha	0	5	89
	295 Kha	0	5	35
	294 Kha	0	1	20
	293 Kha	0	1	07
	264 Kha	0	0	80

[No. 12020/4/75-L&I.]

नई दिल्ली 11 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3432.—यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 29 तारीख, 27-12-1973 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः केन्द्रीय सरकार ने मध्यम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार अधिसूचना का० आ० सं० 1859 तारीख 10-7-1974 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उपरोक्त पहली अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का अर्जन कर लिया और आगे निम्न देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग में निहित होगा।

और, इसविध्ये, उक्त अधिनियम की धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने, एतद्वारा उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार छोड़ दिया है जो कि पहले दिये गये अधिसूचना की अनुसूची

श्री, इसविध्ये, उक्त अधिनियम की धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने, एतद्वारा उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार छोड़ दिया है जो कि पहले दिये गये अधिसूचना की अनुसूची

में विनिश्चित हैं और नमस्ते: अधिसूचना संख्या का० आ० 29 तथा 1859 दिनांक, 27 दिसम्बर, 1973 और 10 जूनाई, 1974 को रद्द करती है।

[संख्या 12016/7/73-एन एण्ड एम]

टी० पी० सुभद्रानियन, प्रबन्ध सचिव

New Delhi, the 11th October, 1977

S.O. 3432.—Whereas by a notification S.O. No. 29 dated 27-12-1973 made under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government in the Ministry of Petroleum had declared its intention to acquire the right of user in respect of the lands specified in the schedule appended to that notification, for the purpose of laying pipeline.

And whereas, after considering the report of the Competent Authority, the Central Government in the Ministry of Petroleum by notification S.O. No. 1859 dated 10-7-1974, made under sub-section (1) of section 6 of the said Act, required the right of user in respect of the lands specified in the schedule appended to the first-mentioned notification and further directed that the right of user so acquired shall, instead of vesting in the Central Government, vest in the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas the Central Government has, on the recommendation of the Oil & Natural Gas Commission, decided to relinquish the right of user in respect of the aforesaid land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, the Central Government hereby relinquished the right of user which was acquired in respect of the lands specified in the schedule to the first-mentioned notification and rescinds the aforesaid notification Nos. S.O. 29 and 1859 dated 27th December, 1973 and 10th July, 1974 respectively.

[No. 12016/7/73-I&L]

T. P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

मई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1977

का० आ० 3433.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए केवल सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद् में परामर्श करने के पश्चात् इसके द्वारा उक्त अधिनियम को प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची में:—

(1) आधिकारिक विषयविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डाक्टर आफ मेडिसिन (जीव रसायन)”—एम० डी० (जीव रसायन)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः “आयुर्विज्ञान विकारण चिकित्सा में डिप्लोमा”—डी०एम० आर०टी० अथ रोग और वक्त रोग में डिप्लोमा—डी०टी० सी०डी०”;

(2) ए० पी० सिंह विषयविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “क्लिनिकी विहृति विज्ञान में डिप्लोमा”—डी० सी० पी०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः “डाक्टर आफ मेडिसिन (विहृति विज्ञान)”—एम० डी० (विहृति विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)”—एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)

भास्टर आफ मर्जरी (नेत्र विज्ञान)”—एम० एम० (नेत्र विज्ञान);

(3) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “आयुर्विज्ञान विकारण चिकित्सा में डिप्लोमा”—डी० एम० आर० टी०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

“डाक्टर आफ मेडिसिन (विकारण विज्ञान)”—एम० डी० (विकारण-विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (जीव भौतिकी)”—एम० डी० (जीव भौतिकी)

डाक्टर आफ मेडिसिन (न्यायिक आयुर्विज्ञान)”—एम० डी० (न्यायिक आयुर्विज्ञान);

(4) बंगलौर विषयविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “विकलाग विज्ञान में डिप्लोमा”—डी० आर०”, प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

“डिप्लोमा इन आप्टलमिक मेडिसिन ए०इ० मर्जरी”—डी० एम० एम० एम०

डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीर क्रिया विज्ञान)”—एम० डी० (शरीर क्रिया विज्ञान);

(5) बहामपुर विषयविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीर क्रिया विज्ञान)”—एम० डी० (शरीर क्रिया विज्ञान)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

“मास्टर आफ मर्जरी (विकलाग विज्ञान)”—एम० एम० (विकलाग विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (आम चिकित्सा विज्ञान)”—एम० डी० (आम चिकित्सा विज्ञान)

मास्टर आफ मर्जरी (सामान्य शल्य विज्ञान)”—एम० एम० (सामान्य शल्यविज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (मामान्य आयुर्विज्ञान)”—एम० डी० (मामान्य आयुर्विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (मेपज गुण विज्ञान)”—एम० डी० (भेपज गुण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (विहृति विज्ञान)”—एम० डी० (विहृति विज्ञान);

(6) भोपाल विषयविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “क्लिनिकी विहृति विज्ञान में डिप्लोमा”—डी० सी० पी०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

“मास्टर आफ मर्जरी (गर्भीर रक्तना विज्ञान)”—एम० एम० (परीर रक्तना विज्ञान);

(7) बी० एम० घक्कर्ती विषयविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डाक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा विज्ञान)”—एम० डी० (बाल चिकित्सा विज्ञान)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

“डाक्टर आफ मेडिसिन (खचा विज्ञान, इसमें रत्तजरोग विज्ञान और कुछ रोग भी शामिल है)”—एम० डी० (खचा विज्ञान, इसमें रत्तजरोग विज्ञान और कुछ रोग भी शामिल है)।

भास्टर आफ मर्जरी (नेत्र विज्ञान)”—एम० एम० (नेत्र विज्ञान)

भास्टर आफ मर्जरी (कान, नाश, गमा)”—एम० एम० (कान, नाश, गमा)

डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)---
एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
मंदेवनाहरण विज्ञान में डिलोमा---डी० ए०

डाक्टर आफ मेडिसिन (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)
---एम० डी० (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान);

(8) कलकत्ता विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (मनोविकार विज्ञान)---एम० डी० (मनोविकार विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)---
एम० डी० (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)"
मास्टर आफ मर्जरी (मंदेवनाहरण विज्ञान)---एम० एम०
(मंदेवनाहरण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (मंदेवनाहरण विज्ञान)---एम० डी०
(मंदेवनाहरण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीरकिया विज्ञान)---एम० डी०
(शरीरकिया विज्ञान);

(9) कालीकट विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीरकिया विज्ञान)---एम० डी० (शरीरकिया विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (न्यायिक आयुर्विज्ञान)---एम० डी०
(न्यायिक आयुर्विज्ञान)
शिशु स्वास्थ्य में डिलोमा---डी० सी० एच०",

(10) बिल्सी विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (मामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन)---एम० डी० (मामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (न्वचा विज्ञान कुण्ठ और रन्तज रोग महिला)---एम० डी० (न्वचा विज्ञान कुण्ठ और रन्तज रोग महिला)"
रन्तज विज्ञान और न्वचा विज्ञान में डिलोमा---डी० बी० डी०;

(11) गोदाटी विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)---एम० डी० (प्रसूति एवं रोग विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)---एम० डी०;
(भेषजगुण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (शिक्षनियज्ञान और सूक्ष्मजीव विज्ञान)---एम० डी० (शिक्षनियज्ञान में डिलोमा---डी० सी० पी०
किननिकी विकृति विज्ञान में डिलोमा---डी० सी० पी०
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में डिलोमा---डी० जी० ओ०
मास्टर आफ मर्जरी (शरीर रक्तान्तर विज्ञान)---एम० एम०
(शरीर रक्तान्तर विज्ञान);

(12) अन्त में निम्नलिखित प्रविष्टियों कोडा जाए, नामतः
"रोगश्वपुर विष्वविद्यालय बैचलर आफ मेडिसिन एण्ड बैचलर
आफ मर्जरी---एम० डी० बी० ए० एम०

30 अप्रैल, 1978 से पहले प्रदान की गई अर्हताएँ मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हताएँ होंगी।
अमूर विष्वविद्यालय जम्मू, बैचलर आफ मेडिसिन एण्ड बैचलर आफ मर्जरी---एम० बी० डी० एम०';

(13) गुजरात विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मनोविज्ञानिक आयुर्विज्ञान में डिलोमा---डी० पी० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"किननिकी विकृति विज्ञान में डिलोमा---डी० सी० पी० एम० डी० (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)
---एम० डी० (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)";

(14) जीवाजी विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"किननिकी विकृति विज्ञान में डिलोमा---डी० सी० पी०";

(15) श्री वेकटेश्वर विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ मर्जरी (शरीर रक्तान्तर विज्ञान)---एम० एम० (शरीर रक्तान्तर विज्ञान)" के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (जीव-रसायन)---एम० डी०
(जीव-रसायन)

डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)---एम० डी०
(भेषजगुण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)---एम० डी०
(विकृति विज्ञान)

*डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रभृति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
---एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान);

*30 अप्रैल, 1978 से पहले प्रदान की गई अर्हताएँ मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हताएँ होंगी।

(16) उत्कल विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (न्यायिक आयुर्विज्ञान)---एम० डी० (न्यायिक आयुर्विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (चिकित्सा)---एम० डी० (चिकित्सा)

नंदेवनाहरण विज्ञान में डिलोमा---डी० पी०
शिशु स्वास्थ्य में डिलोमा---डी० सी० एच०";

(17) कानपुर विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (क्षय रोग एवं वक्ष रोग)---एम० डी० (क्षय रोग एवं वक्ष रोग)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (दृदयरोग विज्ञान)---डी० एम०
(दृदयरोग विज्ञान)";

(18) कर्नाटक विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "बैचलर आफ मर्जरी एण्ड बैचलर आफ मेडिसिन---एम० डी० बी० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः
"डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)---एम० डी०
(भेषजगुण विज्ञान)";

(19) कामीर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डैचलर आफ मैडिसिन एंड वैचलर आफ मर्जरी—ग्राम ० बी० बी० एम०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए नामतः
 “मास्टर आफ मर्जरी (सामान्य शल्यविज्ञान)——ग्राम० एम० (सामान्य शल्यविज्ञान)”;

(20) केरल विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डाक्टर आफ मैडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)——ग्राम० डी० (भेषजगुण विज्ञान)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
 “संवेदनाहरण विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ए० मास्टर आफ मर्जरी (शरीर रक्तना विज्ञान)——ग्राम० एम० (शरीररक्तना विज्ञान)
 मास्टर आफ मर्जरी (विकलाग विज्ञान)——ग्राम० एम० (विकलाग विज्ञान)
 विकलाग विज्ञान में डिप्लोमा——डी० आर्थ० कर्णनामा कण्ठ विज्ञान में डिप्लोमा——डी० एल० आर०

(21) कृष्णनगर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डाक्टर आफ मैडिसिन (बाल चिकित्सा विज्ञान)——ग्राम० डी० (बाल चिकित्सा विज्ञान)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
 “डाक्टर आफ मैडिसिन (त्वचारोग विज्ञान, इसमें रतिरोग विज्ञान और कृष्ण गोग शामिल है)——ग्राम० डी० (त्वचारोग विज्ञान, इसमें रतिरोग विज्ञान और कृष्ण गोग शामिल है)।
 मास्टर आफ मर्जरी (नेत्रविज्ञान)——ग्राम० एम० (नेत्र विज्ञान)
 मास्टर आफ मर्जरी (कान, नाक, गला)——ग्राम० एम० (कान, नाक, गला)
 डाक्टर आफ मैडिसिन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)——ग्राम० डी० (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)
 संवेदनाहरण विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ए० डाक्टर आफ मैडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)——ग्राम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान);

(22) मरथनाडा विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “नेत्र विज्ञान और शल्यविज्ञान में डिप्लोमा——डी० आर० एम० एम०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए नामतः
 “डाक्टर आफ मैडिसिन (संवेदनाहरण विज्ञान)——ग्राम० डी० (संवेदनाहरण विज्ञान),
 (23) मेरठ विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डैचलर आफ मैडिसिन एंड वैचलर आफ मर्जरी—ग्राम० बी० बी० ए० एम०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
 “डाक्टर आफ मैडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)——ग्राम० डी० (भेषजगुण विज्ञान)
 डाक्टर आफ मैडिसिन (विकृति विज्ञान)——ग्राम० डी० (विकृति विज्ञान)
 डाक्टर आफ मैडिसिन (सामान्य आयुर्विज्ञान)——ग्राम० डी० (सामान्य आयुर्विज्ञान)
 मास्टर आफ मर्जरी (सामान्य शल्य विज्ञान)——ग्राम० एम० (सामान्य शल्य विज्ञान);

(24) इक्स्टर आफ मैडिसिन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)——ग्राम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री गोग विज्ञान)
 डाक्टर आफ मैडिसिन (शरीररक्तना विज्ञान)——ग्राम० डी० (शरीररक्तना विज्ञान)
 *मास्टर आफ मर्जरी (शरीर रक्तना विज्ञान)——ग्राम० एम० (शरीररक्तना विज्ञान)
 *केवल 30 प्रत्रेन, 1978 से पहले दो प्रदान की गई अहंता मात्रताप्राप्त विकल्पार्थीहाँ होगी।”

(25) मेसूर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “विकलागविज्ञान में डिप्लोमा——डी० आर्थ०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
 “डाक्टर आफ मैडिसिन (शीब रसायन)——ग्राम० डी० (शीब रसायन)
 डाक्टर आफ मैडिसिन (शरीररक्तिया विज्ञान)——ग्राम० डी० (शरीररक्तिया विज्ञान)
 मास्टर आफ मर्जरी (नेत्र विज्ञान)——ग्राम० एम० (नेत्र विज्ञान)
 नेत्र विज्ञान और शल्य विज्ञान में डिप्लोमा——डी० आर० एम० एम०
 मास्टर आफ मर्जरी (विकलाग विज्ञान)——ग्राम० एम० (विकलाग विज्ञान);
 (26) नागपुर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में डिप्लोमा——डी० आर० आर०” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
 “मास्टर आफ मर्जरी (ज्वास्टिक शल्य विज्ञान)——ग्राम० सी० एच० (ज्वास्टिक शल्य विज्ञान);
 डाक्टर आफ मैडिसिन (संवेदनाहरण विज्ञान)——ग्राम० डी० (संवेदनाहरण विज्ञान);
 (27) पंजाब विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “डाक्टर आफ मैडिसिन (बालचिकित्सा)——ग्राम० डी० (बाल चिकित्सा)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए नामतः
 “मास्टर आफ मर्जरी (ज्वास्टिक शल्य विज्ञान)——ग्राम० सी० एच० (ज्वास्टिक शल्य विज्ञान);
 (28) पंजाबी विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में “मास्टर आफ मर्जरी (शरीररक्तना विज्ञान)——ग्राम० एम० (शरीररक्तना विज्ञान)” प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः
 “डाक्टर आफ मैडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)——ग्राम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)
 डाक्टर आफ मैडिसिन (त्वचा रोग विज्ञान और रतिरोग विज्ञान)——ग्राम० डी० (त्वचा रोग विज्ञान और रतिरोग विज्ञान);

(29) राजी विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ मर्जी" (कान, नाक, गला)---एम० एम० (कान, नाक, गला)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

"डॉक्टर आफ मेडिसिन (शरीरशक्ति विज्ञान)---एम० डी० (शरीरशक्ति विज्ञान)

मास्टर आफ मर्जी (विकलांग विज्ञान)---एम० एम० (विकलांग)

मास्टर आफ मर्जी (शरीर रक्तना विज्ञान)---एम० एम० (शरीर रक्तना विज्ञान)";

(30) रोहतक विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डॉक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा)---एम० डी० (बाल चिकित्सा)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

"डॉक्टर आफ मेडिसिन (त्वचारोग विज्ञान, इसमें रक्तरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग भी शामिल है)---एम० डी० (त्वचा रोग विज्ञान, इसमें रक्तरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग भी शामिल है)

मास्टर आफ मर्जी (नेत्र विज्ञान)---एम० एम० (नेत्र विज्ञान)

मास्टर आफ मर्जी (कान, नाक, गला)---एम० एम० (कान, नाक, गला)

डॉक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)---एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)

मेवेन्टनहरण विज्ञान में डिप्लोमा---डी० ए०

मास्टर आफ मेडिसिन (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)---एम० डी० (मामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)";

(31) सत्रालपुर विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ मर्जी (कार्णनामा कण्ठ विज्ञान)---एम० एम० (कर्णनामा कण्ठ विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः

"मास्टर आफ मर्जी (नेत्र विज्ञान)---एम० एम० (नेत्र विज्ञान)

डॉक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)---एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)";

(32) सोराट विष्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "नेत्रविज्ञान और गल्यविज्ञान में डिप्लोमा---डी० ए० एम० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः

"डॉक्टर आफ मेडिसिन (मामाज्य आयुर्विज्ञान)---एम० डी० (मामाज्य आयुर्विज्ञान)";

[म० डी० 11015/10/77-एम पी टी/एम ई (पी)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE
(Department of Health)

New Delhi, the 15th October, 1977

S.O. 3433.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the

following further amendments in the first Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule :—

(i) In the entries relating to Andhra University, after the entry "Doctor of Medicine (Biochemistry)... M.D. (Biochemistry)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Diploma in Medical Radiology Therapy... D.M.R.T.
Diplom in Tuberculosis and Chest Diseases..... D.T.C.D.";

(ii) in the entries relating to A.P. Singh University, after the entry "Diploma in Clinical Pathology... D.C.P.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pathology)... M.D. (Pathology),
Doctor of Medicine (Obstetrics and Gynaecology)... M.D. (Obst. & Gynaec.), Master of Surgery (Ophthalmology)... M.S. (Ophthalmology)";

(iii) in the entries relating to the Banaras Hindu University, after the entry "Diploma in Medical Radiotherapy... D.M.R.T.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Radio-diagnosis)... M.D. (Radio-diagnosis), Doctor of Medicine (Bio-Physics)... M.D. (Bio-Physics), Doctor of Medicine (Forensic Medicine)... M.D. (Forensic Medicine)";

(iv) in the entries relating to the Bangalore University, after the entry "Diploma in Orthopaedics... D. Orth.", the following entries shall be inserted namely :—

"Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery... D.O.M.S., Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Physiology)";

(v) In the entries relating to the Berhampur University, after the entry "Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Physiology)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Orthopaedics)... M.S. (Orthopaedics), Doctor of Medicine (Paediatrics)... M.D. (Paediatrics), Master of Surgery (General Surgery)... M.S. (General Surgery), Doctor of Medicine (General Medicine)... M.D. (General Medicine), Doctor of Medicine (Pharmacology)... M.D. (Pathology), Doctor of Medicine (Pathology)... M.D. (Pharm.)";

(vi) in the entries relating to the Bhopal University, after the entry "Diploma in Clinical Pathology... D.C.P.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Anatomy)... M.S. (Anatomy)";

(vii) in the entries relating to the B. N. Chakravarty University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics)... M.D. (Paediatrics)", the following entries shall be inserted namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Venereology and Leprosy)... M.D. (Derm. including Ven. & Leprosy), Master of Surgery (Ophthalmology)... M.S. (Ophth.), Master of Surgery (E.N.T.)... M.S. (E.N.T.), Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)... M.D. (Obst. & Gynaec.), Diploma in Anaesthesiology... D.A., Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine)... M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(viii) in the entries relating to the Calcutta University after the entry "Doctor of Medicine (Psychiatry)... M.D. (Psychiatry)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine)... M.D. (Social & Prev. Medicine), Master of Surgery (Anaesthesiology)... M.S. (Anaesthesiology), Doctor of Medicine (Anaesthesiology)... M.D. (Anaesthesiology), Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Physiology)";

(ix) in the entries relating to the Calicut University, after the entry "Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Phy.)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)... M.D. (Forensic Medicine), Diploma in Child Health... D.C.H.>";

(x) in the entries relating to the Delhi University, after the entry "Doctor of Medicine (Community Health Administration)....M.D. (Community Health Administration)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Leprosy and Venereal Diseases), M.D. (Derm. including Leprosy & Ven. Diseases), Diploma in Venerology & Dermatology....D.V.D.;"

(xi) in the entries relating to the Gauhati University, after the entry "Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obst. & Gynae.)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharm), Doctor of Medicine (Pathology & Microbiology)....M.D. (Path. & Micro.), Diploma in Clinical Pathology....D.C.P., Diploma in Obstetrics & Gynaecology....D.G.O., Master of Surgery (Anatomy....M.S. (Anatomy));

(xii) the following entries shall be added at the end, namely :—

"Gorakhpur University, Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.

This qualification shall be recognised medical qualification when granted before the 30th April, 1978.

Jammu University, Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.;"

(xiii) in the entries relating to the Gujarat University, after the entry "Diploma in Psychological Medicine....D.P.M.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Clinical Pathology....D.C.P., Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)....M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(xiv) in the entries relating to the Jiwaji University, after the entry "Doctor of Medicine (Soc. & Prev. Medicine)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Clinical Pathology....D.C.P.;"

(xv) in the entries relating to the Sri Venkateswara University, after the entry "Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy)" the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Bio-Chemistry)....M.D. (Bio-Chem.), Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharmacology), Doctor of Medicine (Pathology)....M.D. (Pathology), **Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obst. & Gynae.);

**This qualification shall be recognised medical qualification when granted before the 30th April, 1978.;"

(xvi) in the entries relating to the Utkal University, after the entry "Doctor of Medicine (Forensic Medicine)....M.D. (Forensic Medicine)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Radio-therapy)....M.D. (Radio-therapy), Diploma in Anaesthesiology....D.A., Diploma in Child Health....D.C.H.;"

(xvii) in the entries relating to the Kanpur University, after the entry "Doctor of Medicine (Tuberculosis and Chest Diseases)....M.D. (Tuberculosis and Chest Diseases)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Cardiology)....D.M. (Cardiology)";

(xviii) in the entries relating to the Karnataka University, after the entry "Bachelor of Surgery and Bachelor of Medicine....M.B.B.S.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharmacology)";

(xix) in the entries relating to the Kashmir University, after the entry "Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (General Surgery)....M.S. (Gen. Surgery)";

(xx) in the entries relating to the Kerala University after the entry "Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharm.)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Anaes, besiologyD.A., Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy), Master of Surgery (Orthopaedics)....M.S. (Ortho.), Diploma in Orthopaedics....D. Orth., Diploma in Cto-rhino-layngology....D.L.O., Master of Surgery (Ophthalmology)....M.S. (Ophthd.), Diploma in Ophthalmology....D.O.

(xxi) in the entries relating to Kurukshetra University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics)....M.D. (Paediatrics)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Venereology and Leprosy)....M.D. (Dermatology including Ven., and Leprosy), Master of Surgery (Ophthalmology)....M.S. (Ophth.), Master of Surgery (E.N.T.)....M.S. (E.N.T.), Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obstd. & Gynac.), Diploma in Anaesthesiology....D.A., Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)....M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(xxii) in the entries relating to the Marathawada University, after the entry "Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery....D.O.M.S.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Anaesthesiology)....M.D. (Anaesthesiology)";

(xxiii) in the entries relating to the Meerut University, after the entry "Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharm), Doctor of Medicine (Pathology)....M.D. (Path), Doctor of Medicine (General Medicine)....M.D. (Gen. Medicine), Master of Surgery (General Surgery)....M.S. (Gen. Surgery), Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obst. & Gynac), Doctor of Medicine (Physiology)....M.D. (Phy.), "Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy).

This qualification shall be recognised medical qualification for only year i.e. when granted before 30th April, 1978.;"

(xxv) in the entries relating to Nagpur University after the entry "Diploma in Orthopaedics....D. Orth.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (bio-Chemistry)....M.D. (Bio-Chem.), Doctor of Medicine (Physiology)....M.D. (Phy.), Master of Surgery (Ophthalmology)....M.S. (Ophth.), Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery....D.O.M.S., Master of Surgery (Orthopaedics)....M.S. (Ortho.)";

(xxv) in the entries relating to Nagpur University after the entry "Diploma in Obstetrics and Gynaecology....D.G.O.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Plastic Surgery)....M. Ch. (Plastic Surgery), Doctor of Medicine (Anesthesiology M.D. (Anaesth.))";

(xxvi) in the entries relating to Poona University, after the entry "Master of Surgery (Orthopaedics)....M.D. (Orthopaedics)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery....D.O.M.S.;"

(xxvii) in the entries relating to Punjab University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics)....M.D. (paed.)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Plastic Surgery)....M. Ch. (Plastic Surgery)";

(xxvii) in the entries relating to Punjabi University, after the entry "Master of Surgery (Anatomy).....M.S.(Ana.) the following entries shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine).....M.D. (Soc. & Prev. Medicine), Doctor of Medicine (Dermatology & Venereology).....M.D. (Derm. & Ven.)";

(xxix) in the entries relating to the Ranchi University, after the entry "Master of Surgery (E.N.T.).....M.S. (E.N.T.)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Physiology).....M.D. (Phy.), Master of Surgery (Orthopaedics).....M.S. (Ortho), Master of Surgery (Anatomy).....M.S. (Anatomy)";

(xxx) in the entries relating to the Rohtak University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics).....M.D (Paediatrics)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Venereology and Leprosy).....M.D. (Derm. including Ven. & Leprosy), Master of Surgery (Ophthalmology).....M.S (Ophth.), Master of Surgery (E.N.T.).....M.S. (E.N.T.), Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology).....M.D. (Obst. & Gynaec.), Diploma in Anaesthesiology.....D.A. Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine) M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(xxxi) in the entries relating to the Sambalpur University, after the entry "Master of Surgery (Oto-Rhino-Laryngology).....M.S. (Oto-Rhino-Laryngology)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Master of Surgery (Ophthalmology).....M.S. (Ophth) Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology).....M.D., (Obst. & Gynaec.)";

(xxxii) in the entries relating to Saurashtra University, after the entry "Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery....D.O.M.S.", the following entry shall be inserted namely:—

"Doctor of Medicine (General Medicine).....M.D.(Gen. Medicine)".

[No. V. 11015/10/77-MPT/ME(P)]

का०आ० 3434.—भारतीय चिकित्सा परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शरिकर्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के पश्चात इसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की प्रथम प्रनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है:—

उक्त प्रनुसूची में निम्नलिखित प्रविष्टियों को भूत में प्रतिस्थापित किया जाए:—

"कक्षात्मक विषयविद्यालय, आयुर्विज्ञान तथा शल्य एम० बी० बी० एस० वारंगल विज्ञान स्नातक

नागर्जुन विषयविद्यालय, आयुर्विज्ञान तथा शल्य एम० बी० बी० एस० विज्ञान स्नातक

[संख्या वी 11015/15/77-एम० पी० टी० एम० ई० (पी)]

प्रार० वी० श्रीनिवासन, उप सचिव

S. O. 3434:—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule, the following entry shall be inserted at the end, namely:—

"Kakatya University, Warangal. Bachelor of Medicine.....M.B.B.S. and Bachelor of Surgery. Nagarjuna University, Nizamjuna. Bachelor of Medicine.....M. B. B. S." and Bachelor of Surgery.

[No. V. 11015/15/77-MPT/ME(P)]
R. V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3435.—केन्द्रीय सरकार, इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (शेयरों का अर्जन) प्रधिनियम, 1976 (1976 का 89) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शरिकर्यों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा श्री एस० के० धोप, लोहा तथा इस्पात सहायक नियंत्रक, कलकत्ता को 27 सितम्बर, 1977 से तथा अगले आवेदन दिए जाने तक सहायक संशय आयुक्त नियुक्त करती है। उनकी नियुक्ति श्री बी० बी० विश्वास के स्थान पर की गई है जो कि बीमार पड़ गए हैं।

[संख्या इण्डस्ट्री (II-8(108)/76]
रा० मलिकार्जुन, उप सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 22nd October, 1977

S.O. 3435.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (39 of 1976), the Central Government appoint with effect from the 27th September 1977, and until further orders, Shri S. K. Ghosh, Assistant Iron and Steel Controller, Calcutta as Assistant Commissioner of Payments in place of Shri B. B. Biswas who has fallen ill.

[No. Ind. (II)-8(108)/76]

R. MALLIKARJUNAN, Dy. Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3436.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला बाले लेव (अर्जन प्रौद्योगिकी विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के प्रधीन जारी की गई, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 4607, तारीख 12 नवम्बर, 1976 द्वारा, उस अधिसूचना से उपायद मनुसूची में विनियोग परिक्षेत्र में भूमियों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

प्रीर सलम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

प्रीर केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् प्रीर विहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे उपायद मनुसूची में वर्णित 9.00 एकड़ (लगभग) या 3.64 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि को अर्जित कर लिया जाना चाहिए।

प्रतः आब, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शरिकर्यों का प्रयोग करते हुए, धोषणा करती है कि इससे उपायद मनुसूची में वर्णित 9.00 एकड़ (लगभग) या 3.64 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि अर्जित की जाती है।

2. इस प्रधिसूचना के मन्त्रालय आले बोत के रेखांक का निरीक्षण उपायुक्त कार्यालय, हजारीबाग (विहार) में या कोयला नियंत्रक कार्यालय, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में या सेन्ट्रल कॉलफील्ड्स निमिटेड कार्यालय (राजस्व मन्त्रालय), दरभंगा हाउस, रांची (विहार) में किया जा सकेगा।

भ्रम्भुच्ची
केन्द्रीय सौदा विभाग
शक्तिकाल करनपुरा कोयला बाने दो।
द्वा० सं० राजस्व/6/77
तारीख 1-2-77
(जिसमें अधिनियम की गई भूमि दर्शित की गई है)

सभी घासिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	सेवकल	टिप्पणी
1.	सौदा	रामगढ़	24	हजारीबाग	9.00	भाग
	कुल सेवकल :		9.00 एकड़ (लगभग)			
	या		3.64 हेक्टेयर (लगभग)			

सौदा ग्राम में प्रजित किए गए खालियों की सं०

394 (भाग), 396 (भाग), 397 (भाग) और 400 (भाग)

सीमा वर्णन :

ए—बी लाइन मैल और सौदा ग्रामों की भागान्य सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है।

बी—बी लाइन सौदा ग्राम में प्लाट सं० 397, 400 और 394 से होकर जाती है।

सी—ए लाइन सौदा ग्राम में प्लाट सं० 394, 396 और 400 से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[सं० 19(45)/75 सी०एल०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 14th October, 1977

S. O. 3436:—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, (Department of Coal) No. S. O. 4607 dated the 12th November, 1976, issued under sub-section (i) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Bihar, is satisfied that the lands measuring 9.00 acres (approximately) or 3.64 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 9.00 acres (approx.) or 3.64 hectares (approx.) described in the schedule, are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

CENTRAL SAUNDA EXTN.
SOUTH KARANPURA COALFIELDS

Drg. No. Rev/6/77
dt. 1-2-77

(Showing the lands acquired).

All Rights

S. No.	Village	Thana	Thana	District	Area	Remarks
--------	---------	-------	-------	----------	------	---------

1.	Saunda	Ramgarh	24	Hazaribagh	9.00	Part
----	--------	---------	----	------------	------	------

Total area:— 9.00 acres (approx).
or 3.64 hectares (approx)

Plot numbers acquired in village Saunda :

394 (part), 396 (part), 397 (part), and 400 (part).

Boundary Description :

A—B Line passes along the part common boundary of village Sael and Saunda.

B—C Line passes through plot numbers 397, 400 and 394 in village Saunda.

C—A Line passes through plot nos. 349, 396 and 400 in village Saunda and meets at starting point 'A'.

[F. No. 19(45)/75-C.L]

क्र०सं० 3437.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला बाने लेव (अर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के प्रधीन, भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की प्रधिष्ठाना सं० का०सं० 849, तारीख 2 मार्च, 1977 द्वारा, उस प्रधिष्ठाना से उपायक भ्रम्भुच्ची में विनियिष्ट परिक्षेत्र में 780.00 एकड़ (लगभग) या 315.65 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमियों में कोयला का पूर्वेक्षण करने के प्रपत्रे आपाय की सूचना दी गई है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमियों में से 692.74 एकड़ (लगभग) या 280.34 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि में कोयला अभिप्राप्य है;

प्रत ग्रब, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाने लेव (अर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसमें उपायक भ्रम्भुच्ची में वर्णित 692.74 एकड़ (लगभग) या 280.34 हेक्टेयर (लगभग) माप को भूमियों को अधिन फरने के प्रपत्रे आपाय की सूचना दी गई है;

2. इस प्रधिष्ठाना के प्रनगत आने वाले भेदों के रेखांक का तिरीक्षण उपायक शक्तियां पालामऊ (बाल्टनगंग), विहार, या कोयला नियन्त्रक आपायक, 1, कार्डिमिस हाउस म्हीट, कलकत्ता या सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड कार्यालय (राजस्व अनुभाग), वरभंगा हाउस, रांची (विहार) में किया जा सकता है;

3. कार्यालय नियन्त्रक, 1, कार्डिमिस हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा कोयला प्रधिनियम के प्रधीन सभी प्राधिकारी तिरुक्त किया गया है।

प्रशंसकी						
लोहारी खण्ड						
बाल्टनगज-हृष्टार कोयलाखेड़						
पालामऊ (बिहार)						
इ० स० राजस्व/24/77						
तारीख 7-6-1977						
(जिसमें अधिस की जाने वाली भूमि दर्जित की गई है)						
सभी भविकार						
क्रम संख्या	प्रामाण	धाना	पाना सं.	जिला	खेतफल	टिप्पणियां
सं.						
1. गरेतियाडीह	पटना		195	पालामऊ		भाग
2. लोहारी	"		197	"		"
3. लोहारा	"		198	"		"
कुल खेतफल		692.74	एकड़ (लगभग)			
		या	280.34	हेक्टेयर (लगभग)		

गरेतियाडीह प्राम में अधिस की जाने वाली प्लाट संख्याएं

1 से 153, 154पी, 156, 157(पी), 158 से 205, 206(पी), 207 से 255, 255(पी), 257(पी), 258(पी), 319(पी) 376(पी), 377, 378, 379, 380, 381(पी), 382 से 403, 404(पी), 405(पी), 406 से 428, 445(पी), 443 से 452 453(पी), 454(पी), 455(पी), 456(पी), 457(पी), 544(पी), 545, 547, 546(पी), 548(पी), 552(पी), 1943, 1944, 1947, 1948(पी), 1949, 1950(पी)।

लोहारी प्राम में अधिस की जाने वाली प्लाट संख्याएं

310(पी), 321(पी), 326(पी), 327, 328, 329, 330, 331(पी), 332 से 342, 343(पी), 344 से 354, 355(पी), 356(पी), 358(पी), 359(पी), 360(पी), 361 से 396, 397(पी), 535(पी), 436(पी), 437(पी), 438(पी), 441(पी), 442 से 449, 450(पी), 564(पी), 566, 587(पी), 588, लोहारी प्राम की प्लाट सं. 448 से दिरा हुआ एक असंख्याकित प्लाट और गरेतियाडीह प्राम की प्लाट सं. 1947

लोहारा प्राम में अधिस की जाने वाली प्लाट संख्याएं—310(पी)

1 से 523, 524(पी), 525, 526, 527(पी), 528(पी), 545(पी), 550(पी), 551(पी), 552(पी), 553(पी), 554 से 598, 599(पी), 600(पी), 602(पी), 616(पी), 617 से 624, 625(पी), 626, 627(पी), 628 से 633, 634(पी), 635(पी), 636 से 644, 645(पी), 646(पी), 647(पी), 648, 649, 650, 651(पी), 653(पी), 654(पी), 655(पी), 656(पी), 664(पी), 665(पी), 666(पी), 667(पी), 674(पी), 675(पी), 676(पी), 708(पी), 761, 762, 764(पी), 765, 766, 767, 768, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780 और 781।

सीमा वर्णन :

पी—यी	लाइन दुर्गावली नदी की भागम के द्वाय लाइन (जो लोहारा और गिरिखास प्रामों की भागम: सामान्य सीमा है) के साथ-साथ जाती है।
सी—सी	लाइन प्राम लोहारा की प्लाट सं. 708, 524, 528, 527, 550, 551, 553, 552, 545, 602, 600, 599, 625, 616, 676, 675, 674, 627 634, 635, 667, 666, 665, 645, 646, 645, 846, 647,

651, 653, 654, 655, 656, 784 से गुजरती है, फिर गरेतियाडीह और कथीनिया ग्रामों की भागम: सामान्य सीमा के साथ-साथ भागम प्लाट सं. 156 के साथ-साथ प्लाट सं. 1950 और 154 से गुजरती है और फिर प्राम गरेतियाडीह की प्लाट सं. 157 से गुजरती है।

सी—वी

लाइन प्लाट सं. 157, 440 की सामान्य सीमा के साथ-साथ फिर प्राम गरेतियाडीह की प्लाट सं. 445, 457, 456, 455, 454, 453, 544, 547, 548, 552, 405, 404, 376, 381 और 268 से होकर जाती है।

दी—र्द

लाइन प्राम गरेतियाडीह की प्लाट सं. 258, 257, 256, 206, 1948, 319 से, फिर प्लाट सं. 32, की भागम: परिषमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 584, 450, 441, 438, 437; 436, 435, 397, 587, 310, 331, 321 से फिर लोहारी प्राम की प्लाट सं. 326 और 343 से होकर जाती है।

दी—एफ

प्राम लोहारी की प्लाट सं. 343, 355, 343, 356, 358, 359 और 360 से होकर जाती है।

एक—जी

लाइन लोहारी और पण्डवा प्रामों की भागम: सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।

जी—ए

लाइन सोहारा प्राम और पण्डवा प्रामों के साथ सामान्य सीमा बनाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[सं. 19(43)/77-सी० एल०]

आर० एस० शिवानी, उप सचिव

S.O. 3437.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. No. 849 dated the 2nd March, 1977, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 780.00 acres (approximately) or 315.65 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in 692.74 acres (approximately) or 280.34 hectares (approximately) out of said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 692.74 acres (approximately) or 280.34 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto;

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Palamu (Daltongunj), Bihar, or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or at the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar);

3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Coal Act.

SCHEDULE

LOHARI BLOCK

DALTONGANJ-HUTAR COALFIELD

Palamau (Bihar)

Drg. No. Rev/24/77

dated 7-6-1977

(Showing lands to be acquired)

All Rights

Serial No.	Village	Thana Number	Thana	District	Area	Remarks
1. Gareriadih	Patan	195	Palamau		Part	
2. Lohandi	-do-	197	-do-		-do-	
3. Lohanra	-do-	199	-do-		-do-	
Total area 692.74 acres (approx). or 280.34 hectares (approx).						

Plot numbers to be acquired in village Gareriadih:—

1 to 153, 154(P), 156, 157(P), 158 to 205, 206(P), 207 to 255, 256(P), 257 (P), 258(P), 319 (P), 376 (P), 377, 378, 379, 380, 381(P), 382 to 403, 404(P), 405(P), 406 to 428, 445(P), 446 to 452, 453 (P), 454(P), 455 (P), 456(P), 457 (P), 544(P), 545, 546, 547(P), 548(P), 552(P), 1943, 1944, 1947, 1948(P), 1949 and 1950 (P).

Plot numbers to be acquired in village Lohandi:—

310(P), 321(P), 326(P), 327, 328, 329, 330, 331(P), 332 to 342, 343(P), 344 to 354, 355(P), 356(P), 358(P), 359(P), 360(P), 361 to 396, 397(P), 435(P), 436(P), 437(P), 438(P), 441(P), 442 to 449, 450(P), 564(P), 566, 587 (P) 588, one un-numbered plot surrounded by plot no. 448 of village Lohandi and plot no. 1947 of village Gareriadih.

Plot numbers to be acquired in village Lohanra:—

1 to 523, 524(P), 525, 526, 527 (P), 528(P), 545(P), 550(P), 551(P), 552(P), 553(P), 554 to 598, 599(P), 600(P), 602(P), 616(P), 617 to 624, 625 (P), 626, 627 (P), 628 to 633, 634 (P), 635 (P), 636 to 644, 645 (P), 646 (P), 647 (P), 648, 649, 650, 651(P), 653(P), 654(P), 655(P), 656(P), 664(P), 665(P), 666(P), 667(P), 674(P), 675(P), 676(P), 708(P), 761, 762, 764(P), 765, 766, 767, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780 and 781.

Boundary description:—

A—B Line passes along the part central line of Durgawati River (which forms part common boundary of villages Lohanra and Garikhlas).

B—C Line passes through plot Nos. 708, 524, 528, 527, 550, 551, 553, 552, 545, 602, 600, 599, 625, 616, 676, 675, 674, 627, 634, 635, 667, 666, 665, 645, 664, 645, 646, 647, 651, 653, 654, 655, 656, 764, of village Lohanra, then passes through plot no. 1950 and 154, along Southern boundary of plot no. 156, along part common boundary of villages Gareriadih and Kathautia, then through plot no. 157 of village Gareriadih.

C—D Line passes along the common boundary of plot nos. 157, 440, the through plot nos. 445, 457, 456, 455, 454, 453, 544, 547, 548, 552, 405, 404, 376, 381, and 258 of village Gareriadih.

D—E Line passes through plot nos. 258, 257, 256, 206, 1948, 319 of village Gareriadih, then through plot

450, 441, 438, 437, 436, 435, 397, 587, 310, 331, 321, along the part western boundary of plot no. 321, through plot nos. 326 and 343 of village Lohandi.

E—F Line passes through plot nos. 343, 355, 343, 356, 358, 359, and 360 of village Lohandi.

F—G Line passes along the part common boundary of villages Lohandi and Pandwa.

G—A Line froms common boundary with the villages of Lohanra and Pandwa and meets at starting point 'A'.

[File No. 19(43)/77-C. L.]

R. S. SHIVANI, Dy. Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1977

का०धा० 3438.—यतः कठिपय उपनामरण, जिन्हे केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित भेजों के सम्बन्ध में दिल्ली की वृहत योजना में करते की प्रस्थापना करती है, दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के अनुसरण में, सूचना सं० एफ० 20(5)/76-वृ०यो० दिनांक 17 जुलाई, 1976 के साथ उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) द्वारा यथाविधित, प्रकाशित किए गए थे, जिसमें आवेदन और सुझाव मांगे गए थे।

धौर यतः केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित भेज के सम्बन्ध में आवेदों/सुझावों पर विचार करते के बाद दिल्ली की वृहत योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः, धौर केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11(क) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली की वृहत योजना तथा केन्द्रीय विकास योजना में भारत के राजपत्र में इस प्रधिदूषन के प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित उपालंतरण करती है, प्रथम्:—

“कशीरपुर भौद्योगिक जल में भौद्योगिक उपयोग (छोटा-मोटा उत्पादन) के लिए निर्विष्ट भूमि में से 0.52 हेक्टेयर (1.3 एकड़) भारकार के भेज को बदल कर उसके के सामान के लिए 'फैसिट फैक्ट्रीज' कर दिया गया है।”

[सं० के० 12016/13/74-य०बी०-१(ए)]

हरिराम गोपल, भवर सचिव

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 11th October, 1977

S.O. 3438.—Whereas certain modification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(5)/76-MP, dated 17th July, 1976 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas the Central Government after considering the objections and suggestions with regard to the said modification mentioned hereunder, have decided to modify the Master Plan for Delhi;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of

publication of this notification in the Gazette of India, namely :—

MODIFICATION :

"An area measuring 0.52 hectares (1.3 acres) out of the land, earmarked for 'industrial use' (Light Manufacturing) in Wazirpur Industrial Area is changed to 'flatted factories' for leather goods."

[No. K-12016/13/74-UDI(A)]
H. R. GOEL, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1977

कांक्षा 3439.—दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास और शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के आधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि विद्या स्कूल सोसायटी को स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

डिप्लोमेटिक एक्लेव एरिया, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं. 22 और 23, माइट सं. 7 को अधिसूचना सं. एस०ओ० 1810, दिनांक 20-7-74 के अनुसार एल०डी०ओ० प्लान सं. 2485/1 में दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत लगभग 1.647 एकड़ भूमि के भाग को दिलाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है:—

उत्तर : विद्या स्कूल

दक्षिण : प्लाट सं. 21 और 24

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

[सं. एस० एण्ड एस० 33(1)/74/ए०एस०ओ० (1) 715-17]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 17th October, 1977

S.O. 3439.—In pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the Schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing & Urban Development, Government of India, New Delhi for further transfer to the British School Society, Delhi.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 1.647 acres, situated in Diplomatic Enclave area in Chanakpuri, New Delhi, bearing Plot No. 22 & 23 Site No. 7 partly of Notification No. S.O. 1810 dated 20-7-1974 Under Section 22 of Sub-Section (4) of D.D. Act, 1957 shown in the plan L.D.O. No. 2485/1.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : British School.

South : Plot No. 21 & 24.

East : By Road.

West : By Road.

[No. S&S 33(1)/74-ASO(I) /715-17]

कांक्षा 3440.—दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास और शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के आधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि दिल्ली पश्चिम नाइट्रोरी बनाने हेतु दिल्ली नाइट्रोरी बोर्ड को स्थानान्तरित की जाती है।

नई दिल्ली के आधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नई स्कूल के लिये मात्र दिल्ली एजूकेशन सोसायटी को स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

सैकटर 7, प्लाट के० पुरम, नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं० 1 साईट सं० 76 को अधिसूचना सं० एस०ओ० 4719, दिनांक 21-8-75 के अनुसार एल०डी०ओ० प्लान सं० 2340-ए में दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत लगभग 0.38 एकड़ / 0.1537 हेक्टेयर भूमि के भाग को दिलाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है:—

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

[सं. एस० एण्ड एस० 33(10)/77/ए०एस०ओ० (1) /709/11]

S.O. 3440.—In pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of the Delhi Development Act, 1957 the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the Schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing & Urban Development, Government of India, New Delhi for further transfer to the South Delhi Education Society for Nursery School.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 0.38 acre situated in Sector-VII, R. K. Puram, New Delhi, bearing plot No. 0.1537 Hectare/Site No. 76 Full of Notification No. S.O. 4719 dated 21-8-1975 under section 22 of Sub-Section (4) of D.D. Act, 1957 shown in the Plan L.D.O. No. 2340-A.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : By Road.

South : By Road.

West : By Road.

East : By Road.

[No. S&S 33(10)/77-ASO(I) /709-11]

कांक्षा 3441.—दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास और शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के आधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि दिल्ली पश्चिम नाइट्रोरी बनाने हेतु दिल्ली नाइट्रोरी बोर्ड को स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

सैकटर 2, आर० के० पुरम, नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं० 1 साईट सं० 56 को अधिसूचना सं० एस०ओ० 4719, दिनांक 21-8-75 के अनुसार एल०डी०ओ० प्लान सं० 3291 में दिल्ली विकास प्रधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत लगभग 1367.46 वर्ग गज (1143.374 वर्ग मीटर) भूमि के भाग को दिलाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है:—

उत्तर : खाली जगह

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सरकारी क्वाटर

पश्चिम : सड़क और नाला

[सं. एस० एण्ड एस० 33(12)/77/ए०एस०ओ०-(1) /71214]

कृष्ण प्रताप, मंचित

S.O. 3441.—In pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the Land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing & Urban Development, Government of India New Delhi for further transfer to the DELHI LIBRARY BROAD FOR CONSTRUCTION OF DELHI PUBLIC LIBRARY.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 1367.46 sq. yds. 1143.374 sq. mtrs. situated in Sector-II, R. K. Puram, New Delhi, bearing

Plot No./Site No. 56 partly of Notification No. 4719 dated 21-8-1975 under section 22 of Sub-Section (4) of D.D. Act, 1957 shown in the plan L.D.O. No. 3291.

The above piece of land is bounded as follows :-

North.—Open land.

South.—By Road.

East.—Government Quarters.

West.—By Road & Nallah.

[No. S&S 33(12)77/-ASO(I)/712-14]

KRISHNA PARTAP, Secy.

अम मंत्रालय

प्रादेश

नई रिली, 30 अगस्त, 1977

S.O. 3442.—इससे उपायक अनुसूची में विनियिष्ट औद्योगिक विवाद श्री ई० एन० सिंगारावेसु, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के समझ समिति है;

और उक्त श्री सिंगारावेसु की सेवाएँ अब उपलब्ध नहीं हैं;

प्रत, प्रब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 33क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेलवरतनम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त श्री ई० एन० सिंगारावेसु, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पास प्रनिर्णीत पड़े उक्त विवाद से संबद्ध कार्यवाहियों को बापस लेती है और उक्त कार्यवाहियों के निपटान के लिए उक्त अधिकरण को इस निवेदण के साथ दृस्तान्तरित करती है कि उक्त अधिकरण और आगे की कार्यवाही उस प्रकार से करेगा जिसपर वह उसे हस्तान्तरित की जाए, तथा विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा—

अनुसूची

क्रम	विवाद संख्या	संख्या	विवाद के पक्षकारों का नाम
1	2	3	4
1.	आई० ई० संख्या 14/75	प्रादेश संख्या एल० 12011/14-75-एस० आर० III, श्री इंडियन बैंक, मद्रास और उनके कर्मकार। तारीख 26/2/75	
2.	आई० ई० संख्या 66/75	प्रादेश संख्या एस० 29011/95/75 ई० आर० III (श्री), भैसरै इंडिया सीमेंट लिमिटेड, शंकरनगर और उनके कर्मकार। तारीख 11/8/75	
3.	आई० ई० संख्या 18/76	प्रादेश संख्या एल० 29011/132/75 ई० III (श्री), आलमबाबी लाइम स्टोम भाइस्स एण्ड ऐसीनाव सीमेंट कार्पोरेशन, पुनियूर और उनके कर्मकार। तारीख 27/2/76	
4.	आई० ई० संख्या 56/76	प्रादेश संख्या एस० 33012/2/76 ई० II(ए), मद्रास स्टीचिङ्डोर्स एसोसिएशन, मद्रास-1, और उनके कर्मकार। तारीख 27/10/76	
5.	आई० ई० संख्या 57/76	प्रादेश संख्या एल० 33011/2 एस० 12011/34/76- इंडियन ग्रोवरसीज बैंक, मद्रास और उनके कर्मकार। श्री० II (ए) तारीख 30-10-76	
6.	आई० ई० संख्या 62/76	प्रादेश संख्या एल० 33011/2/76 ई० II(ए) सेसर्स पी० वेवराज्जुल नायडू एण्ड सन, मद्रास और उनके कर्मकार। तारीख 3/12/76	
7.	आई० ई० संख्या 64/76	प्रादेश संख्या एल० 11011/8/75 ई० II (श्री) इंडियन एयर लाइन्स, मद्रास और उनके कर्मकार। तारीख 8/12/76	
8.	आई० ई० संख्या 65/76	प्रादेश संख्या एल० 12011/20/76 ई० II (ए) इंडियन बैंक, मद्रास और उनके कर्मकार। तारीख 10/12/76	
9.	आई० ई० संख्या 66/76	प्रादेश संख्या एल० 33012/4/76 ई० II(ए), मद्रास स्टीचिङ्डोर्स एसोसिएशन, मद्रास तथा उनके कर्मकार। तारीख 23/12/76	

1	2	3	4
10.	आई० डी० संख्या 1/77	आदेश एक संख्या एल० 12012/165/76 द्वी० II(ए) तारीख 24/12/76	कैरोलिन कीरियम बैंक लिमिटेड, त्रिचूर और उनके कर्मकार।
11.	आई० डी० संख्या 2/77	आदेश संख्या एल० 35012/2/76 द्वी० II(ए) मैमर्स पी० देवराजालू विजयपांडिंग एण्ड कलीरिंग हाउस, कोचीन और उनके कर्मकार।	
12.	आई० डी० संख्या 10/77	आदेश संख्या एल० 33012/1/72 पी० एफ डी० सी० राम० टी०/डी० II (ए) तारीख 28/1/77	मैमर्स पी० देवराजालू नायडू एण्ड सन, मद्रास और उनके कर्मकार।
13.	आई० डी० संख्या 11/77	आदेश संख्या एल० 12012/25/76 द्वी० II(ए) स्टेट बैंक आफ इंडिया, मद्रास तथा उनके कर्मकार। तारीख 29/1/77	
14.	आई० डी० संख्या 12/77	आदेश संख्या एल० 33012/5/76 द्वी० II(ए) मैमर्स पी० देवराजालू नायडू एण्ड सन, मद्रास और उनके कर्मकार। तारीख 1/2/1977	
15.	आई० डी० संख्या 22/77	आदेश संख्या एल० 29012/11/77 द्वी० III(बी) श्री भार० बेन्काटाचलमू, रेजिंग कंट्रैक्टर आफ पोम्बुमार तारीख 16/4/77	मैग्नेमाइट माइन्स और उनके कर्मकार।
16.	आई० डी० संख्या 25/77	आदेश संख्या एल० 12011/6/77 द्वी० II(ए) तारीख इंडियन बैंक मद्रास, और उनके कर्मकार। 21/4/77	
17.	आई० डी० संख्या 29/77	आदेश संख्या एल० 33012/1/77 द्वी० IV(ए) मद्रास स्टीविडोर्स एसोसिएशन और उनके कर्मकार। तारीख 19/5/77	
18.	आई० डी० संख्या 30/77	आदेश संख्या एल० 29011/34/76 द्वी० III(बी०) मैमर्स एसोसिएटेड सीमेट कारपोरेशन कम्पनी लिमिटेड तारीख 17/5/77	मालुकाराय और उनके कर्मकार।

[संख्या एल० 23025/2/77-दी० IV-बी]

भूपेन्द्र नाथ, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 30th August, 1977

S.O. 3442.—Whereas the industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before Shri T.N. Singaravelu, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras ;

And whereas the services of the said Shri Singaravelu are no longer available ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and sub-section (1) of Section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. Selvaratnam shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and withdraws the proceedings in relation to the said dispute pending before the said Shri T.N. Singaravelu, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which it is transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Sl. No.	Dispute No.	Reference	Name of the parties to the dispute
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	I.D. No. 14/75	Order No. L. 12011/14/74-LR. III, dt. 26-2-75.	The Indian Bank, Madras and their workmen.
2.	I.D. No. 66/75—	Order No. L. 29011/95/75/D.O. III. (B), dt. 11-8-75.	M/s. India Cements Ltd., Sankarnagar and their workmen.
3.	I.D. No. 18/76—	Order No. L. 29011/132/75-D. III(B), dt. 27-2-76.	Alambadi Lime Stone Mines and Chettinad Cement Corporation, Puliyur & their workmen.
4.	I.D. No. 56/76—	Order No. L. 33012(2)/76 D. IV(A), dt. 30-10-76.	Madras Stevedores Association, Madras-1 and their workmen.

1	2	3	4
5. I.D. No. 57/76—	Order No. L. 12011/34/76-D. IIA, dt. 30-10-76.	Indian Overseas Bank, Madras and their workmen.	
6. I.D. No. 62/76—	Order No. L. 33011(2)/76, D. IV A, dt. 3-12-76.	M/s. P. Devarajooloo Naidu & Son, Madras & their workmen.	
7. I.D. No. 64/76—	Order No. L. 11011(8)/75-D. IIB, dt. 8-12-76.	Indian Airlines, Madras and their workmen.	
8. I.D. No. 65/76—	Order No. L. 12011/20/76-D. IIA, dt. 10-12-76.	Indian Bank, Madras and their workmen.	
9. I.D. No. 66/76—	Order No. L. 33012(4)/76-D. IV(A), dt. 23-12-76.	Madras Stevedores Association, Madras and their workmen.	
10. I.D. No. 1/77—	Order F. No. L. 12012/165/76-D. II(A), dt. 24-12-76.	Catholic Syrian Bank Ltd., Trichur and their workmen.	
11. I.D. No. 2/77—	Order No. L. 35012(2)/76-D. IVA, dt. 24-12-76.	M/s. P. Devarajaloo Vijaya Shipping and Clearing House, Cochin and their workmen.	
12. I.D. No. 10/77—	Order No. L. 33012(1)/72-P & D/CHT/D.IV (A), dt. 28-1-77.	M/s. P. Devarajaloo Naidu and Son, Madras and their workmen.	
13. I.D. No. 11/77—	Order No. L. 12011/25/76-D. IIA, dt. 29-1-77.	State Bank of India, Madras and their workmen.	
14. I.D. No. 12/77—	Order No. L. 33012(5)/76-D. IVA, dt. 1-2-1977	M/s. P. Devarajooloo Naidu and Son, Madras and their workmen.	
15. I.D. No. 22/77—	Order No. L. 29012/11/77-D. IIIB, dt. 16-4-77.	Shri R. Venkatachalam, Raising Contractor of Ponkumar Magnesite Mines and their workmen.	
16. I.D. No. 25/77—	Order No. L. 12011/6/77-D. II-A, dt. 21-4-77.	Indian Bank, Madras and their workmen.	
17. I.D. No. 29/77—	Order No. L. 33012(1)/77-D. IV (A), dt. 19-5-77.	Madras Stevedores Association and their workmen.	
18. I.D. No. 30/77—	Order No. L. 29011/34/76-D. IIIB, dt. 17-5-77.	M/s. Associated Cement Corporation Companies Ltd., Madukkara and their workmen.	

[No. L-23025(2)/77-D-IV(B)].
BHUPENDRA NATH, Desk Officer.

New Delhi, the 18th October, 1977

S.O. 3443.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Shrimati Veronica D'Souza, Owner of Launch "William", Vasco-da-Gama (Goa) and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th October, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Camp—Panaji

Reference No.CGIT-2/7 of 1974

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Shrimati Veronica D'Souza, owner of launch "William", Vasco-Da-Gama (Goa).

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers—No appearance.

For the Workmen—Shri Mohan Nair, General Secretary, Goa Dock Labour Union, Vasco-da-Gama.

INDUSTRY : Port and Docks STATE : Goa, Daman & Diu.

The Government of India, in the Ministry of Labour acting under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication by its Order No. L-36012/6/73-P&D, dated 27-2-1974 :—

"Whether Shrimati Veronica D'Souza, Owner of launch "WillSam" Vasco-da-Gama (Goa), is justified in terminating the services of the workmen Shri Ramachandra Digambara Sawant, Launch Khalasi ? If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?"

On behalf of the workmen the Goa Dock Labour Union has filed a statement of claim stating that the workman herein was engaged as a Khalasi by Smt. Veronica D'Souza on her launch "William". He claims to have worked on that Launch for a continuous period of one year ending with the date of termination of his service on 12-8-1973. The workman complains that his services were orally terminated on 12-8-1973 without assigning any reason whatsoever or serving any notice of termination. He addressed the letter dated 16-8-1973 to the owner to reinstate him in service with full back wages and with continuity of service. Thereafter the Goa Dock Labour Union representing the workman addressed a letter dated 11-9-1973 to the Assistant Labour Commissioner (Central), Vasco-da-Gama requesting him to intervene in the matter. The AIC(C), Vasco-da-Gama took up the matter in conciliation and issued notices to both the parties to appear before him. The parties accordingly appeared before the Conciliation Officer but the efforts at conciliation failed. On submission of the failure of

Conciliation report dated 7-11-1973, the Government of India referred the dispute to this Tribunal. The workman prays for reinstatement with continuity of service with back wages on the ground that the termination of his service was illegal.

The Launch Owner filed a written statement stating that the workman was engaged by her for the first time on 1-3-1973 on a temporary basis. As the workman was rendered surplus to the requirement of the management she had no other alternative but to terminate his services with effect from 12-8-1973 on which date all his dues were settled in full. She submits that she could not reply the letter written by the workman complaining of illegal termination of service for want of his correct address. She submits that before the Assistant Labour Commissioner (C), Vasco da Gama she submitted that the workman should be called upon to substantiate his case but the Union and the Assistant Labour Commissioner (C) Vasco da Gama failed to produce the workman. Therefore the conciliation proceedings ended in failure. She submits that as the services of the workman were found to be surplus he had to be discharged and that her action was perfectly justified. She prays that this reference may be rejected for the foregoing reasons.

The Goa Dock Labour Union filed a rejoinder to this written statement of the management denying the averment that the workman was engaged for the first time on 1-3-1973 on the Launch "William". They reiterated the averment that by the date of discharge viz. 12-8-1973 the workman had put in one year's continuous service. They further allege that the discharge of the workman from service is by way of victimisation.

The owner filed a rejoinder to the rejoinder filed by the workman denying the averments made therein.

The notice of hearing date at Panaji on 19-9-1977 was served on the party on 9-9-1977. On 19-9-1977 the Owner or her counsel was not present. The matter was therefore adjourned to 22-9-1977 to give the party another opportunity of appearing before this Tribunal. As she did not attend on 22-9-1977 the case was heard ex parte.

In support of his case the workman examined himself as WW-1. He spoke to the various averments made in the course of his statement of claim. According to him, he was getting Rs. 130/- per month as salary and Rs. 40/- on an average as night trip allowance at the rate of Rs. 2/- per trip. He further stated that after his services were terminated by the Owner he has been earning his livelihood by fishing. He declares that he did not want reinstatement in service in view of the fact the relations between him and the employer are very much strained. He prays for payment of adequate compensation for wrongful termination of his service. He complains that he was not given the pay scale as per the terms of the Award given by the Arbitrator Shri F. C. R. Machado. He prays that he may be paid the difference in wages between the rate payable under the Machado award and the wages actually paid to him.

The points that arise for consideration are :—

- (1) Whether the termination of the services of the workman Shri Ramchandra Digambara Sawant, Launch Khalasi is justified ?
- (2) If not to what relief is he entitled to ?

Point 1 :

The workman alleges that his services were terminated with effect from 12-8-1973 orally without assigning any reason whatsoever. He also submits that by the date of termination of his service, he had put in a continuous period of not less than one year's service under the owner Smt. Veronica D'Souza. The owner in her written statement contends that the workman was employed for the first time on her Launch "William" on 1-3-1973 and not earlier as contended by the workman. She also submits that as this workman was found surplus he had to be discharged from service. According to her the certificate issued by the Captain of the Port fixed the crew strength at four only. The workman herein being the fifth she found him to be

100 G I/77—7

surplus and removed him from service. In the absence of any evidence forthcoming from the owner in the shape of a letter of appointment or muster roll, her contention that she engaged the workman herein for the first time on 1-3-1973 on her Launch "William" cannot be accepted. The evidence of the workman that he was working on the Launch for a period of one year has to be accepted. Regarding the next contention that the workman herein was found surplus every Launch must be having a Khalasi. There is no evidence to show how many Khalasis were there on the Launch "William" besides WW-1 by the date 12-8-1973 on what basis she happened to discharge the workman herein and not the other Khalasis. That is whether on the principle of "last come first go" or for the reason she found his services unsatisfactory. In the absence of such evidence it must be held that the termination of the services of the workman herein without assigning any reason whatsoever cannot be considered to be justified.

Point 1 held against the owner and in favour of the workman

Point 2 :

In view of the above finding it follows that the workman is entitled to some relief. Before the Assistant Labour Commissioner (C) Vasco-da-Gama and in the claim statement before this Tribunal the workman prayed for reinstatement. During the course of his evidence he preferred compensation in lieu of reinstatement, in view of the strained relations between him and the owner of the Launch. As the workman was in the owner's service only for one year I feel that payment of four months wages will be adequate compensation inclusive of retrenchment compensation and notice pay. Shri Mohan Nair, for the workman contends that the workman is entitled to a compensation at 50 per cent of the wages from the date of termination till the date of reference. I do agree. The workman in the course of his evidence stated that on the date of termination of his service, he was being paid Rs. 130/- per month besides Rs. 40/- per month on an average at the rate of Rs. 2/- per trip as Night Trip Allowance. On this basis he will be entitled to a round figure of Rs. 700/-.

The workman in the course of his evidence stated he is entitled to difference in wages between the rates at which he is entitled to as per the Award of the Arbitrator Shri F. C. R. Machado and at the rate he was actually paid. He did not claim this relief before the Conciliation Officer i.e. Assistant Labour Commissioner (C) Vasco-da-Gama, or in his statement of claim. In the circumstances this relief cannot be granted.

Point 2 found accordingly.

In the result this reference is answered as follows :—

- (1) The termination of the services of the workman Shri Ramchandra Digambara Sawant, Launch Khalasi by Srimati Veronica D'Souza, Owner of Launch "William" is not justified.
- (2) The workman Shri Ramchandra Digambara Sawant is entitled to claim a sum of Rs. 700/- representing four month's wages by way of compensation which is inclusive of notice pay and retrenchment compensation, for wrongful termination of his services.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L-36012(6)/73-P&D/D.IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

S.O. 3444.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kharkhars Colliery of Messrs Bhulat Coking Coal Limited, Post Office Maheshnur, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th October, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference No. 61 of 1977

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

[Ministry's Order No. L-20012/273/75-D.III(A), Dated 25-5-1976]

PARTIES :

Employers in relation to Kharkharee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kharkharee, Distt. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. P. Singh, the representative of the management.

For the Workman—Shri J. D. Lall, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 1st October, 1977

AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act referred the following dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal cum-Labour Court (No. 2), Dhanbad, by its Order No. L-20012/273/75-D.III(A) dated 25-5-1976, namely, whether keeping in view the nature of duties performed by Shri Saligram Mishra, the action of the management of Kharkharee Colliery in not placing him in Grade II (Clerical) as per recommendations of the Central Wage Board for Coal Mining Industry is justified; If not, to what relief is he entitled and from what date?

2. The reference was received by transfer from Tribunal No. 2 in this Tribunal on March 22, 1977 under the order of the Government of India, Ministry of Labour, No. S-11025 (1)77-(i)/D. IV(B) dated 22-2-1977.

3. The Management and the Vice-President of the Bihar Colliery Kamgar Union filed a settlement on September 26, 1977 whereby they have composed their difference and dispute amicably. The settlement is signed by R. K. Yashroy, the General Manager and by R. N. Singh, Vice-President of the Union and their signatures thereon have been verified by Sri J. D. Lall, learned counsel for the Union and by S. P. Singh, the representative of the management. The Settlement is Annexure I.

4. Award is given in accordance with the Settlement which will form part of the award.

KUNJ BEHARI SRIVASTAVA, Presiding Officer

ANNEXURE I

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.

In Reference No. 61 of 1977, New Reference No. 24/76 old.

Employers in relation to Kharkharee Colliery of M/s Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kharkharee, Distt. Dhanbad.

AND

Their workmen.

Joint petition for compromise settlement

The humble petitioners, on behalf of the parties above-named most respectfully beg to state:—

1. That the parties agree that Shri Saligram Mishra would be designated as Dispensary Clerk and would be paid starting

basic of Clerical Grade-III wages i.e. Rs. 330 basic per month effective from the day he is working as Dispensary Clerk.

2. That Shri Saligram Mishra would be paid difference of clerical Grade-II wages for the period he had worked as Attendance Clerk.

3. That the arrear payment arising in terms of Item No. 281 of settlement would be made available to Shri Saligram Mishra within one month from the date of filing the settlement.

4. It is agreed that parties shall have no further claim whatsoever against each other in this account and the present dispute stands finally and fully resolved as a result of this settlement.

The humble petitioners pray that Hon'ble tribunal may be pleased to accept the settlement and pass an award in terms thereof.

FOR MANAGEMENT

(R. K. YASHROY),
General Manager

FOR WORKMAN

(R. N. SINGH),
Vice President B.C.K.U

Dated : 26-9-1977

KUNJ BEHARI SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-20012/273/75-D. III(A)]

New Delhi, the 24th October, 1977

S.O. 3445.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ganhoodih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 7th October, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD.

Reference No. 8 of 1976

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ganhoodih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri G. Prasad, Advocate.

On behalf of the Workman—Shri B. K. Lath, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, 28th September, 1977

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, (hereinafter called the Act) by the Government of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/178/75-D. IIIA, dated the 20th January, 1976. The schedule of reference is given below:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ganhoodih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office, Jharia, District Dhanbad in dismissing the services of Shri P. D. Rai, Munshi with effect from 4th July, 1975 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The dismissal of Shri P. D. Rai, Munshi of Ganhoodih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, with effect from 4th July, 1975, is for adjudication.

3. The management raised preliminary point regarding the fairness and propriety of the domestic enquiry conducted against the concerned workman and that point was decided on 9-5-77 wherein it was found that the enquiry had been quite just and proper and the principles of natural justice had been followed throughout. At present we are concerned only with the quantum of punishment under Section 11A of the Act.

4. Demand was made by the United Coal Workers Union and the same Union raised the industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central), Dhanbad-II when conciliation proceeding started. On its failure a report was submitted on 30th August, 1975, to the Government of India when the present reference was made.

5. I need not repeat the case of the parties concerning the domestic enquiry as that matter now is concluded. Over and above the same, it is said on behalf of the workman that representations were made orally as well as in writing which were refused by the management.

6. It is contended that action of the management is invalid as the dismissal letter has been issued after more than six months of the enquiry report. It is further said that the concerned workman was kept under suspension for more than 9 days which was in gross violation of the certified Standing Orders and it indicates victimisation. Contention further is that the punishment is disproportionate to the act of misconduct.

7. On behalf of the employers it is said that there was no element of victimisation in the entire transaction and there was no evidence of any unfair labour practice by the management. The order of dismissal was on account of serious misconduct which was satisfactorily established. As the position stands, the punishment is quite proper and it does not require any interference by the Tribunal.

8. Although in the domestic enquiry the workman had examined himself Shri B. K. Lath, Advocate, appearing on his behalf was very much insistent to examine him again. In fact there was no scope for his examination here, even then it was permitted so that the workman may not have any grievance that his evidence had been shut. But I will consider his evidence only to the extent of his allegation regarding victimization and certainly those statements will also be taken into consideration which are relevant for our purpose having been taken in cross-examination.

9. Shri Lath also insisted to examine Shri S. K. Rai, a trade unionist. This witness was not summoned by the workman during the domestic enquiry. I will consider his evidence also only on the point of victimization and nothing else.

10. The management has filed all those documents which were produced before the Enquiry Officer during the course of enquiry and which were marked as Exts. by that Officer. This perhaps has been done to meet my observation in the order that documents relied upon by the Enquiry Officer had not been produced in the Tribunal.

11. Ext. 20, report of the preliminary enquiry which was conducted by Shri Y. P. Keshari whereafter charge sheet were issued, was produced before the Enquiry Officer but not here. This point was urged before me in the course of arguments on the preliminary point and I had mentioned therein that it was not necessary to produce that paper in the Tribunal and the enquiry report could not be said to be vitiated on that ground unless it was found that the delinquent workman had no occasion to cross-examine the witness with respect to that paper. Shri Keshari was examined before the Enquiry Officer and there was enough opportunity to the delinquent workman to cross-examine him with respect to it. That being the position, now at the final stage it is not open to the concerned workman to take any exception to it, particularly when I find that the enquiry report in pursuance of which he had been dismissed did not rely solely on that report. Therefore, non-filing of that report here even at present cannot be a ground of complaint. On this point I may refer to the case of Fire Stone Tyre & Rubber Co. Ltd. vs. their workman reported in 1967 (2) L.L.J. 715.

12. Learned Advocate for the workman has contended that although there were two charge-sheets, Ext. M-1 and M-3 dated 23-1-75 and 3-2-75, respectively, there was a joint enquiry and both the charge sheets are vague. His contention is that in such a circumstance if the management conducted the replies Ext. M-2 dated 27-1-75 and Ext. M-4 dated 6-2-75 unsatisfactorily it can very well be said that they could not have done so validly.

13. In this connection he has further contended that there is no mention in the chargesheet that the delinquent workman was in collusion with the Bill Clerk but the Enquiry Officer has said that he was so.

14. Proceeding further in his argument he has submitted that no notice had been served on the delinquent workman regarding the enquiry with regard to the second charge-sheet and, therefore, the Enquiry Officer had no right to conduct the enquiry.

15. All these points had been raised before me during the hearing on the preliminary point and I had given my findings. In paragraph 6 of my order I had considered the two charge-sheets Ext. M-1 and Ext. M-3 and their respective replies, Ext. M-2 and Ext. M-4. In paragraph 13, I had said that in the charge-sheet given to the delinquent workman all necessary particulars had been mentioned and in paragraph 6 I had further said that relevant clauses of the certified Standing Orders also had been given there and materials which were enough to enable him to meet the charges leveled against him. In paragraph 8 I had considered about the notice and I had said that the Enquiry Officer had given notice to him, and if it was not on record of the Tribunal, that by itself could not be fatal. I had said further that when he was present on each and every date of the enquiry it was enough to show that he had notice and, therefore, no prejudice was caused to him.

16. Then I find that Shri Rai has stated in his evidence here that in both the charge-sheets allegations were similar and he has no paper to show that he had requested the management to hold enquiry separately. If there was no such request and charges were of similar nature, two separate enquiries were not called for and it cannot be said that any prejudice has been caused to him. Therefore, as the position stands the Enquiry Officer was justified in holding joint enquiry for the two charges.

17. Arguments of Shri Lath regarding the absence in the charge-sheet of collusion is based on misconception regarding the statement of Shri Y. P. Keshari before the Enquiry Officer. He has contended that if he found no cutting or over-writing in the Munshi's report the same must have been done by the Bill Clerk and according to him this should have been included in the charge-sheet. In view of my order on the preliminary point it is not at all necessary to consider it but to dispel any doubt in the mind of Shri Lath I would refer to the statement of Shri Keshari wherein an answer to a question he had said that he had circled the figures in the Munshi's report and except the same that there were no over-writing or cutting anywhere else. The first Charge-sheet was with respect to over-reporting of tubs and the second was concerning false booking of tubs. They were the main charges against him and evidence was led to substantiate the same. Overwriting and cutting were only one aspect of the matter and not the sole one. Therefore, if over-writing and cutting were not detected it cannot be said that the report is perverse.

18. The Enquiry Officer in his report has mentioned about the over-writing and cutting in the bills and not in the Munshi's raising report and the same has nothing to do with the charges which were issued to the concerned workman. Therefore, the argument has no leg to stand.

19. Shri Lath has contended that materials before the Enquiry Officer were not enough to justify his conclusion that there was over-reporting of tubs in the weeks ending as mentioned in Ext. M-1 and false booking of tubs in the names of miners who were absent as mentioned in the chargesheet Ext. M-3. The Munshi raising reports which are on record will show the over-reporting and those reports are with respect to weeks ending 7-12-74, 14-12-74, 21-12-74 and 11-1-75. Attendance Registers which are also on record with respect to weeks ending 11-1-75, 7-12-74, 14-12-74 and 21-12-74 will show that although the miners were absent

tubs were booked in their names. Faquira Mochi, Rasid Khan, Kedar Das, Annach Singh, Nawab Mia, Latti Mudi, Luli Mounda, Jagdish Bhawan, Tulsi Sao and Bishun Sao are the miners who were absent but the concerned workman booked two in their name as a result of which in the wage-sheets which are on records wages were noted in their name. Therefore, it cannot be said that materials were inadequate for the Enquiry Officer to arrive at a conclusion of fraud and misappropriation. When there were documents to prove the charges, it was not necessary to examine these miners with respect to whom there were over-reporting and false booking of tubs. Their examination was not at all necessary in the circumstance.

20. To me it appears that the criticism made by Shri B. K. Lath are not at all justified and I having found that the enquiry was just and proper it was not open to him to raise these points at the time when the hearing was only regarding the quantum of punishment. There are several cases in which the sanctity to be attached to the domestic enquiry had been considered by their Lordships of the Supreme Court and they have laid down the scope of interference by the Tribunal. In the case of Hind Construction and Engineer Co. Ltd. Vs. workmen reported in 1965(II) L.I.J. 462 this point was raised and disposed of by their Lordship and they also gave their opinion on this point in the case of Tata Oil Mills and Others Ltd., Vs. their workmen reported Balipara Tea Estate Vs. workmen reported in Vol. 5 S.C.L.J. 2999 and to the case of Sut Anamal and Stamping Works Ltd. Vs. their workmen reported in 1963 (II) L.I.J. 3674. They have laid down that where there is a proper enquiry the Tribunal would not be entitled to consider the propriety or correctness of the conclusion reached by the Enquiry Officer. The Tribunal can interfere only when there is lack of bona-fide, there is victimization and unfair labour practice or if there is basic error on point of fact and the finding is perverse. It can also interfere when natural justice is violated and the procedure adopted by the Enquiry Officer is so perverted as to be no enquiry at all. If none of these is established finding is binding. In the instant case I have already come to the conclusion that the enquiry was fair and proper and the principles of natural justice had been followed. Nothing has been shown that there is lack of bona-fide on the part of the management. So far victimization is concerned WW-1 has stated that he is an active member of the Union and as he refused to detain miners after the shift that annoyed the management. He has also refused to issue measurement slips to the miners on the ground that it was no part of his duties. But I find that there is no material to show that he was an active member of the Union. Even if he was a member that did not give him a licence to commit misconduct. No paper has been produced to show that any complaint was made to the management regarding the detention of miners after the shift was over and similarly there is nothing to indicate that he refused to issue the measurement slips and that it was no part of his duty. In the evidence of WW-2 there is nothing to the effect that he has been victimized. According to Shri Lath the fact that order of suspension was not lifted after 9 days was enough to indicate victimization. That by itself will not establish victimization in the absence of any substantial material on the point. As to why suspension was not lifted cannot be a matter of speculation and question should have been put to the management witness to explain it. Then there is no material on the point that the concerned workman ever took any step for the lifting of suspension and for the payment of wages. Therefore there is no materials for a conclusion that there was victimization of the concerned workman by the management and that there was any sort of unfair labour practice.

21. I have already found that there is no error in the report of the enquiry and on point of fact finding is not perverse.

22. That being the position, I do not find it possible to interfere with the finding of the Enquiry Officer and to hold otherwise on the basis of the arguments raised by Shri Lath.

23. Let us now take up the question of quantum of punishment. In the case of East India Hotel and their workmen reported in Vol. II S.C.L.J. 291, their Lordships laid down the principles that once the misconduct is proved punishment imposed cannot be interfered with except in cases where it is harsh and oppressive. In the instant case the delinquent

workman has been found guilty of very serious misconduct and I do not think the punishment of dismissal inflicted upon him is disproportionate to the misconduct committed. Any lesser punishment could not have been adequate in the circumstances. By no stretch of reasoning it can be said to be harsh and oppressive. Similarly, if there has been delay in awarding the punishment that cannot be a ground to set aside the order. In this connection I may refer to the case of Municipal Corporation, Greater Bombay and B.R.S.T. Workers reported in Vol. 10 S.C.L.J. 27.

23. As the position stands there is no material for interference under Section 11A of the Act and I find that the action of the management of Ganhoodih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jhurja, District Dhanbad in dismissing the services of Shri P. D. Rai, Munshi, with effect from 4th July, 1975, is justified and he is entitled to no relief.

This is my award.

S. R. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012/178/75-D. III. A]

S.H.S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 28th October, 1977

S.O. 3446.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Gujarat in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Amreli and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th October, 1977.

BEFORE SHRI R. C. ISRANI, PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL

Reference (IT-C) No. 7 of 1976

ADJUDICATION

BETWEEN

Punjab National Bank, Amreli.

First Party.

AND

The workmen employed under it.

Second Party.

In the matter termination of services of Shri D. K. Maru.

AWARD

This is a reference made by the Government of India under the provisions of Section 7A read with clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide the Ministry of Labour's Order No. S.O. dated 1st September, 1976, in respect of an industrial dispute which has arisen between the parties viz. the Punjab National Bank, Amreli and the workmen employed under it. The dispute was at first referred for adjudication to the Industrial Tribunal (c) consisting of Shri M. U. Shah but thereafter vide the Government of India, Ministry of Labour's Order No. S.O. dated 27-8-1977, the reference has been transferred to this Tribunal.

2. The dispute as it appears from the schedule attached to the original order under which this reference has been made, relates to the demand which is as under :—

"Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Amreli (Distt. Amreli) in terminating the services of Shri D. K. Maru, Peon with effect from 18-7-75 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

3. Before this reference could be heard on its merits and finally decided, it is gratifying to note that the parties have arrived at an amicable settlement. In this connection the Manager of the Bank, presented the application Ex. 6 on 30th August, 1977 and along with that application he also presented the settlement Ex. 7. This settlement is signed by

the Regional Manager of the Punjab National Bank and on behalf of the Union representing the workmen in general and the concerned workman in particular, the settlement has been signed by the General Secretary of the Union. I have gone through the terms of the settlement and have also scrutinised them against the background of the demand covered by reference. On such scrutiny, I am of the opinion that the settlement is quite fair and just and it is also in the interest of the concerned workman. There would, therefore, be no difficulty in recording that settlement.

4. It is, therefore, hereby directed that the award in this reference be made in terms of the settlement Ex. 7 which is appended hereto as Annexure "A".

R. C. ISRANI, Presiding Officer

M. P. BAROT, Secretary,

Ahmedabad, 30th September, 1977.

ANNEXURE "A"

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD.

Reference ITC No. 7/76

BETWEEN

The Management of Punjab National Bank, Regional Manager's Office; Gujarat Region, Ahmedabad—Employer.

AND

Its workmen represented by Gujarat Bank workers, Union, Rajkot—Opposite Party.

The parties to the above dispute beg to submit as under:—

1. That the following dispute has been referred for adjudication to this Hon'ble Tribunal.

"Whether the action of the management of Punjab National Bank, Ameril (Distt. Ameril) in terminating the services of Shri D. K. Maru, Peon, with effect from 10-7-1975, is justified; If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. That the parties to the dispute have already filed their written statement of claim.

3. That the matter has been discussed mutually between the parties and it has been decided to compromise the same on the following terms and conditions:—

- (a) That Shri D. K. Maru shall be appointed as a probationer in the subordinate cadre with composite designation in the next available vacancy of sub-staff in any of the bank's offices in Gujarat, preferably in Saurashtra.
- (b) That Shri Maru shall not be entitled for any wages or any other benefit for the temporary service put in by him.
- (c) That this is in full and final settlement of all the demands of the employee as well as the Union in respect of temporary service put in by him.

It is prayed that a 'No Dispute Award' be passed accordingly.

For Gujarat Bank Workers Union

Sd/-

General Secretary

For Punjab National Bank.

Sd/-

Regional Manager

R. C. ISRANI, Presiding Officer.

[F. No. L-12012/70/76-D. II.A]

JAGDISH PRASAD, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बंकिंग विभाग)

(राजस्व वक्त)

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1977

आय-क्र

क्रा० प्रा० 3447.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "एन्ट्रीटिक सैनिक बीमा स्कीम नियम" को नियरिंग वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोगनार्थे अधिसूचित करती है।

[सं० 1721/का० सं० 197/22/76-प्रा०क० (प० 1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Banking

(Revenue Wing)

New Delhi, the 14th April, 1977

INCOME TAX

S.O. 3447.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Army Group Insurance Scheme Fund" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1721/F. No. 197/22/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 26 मई, 1977

क्रा० प्रा० 3448.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "बिर्ला शिक्षा न्याम पिलानी" को नियरिंग वर्ष 1973-74 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोगनार्थे अधिसूचित करती है।

[सं० 1781/का० सं० 197/6/76-प्रा०क० (प० 1)]

New Delhi, the 26th May, 1977

S.O. 3448.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Birla Education Trust, Pilani" for the purposes of the said section for and from the assessment year(s) 1973-74.

[No. 1781/F. No. 197/6/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 6 जून, 1977

क्रा० प्रा० 3449.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'वल्ड बाइल्ड वाइल्ड फंड इण्डिया, बांग्ले' को नियरिंग वर्ष 1969-70 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोगनार्थे अधिसूचित करती है।

[सं० 1810/का० सं० 197/21/77-प्रा०क० (प० 1)]

New Delhi, the 6th June, 1977

S.O. 3449.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'World Wildlife Fund India, Bombay' for the purpose of the said section for and from the assessment year 1969-70.

[No. 1810/F. No. 197/21/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 9 जून, 1977

का०आ० 3450.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “श्री सम्मानम चौलटी, पीठापुरम” की निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म० 1813/का०स० 197/153/76-प्रा०क० (प० 1)]

New Delhi, the 9th June, 1977

S.O. 3450.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Sammnam Choultry, Pithapuram” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1975-76.

[No. 1813/F. No. 197/153/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 13 जून, 1977

का०आ० 3451.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “कायमर गाइडल्स सोसाइटी आफ इण्डिया, वर्मर्ड” की निर्धारण वर्ष 1970-71 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म० 1816/का०स० 197/14/77/प्रा०क० (प० 1)]

New Delhi, the 13th June, 1977

S.O. 3451.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Consumer Guidance Society of India, Bombay” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1970-71.

[No. 1816/F. No. 197/14/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 23 जून, 1977

का०आ० 3452.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “मध्य प्रदेश राज्य जल प्रदूषण निवारण और नियंत्रण बोर्ड, भोपाल” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1833/का०स० 197/138/76-प्रा०क० (प० 1)]

New Delhi, the 25th June, 1977

S.O. 3452.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “M.P. State Prevention & Control of Water Pollution Board of Bhopal” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1833/F. No. 197/138/76-IT(AI)]

का०आ० 3453.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “सेन्टर फार्मस्टडी आफ इवलपिंग सोसाइटीज, दिल्ली” को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म० 1831/का०स० 197/167/76-प्रा०क० (प० 1)]

S.O. 3453.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Centre for the Study of Developing Societies” Delhi, for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77

[No. 1834/F. No. 197/167/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 30 जून, 1977

का०आ० 3454.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इण्डियन सेक्यूरिटी, वियोगांकित नामांश्ची, शासनमी’ की निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म० 1844/का०स० 197/12/77-प्रा०क० (प० 1)]

New Delhi, the 30th June, 1977

S.O. 3454.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Indian Section, The Theosophical Society, Varanasi” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1844/F. No. 197/12/77-IT(AI)]

का०आ० 3455.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “वियोगांकित सोसाइटी, अद्यार” की निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म० 1845/का०स० 197/64/77-प्रा०क० (प० 1)]

S.O. 3455.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Theosophical Society, Adyar” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1977-78.

[No. 1845/F. No. 197/69/77-IT(AI)]

का०आ० 3456.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “एनी बेसेन्ट इस्ट, मुम्बई” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1846/का०स० 197/54/77-प्रा०क० (प० 1)]

S.O. 3456.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Annie Besant Trust, Bombay” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1978-79.

[No. 1846/F. No. 197/54/77-IT(AI)]

का०आ० 3457.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “नेशनल स्पारिंग कॉमिल वर्मर्ड” की निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म० 1848/का०स० 197/3/77-प्रा०क० (प० 1)]

S.O. 3457.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Sponsorship Council, Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1848/F No. 197/3 77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1977

का०प्रा० 158—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इण्डियन स्पायरिंग कमटी, मुम्बई" को उक्त धारा के प्रयोगनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[मा० 1876/का०मा० 197/175/76-प्रा०क० (पा० 1)]

New Delhi, the 16th July, 1977

S.O. 3458.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "India Sponsorship Committee, Bombay" for the purposes of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77

[No. 1876/F. No. 197/175/76-IT(AI)]

का०प्रा० 3459—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "बै० डी० टी० इस्लाम आरफ़नज 'कमटी, कोझिकोड'" को निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है।

[मा० 1877/का०मा० 197/81/77-प्रा०क० (पा० 1)]

S.O. 3459.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "I.D.T. Islam Orphanage Committee, Kozhikode" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 1877/F. No. 197/81/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1977

का०प्रा० 3460—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "द नेशनल स्कूल फार ब्लाइंड (राष्ट्रीय नेशनल स्कूल)" को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोगनार्थ अधिसूचित करती है।

[मा० 1884/का०मा० 197/44/77-प्रा०क० (पा० 1)]

New Delhi, the 21st July, 1977

S.O. 3460.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The National Association for the Blind" for the purposes of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 1884/F. No. 197/44/77-IT(AI)]

का०प्रा० 3461—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "पॉडिसेरी पुलिस अधिकारिया स्कीम पॉडिकोरी" को उक्त धारा के प्रयोगनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए ज्ञात उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[मा० 1887/का०मा० 197/139/76-प्रा०क० (पा० 1)]

S.O. 3461.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Pondicherry Police Superannuation Scheme, Pondicherry" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1887/F. No. 197/139/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1977

का०प्रा० 3462—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "हिंडियन डेंरी कारपोरेशन" को उक्त धारा के प्रयोगनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[मा० 1892/का०मा० 197/102/77-प्रा०क० (पा० 1)]

New Dehli, the 26th July, 1977

S.O. 3462.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Dairy Corporation" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 189/F. No. 197/102/77-IT(AI)]

शुद्धि-पत्र

का०प्रा० 3463—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (2-ट) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्रामीण अधिसूचना संख्या 1846 (का०स० 197/54/77 आई०टी० (पा० 1) नारीख 30-6-77 से निम्नलिखित समीक्षन करती है अर्थात् —

"एनी बेसेन्ट इस्ट, मुम्बई"

के स्थान पर,

"एनी बेसेन्ट इस्ट, मद्रास"

पर।

[मा० 1893/का०मा० 197/54/76-प्रा०क० (पा० 1)]

CORRIGENDUM

S.O. 3463.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby amends its Notification No. 1886 (F. No. 197/54/77-IT(AI) dated 30-6-77) as below :—

1. *"The Annie Besant Trust, Bombay".*

Read "The Annie Besant Trust, Madras".

[No. 1893/F. No. 197/54/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1977

का०प्रा० 3464—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित निश्चयों को उक्त धारा के प्रयोगनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए अधिसूचित करती है, अर्थात् —

(1) सैनिक अधिकारी उपकर निधि,

(2) सैनिक केन्द्रीय कल्याण निधि।

[मा० 1915/का०मा० 197/71/77 आई टी (पा० 1)]

New Delhi, the 3rd August, 1977

S.O. 3464.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the following funds for the purposes of the said section for and from the assessment years(s) 1976-77:—

(i) Army Officers' Benevolent Fund, (ii) Army Central Welfare Fund."

[No. 1915/F. No. 197/71/77-IT(AD)]

क्र० आ० 3465:—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अन्त (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "समाजिक सोसाइटी, पलाई" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निधारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1920/का०स० 197/33/76-आ० क० (प० १)]

नई दिल्ली, 4 अगस्त 1977

New Delhi, the 4th August, 1977

S.O. 3465.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Samaritan Society, Palai" for the purposes of the said section for and from the assessment year 1972-73.

[No. 1920/F. No. 197/33/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1977

क्र० आ० 3466:—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अन्त (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "नेशनल फाउण्डेशन फॉर टीचर्स वीलफेर, नई दिल्ली" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निधारण वर्ष 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1924/का०स० 197/181/76-आ०क० (ए० १)]

New Delhi, the 11th August, 1977

S.O. 3466.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Foundation for Teachers Welfare New Delhi" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1924/F. No. 197/181/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1977

क्र० आ० 3467:—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अन्त (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "एशियन हंस्टीच्यूट फॉर रुरल डेवलपमेंट, बंगलोर" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निधारण वर्ष 1977-78 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[स० 1944/का० स० 197/173/76-आ०क० (ए० १)]

New Delhi, the 29th August, 1977

S.O. 3467.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Asian Institute for Rural Development Bangalore" for the purposes of the said section and from the assessment year 1977-78.

[No. 1944/F. No. 197/173/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1977

क्र० आ० 3468:—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अन्त (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "नाफेरसे बेसरेस फॉर सोसाइटी ऑफ बॉम्बे" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निधारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1958/का० स० 197/55/77-आ० क० (प० १)]

New Delhi, the 5th September, 1977

S.O. 3468.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Seafarers Welfare Fund Society, Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 1958/F. No. 197/55/77-IT(AI)]

क्र० आ० 3469:—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अन्त (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "एस ओस चिन्हित विलेज आइनिंग्स, नई दिल्ली" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निधारण वर्ष 1976-77 से 1979-80 तक के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1960/का० स० 197/95/77-आ० क० (प० १)]

S.O. 3469.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "SOS Children Village of India, New Delhi" for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1976-77 to 1979-80.

[No. 1960/F. No. 197/95/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1977

क्र० आ० 3470:—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अन्त (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "केसर फाउण्डेशन, दिल्ली" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निधारण वर्ष 1976-77 और 1977-78 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1963/का० स० 197/185/76-आ० क० (ए० १)]

New Delhi, the 12th September, 1977

S.O. 3470.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Cancer Foundation, Delhi" for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1976-77 and 1977-78.

[No. 1963/F. No. 197/185/76-IT(AI)]

क्र० आ० 3471:—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के अन्त (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बॉम्बे" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निधारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[म० 1964/का० स० 197/160/76-आ० क० (प० १)]

S.O. 3471.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Asiatic Society of Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 1964/F. No. 197/160/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1977

का० आ० 3472.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “नौ सेना अधिकारी—पनी संगठन, नई दिल्ली” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1980/का० सं० 197/53/77-आ० क० (प।)]

New Delhi, the 20th September, 1977

S.O. 3472.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Naval Officers’ Wives Association, New Delhi” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 1980/F. No. 197/53/77-IT(AI)]

का० आ० 3473.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “महाराष्ट्र राज्य महिला परिषद् भूम्बह” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1983/का० सं० 197/84/77-आ० क० (प।)]

S.O. 3473.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies “Maharashtra State Women’s Council, Bombay” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977.

[No. 1983/F. No. 197/84/77-IT(AI)]

का० आ० 3474.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “मीमन्म वेलफेर एसोशिएशन, कलकत्ता” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1971-72 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1986/का० सं० 197/82/77-आ० क० (प।)]

S.O. 3474.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Seamen’s Welfare Association, Calcutta” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1971-72.

[No. 1986/F. No. 197/82/77-IT(AI)]

का० आ० 3475.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “इंडियन इन्टरनेशनल सेल्टर, नई दिल्ली” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 और 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1987/का० सं० 197/63/77-आ० क० (प।)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

S.O. 3475.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “India International Centre, New Delhi” for the purpose of the said section for the assessment years 1975-76 and 1976-77.

[No. 1987/F. No. 197/63/77-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जून, 1977

का० आ० 3476.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए “केरल टोड्डी वर्कर्स बेलफेर फड़ बोर्ड ट्रिवन्द्रम” को निर्धारण वर्ष 1970-71 के लिए श्रोत्र से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1828/का० सं० 197/162/76 आ० क० (प।)]

जे०पी०शर्मा अवर सचिव (एम०शास्त्री०)

New Delhi, the 18th June, 1977

S.O. 3476.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Kerala Toddy Workers’ Welfare Fund Board, Trivandrum” for the purpose of the said section for and from assessment year 1970-71.

[No. 1828/F. No. 197/162/76-JT(AI)]

J. P. SHARMA, Dy. Secy.

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली 31 अक्टूबर 1977

स्टाम्प

का० आ० 3477.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 20 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आ० 20 अगस्त 1977 को भारत के राजपत्र के भाग-iii, खाते के 3 उप खण्ड(iii) के पृष्ठ 2798 पर प्रकाशित, भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 26 जून 1977 की अधिसूचना सं० 17/स्टाम्प/का० सं० 3.3/377 चि० क० (का० आ० सं० 2592) को अधिकाल करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा स्टाम्प शक्ति की मंगणना के प्रयोजनों के लिए, नीचे की सारणी के स्पष्ट (2) में विनिदिष्ट विवेशी मुद्रा में समारिकर्त्ता के लिए अनियम की दर उसके स्पष्ट (3) में तत्प्रवर्ती प्रविधियों में विहित करती है।

सारांश

क्रम	विवेशी मुद्रा	100 रु० के समतुल्य विवेशी मुद्रा के विनियम की दर
1	2	3
1.	.	187
2.	आर्टेलियन डालर]	10.16
3.	बैंग्यियम फैक	402
4.	कनाडियन डालर	12.11
5.	डेनिश क्रोनर	69.70
6.	इत्यो मार्क	26.30
7.	इच्च गिल्डर	27.90
8.	फैन फैक	55.60
9.	हांग कांग डालर	52.70

1	2	3
10. इटालियन लीरा	.	9990
11. जापानी येन	.	3010
12. मलेशियन डॉलर	.	27.70
13. नार्वेजियन क्रोनर	.	62.20
14. पॉंड स्टार्लिंग	.	6.5475
15. स्वीडिश क्रोनर	.	54.70
16. स्विस फ्रैंक	.	26.70
17. अमेरिकी डालर	.	11.39

[मं० 33/स्टाम्प फा० मं० 33/3/77-वि० क०]

प्रम० ई० रामस्वामी, अव० मन्त्रिय

वाणिज्य मंत्रालय

नई विली, 29 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3478.—केन्द्रीय सरकार, नारियल जटा के नियम (निरीक्षण) नियम, 1972 के नियम 8 के अनुमति में, भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की प्राधिकारिता से० का०आ० 1388, तारीख 3 जून, 1972 को अधिकारित करने हुए, नीचे दी गई नारणी के सन्दर्भ 2 में वर्णित व्यक्तियों को, उसके सन्दर्भ (1) को तत्सम्बन्धीय प्रविष्टि में निविष्ट नियति निरीक्षण अधिकारण के विनियम्य के विकल उक्त नियमों के अधीन अपीलों की सुनवाई के प्रयोजन के लिए विशेषज्ञों के पैनल के रूप में नियुक्त करती है :

परन्तु जहाँ उक्त पैनल का कोई मदद्य किसी अपील की विषय-वस्तु में वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है वहाँ वह उस अपील से सम्बन्धित कार्यालयों में भाग नहीं लेगा ।

मारणी

प्राधिकारी जिसके नियंत्रण के विशेषज्ञों के जिस पैनल को अपील की जा सकेगी विशेष अपील की जा सकेगी उसमें सम्मिलित व्यक्ति

1	2
1. अधिकारण, कोचीन	1. अध्यक्ष करर बोर्ड पदेन अध्यक्ष
	2. प्रबन्ध निदेशक, अलप्पी क० मदद्य
	लि०, अलप्पी ।
	3. मुख्य कार्यपालक, म० ग्रा० पिनवाल पाण्डि कम्पनी (डा०) लि०, अलप्पी
	4. अध्यक्ष, ट्रावनकोर, मेट्स ब्रीर मैट्टिंग मंध, अलप्पी ।
	5. निदेशक, म० चरणकल्प करर मैन्य० (प्रा०) लि०, शेरनल्लै ।
	6. महाप्रबन्धक, हिन्दुस्तान करर, कलाकूर ।
	7. मयुक्त निदेशक (टैक्स), पदेन नियति निरीक्षण परिषद् कलकत्ता ।
	8. संयुक्त निदेशक, नियति संयोजक निरीक्षण परिषद्, कोचीन

[मं० 6(14)/71 निं०निं० नथा निं०उ०]

क० बी० वामसुब्रह्मण्यम, उप निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 29th October, 1977

का०आ० 3478.—In pursuance of rule 8 of the Export of Coir Matting (Inspection) Rules, 1972 the Central Government in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 1388 dated the 3rd June, 1972 hereby appoints the persons mentioned in column 2 of the Table below as the Panel of Experts for the purpose of hearing appeals under the said rules against the decision of the Export Inspection Agency mentioned in the corresponding entry in column 1 thereof :

TABLE

S. No.	Foreign currency	Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100
		3
1.	Australian Schillings	187
2.	Australian Dollars	10.16
3.	Belgian Francs	402
4.	Canadian Dollars	12.11
5.	Danish Kroners	69.70
6.	Deutsche Marks	26.30
7.	Dutch Guilders	27.90
8.	French Francs	55.60
9.	Hong Kong Dollars	52.70
10.	Italian Lire	9990
11.	Japanese Yen	3010
12.	Malaysian Dollars	27.70
13.	Norwegian Kroners	62.20
14.	Pound Sterling	6.5475
15.	Swedish Kroners	54.70
16.	Swiss Francs	26.70
17.	U.S.A. Dollars	11.39

[No. 33/Stamp/F. No. 33/3/77-ST]
S. D. RAMASWAMY, Under Secy.

Provided that where member of any of the said panel is personally interested in the subject matter of any appeal he shall not take part in the proceedings relating to that appeal.

THE TABLE

Authority against whose decision appeal lies.	Persons constituting the panel of experts to which appeal lies.
---	---

1	2
1. Agency, Cochin	1. Chairman, Coir Board—Ex-officio Chairman.
	2. Managing Director, Alleppey Co. Ltd., Alleppey—Member
	3. Chief Executive, M/s. Aspinwall & Co. (Trav) Ltd—Alleppey Member

1	2
4.	President, Travancore, Mats & Mattings Association, Alleppey—Member
5.	Director, M/s. Charankathu Coir Mfg. (P) Ltd., Shertallai—Member
6.	General Manager, Hindustan Kalavoor—Member
7.	Joint Director (Tex), Export Inspection Council, Calcutta, Ex-officio
8.	Joint Director, Export Inspection Council, Cochin. Convener

[No. [6/14/71-EI&EP].
K. V. BALASUBRAMINAM, Dy. Director

